नई दिल्ली

रविवार 31 मई 2026

ज्येष्ठ मास शुक्ल पक्ष, पूर्णिमा वर्ष : 30, अंक : 42

पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

हरिभूमि

दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

मौसम
अधि. 32
न्यून. 25

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

IPL आज का मुकाबला
आरसीबी जीटी
शाम 7.30 बजे से

खबर संक्षेप

सीआईएसएफ के जिम्मे विदेश मंत्रालय की सुरक्षा

नई दिल्ली। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) की इस सप्ताह सुषमा स्वराज भवन स्थित विदेश मंत्रालय के मुख्यालय में औपचारिक तैनाती कर दी गई है। 90 कर्मियों की स्वीकृत संख्या के साथ सीआईएसएफ ने परिसर में सुरक्षा कर्तव्यों का प्रभार संभाला है। विदेश मंत्रालय के संयुक्त सचिव (कार्मिक) तरुण कुमार, उप महानिरीक्षक, सीजीबीएस जी. शिवकुमार, सुरक्षा ब्यूरो के निदेशक कर्नल मनोज यादव और कमांडेंट (ऑपरेशन) नीरज कुमार और विदेश मंत्रालय प्रबंधन के प्रतिनिधियों में सीआईएसएफ कोट का उद्घाटन किया।

डिजी यात्रा एप सेवा 38 एयरपोर्ट पर सफल

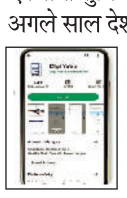

नई दिल्ली। देश में डिजी यात्रा एप सेवा सुविधा का विस्तार अगले साल देश के 27 और एयरपोर्ट तक किया जाएगा। अभी 38 एयरपोर्ट पर ये सुविधा उपलब्ध है। इसके बाद देश के कुल 65 एयरपोर्ट पर यात्रियों की बायोमेट्रिक पहचान के जरिए एंट्री और यात्रा की सुविधा उपलब्ध होगी। वहीं, नवी मुंबई, जेवर और भोगापुरम के नए ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट शुरू से ही पूरी तरह डिजी यात्रा से लैस होंगे। एप के जरिए अब तक 10 करोड़ से ज्यादा यात्राएं आसान और बिना रुकावट के पूरी की जा चुकी हैं। एप्पल यूजर्स और एंड्रॉयड पर इस एप को 2.4 करोड़ से अधिक लोग डाउनलोड कर चुके हैं।

पद्मनाभस्वामी मंदिर में होगा डिजिटल रिकॉर्ड

तिरुवनंतपुरम। त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड (टीडीबी) के अध्यक्ष के. जयकुमार ने कहा है कि बोर्ड अपने प्रशासन के अधीन मंदिरों में मौजूद मूल्यवान वस्तुओं, परिसंपत्तियों और अन्य लेन-देन का जायजा लेने की योजना बना रहा है। खातों को डिजिटल रूप से रिकॉर्ड और संग्रहीत किया जाएगा ताकि उनमें छेड़छाड़ न की जा सके। उन्होंने कहा कि डिजिटलीकरण की प्रक्रिया केरल उच्च न्यायालय के आदेश के अनुरूप है। जो मंदिर से बहुमूल्य वस्तुओं के गायब होने के आरोपों के बीच शुरू हुई है। मंदिर प्रशासन ने इस आरोप का खंडन किया है।

लोगों का गुस्सा 15 साल में सड़क, बिजली व पानी समस्या न सुलझ पाने को लेकर था

सोनारपुर में ममता बेनर्जी के भतीजे अभिषेक पर हमला, उग्र भीड़ ने 'चोर-चोर' के नारे लगाए

कपड़े फाड़े, पत्थर-अंडे फेंके, हेलमेट पहनकर भागे तब ही बच सकी जान

प्रदर्शन कर रहे लोगों का कहना था कि सड़कों की हालत खस्ता है और पीने का साफ पानी तक नहीं मिलता। एक तरफ जनता बुनियादी चीजों के लिए तरस रही है, तो दूसरी तरफ अभिषेक बेनर्जी ने अपने लिए 17 घर खड़े कर लिए हैं

एजेंसी ▸▸ कोलकाता

पश्चिम बंगाल के सोनारपुर में पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे टीएमसी सांसद अभिषेक बेनर्जी पर भीड़ ने हमला बोल दिया। उग्र भीड़ ने 'चोर-चोर' के नारे लगाए, अंडे फेंके और मारपीट की। सुरक्षा बलों ने हेलमेट पहनाकर उन्हें सुरक्षित निकाला। अभिषेक बेनर्जी ने इसे भाजपा का प्रायोजित हमला बताया और पुलिस की गैरमौजूदगी का आरोप लगाया। चुनाव के बाद हुई हिंसा के दौरान पीड़ितों से मिलने अभिषेक पहुंचे थे। ये पूरी घटना सोनारपुर के कमराबाद इलाके की है। टीएमसी सांसद शनिवार शाम को अपनी पार्टी के एक मृतक कार्यकर्ता के घर पहुंचे थे। वे करीब साढ़े चार बजे कमराबाद पहुंचे। इस दौरान भाजपा के नेता-कार्यकर्ता के साथ बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी पहले से मौजूद थे। इस प्रदर्शन में महिलाओं को आगे रखा गया था, जिनके हाथों में कच्चे अंडे थे।

अभिषेक का आरोप- यह भाजपा प्रायोजित हमला था

ये हालत कर दी थी

» *इस प्रदर्शन में महिलाओं को आगे रखा गया था, जिनके हाथों में कच्चे अंडे थे*

» *अभिषेक ने कहा कि मौके पर कहीं भी पुलिस दिखाई नहीं दे रही थी*

अभिषेक ने बाइक से इलाके में घुसने की कोशिश की

भारी विरोध को देखते हुए अभिषेक बेनर्जी अपनी कार छोड़कर बाइक से इलाके के अंदर घुसने लगे। तभी प्रदर्शनकारियों ने पीड़ित के घर से कुछ सौ मीटर पहले ही उन्हें रोक लिया। उनके सामने चोर-चोर के नारे लगाने शुरू कर दिए। इस दौरान उग्र भीड़ ने सड़क पर दो मोटरसाइकिलें भी फेंक दीं, जिससे वहां अफरा-तफरी का माहौल बन गया। प्रदर्शन कर रहे लोगों का कहना है कि इलाके में पिछले 15 साल से कोई विकास नहीं हुआ है। सड़कों की हालत खस्ता है और पीने का साफ पानी तक नहीं मिलता। एक तरफ जनता बुनियादी चीजों के लिए तरस रही है, तो दूसरी तरफ अभिषेक बेनर्जी ने अपने लिए 17 घर खड़े कर लिए हैं।

हमले के दौरान पुलिस गायब थी

बेनर्जी ने अपने पर हुए हमले के बाद कहा कि यह सब पूरी तरह से भाजपा द्वारा प्रायोजित है। आप खुद देख सकते हैं कि आज मेरा क्या हाल किया गया है। यह इनके लोकतंत्र का असली नमूना है। सबसे बड़ी बात यह है कि मौके पर कहीं भी पुलिस दिखाई नहीं दे रही थी।

कल फर्जी हस्ताक्षर मामले में अभिषेक से सीआईडी करेगी पूछताछ

शनिवार सुबह ही अभिषेक को पश्चिम बंगाल सीआईडी ने कथित फर्जी हस्ताक्षर मामले में समन भेजा है। उन्हें कल यानी सोमवार दोपहर 12 बजे सीआईडी मुख्यालय भवानी भवन में पूछताछ के लिए बुलाया गया है। सीआईडी अधिकारियों ने शनिवार को उनके कालीघाट स्थित आवास पर जाकर नोटिस सौंपा। अभिषेक बेनर्जी के खिलाफ 15 मई को एफआईआर दर्ज की गई थी। उनके खिलाफ बंगाल विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान भड़काऊ भाषण और गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ धमकी भरा बयान देने का आरोप है।

एआई इंडेक्स में भी चौथा स्थान

भारत बना दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी डिजिटल इकॉनोमी

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

जर्मनी, फ्रांस, जापान, ब्रिटेन और कनाडा को पीछे छोड़ा

भारत ने वैश्विक डिजिटल और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की रेस में जर्मनी, फ्रांस, जापान, ब्रिटेन और कनाडा जैसे देशों को पीछे छोड़ दिया है। 'स्टेट ऑफ इंडियाज डिजिटल इकोनॉमी' 2026 की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक भारत अब दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी डिजिटल अर्थव्यवस्था बन गया है। यही नहीं, एआई परफॉर्मेंस के मामले में भारत अब अमेरिका, चीन और सिंगापुर के बाद दुनिया में चौथे नंबर पर है। भारत को मिली यह कामयाबी डिजिटल कनेक्टिविटी, फिनटेक विकास और ▸▸ शेष पेज 5 पर

अकेले भारत में 26 प्रतिशत यूजर

वैश्विक स्तर पर कुल एआई उपयोग का लगभग 40% हिस्सा अकेले भारत और चीन मिलकर संभालते हैं। दुनिया भर के कुल एआई उपयोगकर्ताओं में से 26% यूजर अकेले भारत में हैं। इतनी बड़ी क्षमता के बाद भी वैश्विक स्तर पर होने वाले ▸▸ शेष पेज 5 पर

आज अहमदाबाद में आईपीएल का फाइनल

जीटी की 'सीटी' बजेगी या आरसीबी फिर बनेगा 'रॉयल'

एजेंसी ▸▸ अहमदाबाद

मुकाबला शाम 7:30 बजे से शुरू होगा

एआई एमेज

आईपीएल का फाइनल मैच रविवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और गुजरात टाइटंस के बीच अहमदाबाद में खेला जाएगा। मुकाबला शाम 7:30 बजे से शुरू होगा। नरेंद्र मोदी स्टेडियम में दोनों टीमों के पास दूसरी बार टाइटल जीतने का मौका है। बेंगलुरु ने पिछले साल पहला खिताब जीता था, जबकि गुजरात 2022 में अपने पहले सीजन में चैंपियन बनी थी। विराट कोहली और शुभमन गिल की टीम ने खिताब ▸▸ शेष पेज 5 पर

फ्लाइट के टिकट व होटल महंगे

इस मैच के कारण अहमदाबाद के फ्लाइट के टिकट महंगे हो गए हैं। 17,000 से 35,000 रुपए तक किराया ज्यादा बढ़ गया है। वहीं, अहमदाबाद में बड़े होटलों का एक रात का किराया भी 36,000 तक पहुंच गया है। प्रीमियम होटल 30 और 31 मई को पूरी तरह से बुक हैं। अनुमान है कि होटल इंडस्ट्री को सिर्फ दो दिनों में 200 करोड़ रुपए से ज्यादा का मुनाफा होगा।

मद्रास हाईकोर्ट ने मंदिरों में वीआईपी दर्शन पर उठाए सवाल

बुजुर्गों और दिव्यांगों को छोड़ें बाकी भेदभाव तुरंत बंद हो

भगवान मंत्रियों का इंतजार नहीं करते, उनके लिए तो सब बराबर

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

एआई एमेज

मद्रास हाई कोर्ट ने हिंदू मंदिरों में पैसे देकर होने वाले वीआईपी दर्शन को पूरी तरह गलत और भेदभावपूर्ण बताया है। कोर्ट तर्क दिया कि चर्च और मस्जिदों में ऐसी कोई प्रथा नहीं अपनाई जाती, तो फिर मंदिरों में ऐसा क्यों हो? दरअसल, जस्टिस जीआर स्वामीनाथन और जस्टिस वी. लक्ष्मीनारायणन की वैकेशन बेंच ने कहा कि मंत्रियों और विधायकों को यह नहीं सोचना चाहिए कि वे किसी भी समय मंदिर में प्रवेश कर सकते हैं और भगवान उनका इंतजार कर रहे होंगे। आखिर हमें वीआईपी दर्शन की जरूरत ही क्यों है? भगवान की नजर में सभी समान हैं। कोर्ट ने सरकार की उस दलील को भी सिरे से खारिज कर दिया जिसमें कहा गया था कि वीआईपी दर्शन बंद करने से मंदिरों को राजस्व का नुकसान होगा। अदालत ने साफ किया कि संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों, बुजुर्गों और दिव्यांगों को छोड़कर आम भक्तों के बीच इस तरह का भेदभाव तुरंत बंद होना चाहिए।

संघ के प्रचार प्रमुख आंबेकर का दावा

1947 में संघ मजबूत होता तो नहीं बंटता भारत

तब भी संघ ने प्रभावित हिंदुओं को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने और उन्हें दोबारा बसाने में मदद की

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

आरएसएस प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने कहा कि अगर 1947 में संघ अधिक मजबूत होता तो भारत का बंटवारा नहीं होता। उन्होंने संघ की भूमिका, संवाद और पाकिस्तान संबंधों पर भी अपनी बात रखी। मीडिया से बातचीत में आंबेकर ने कहा कि जब भारत को आजादी मिली थी, उस समय संघ उतना मजबूत नहीं था जितना वह बनना चाहता था या जितना आज है। उनका कहना था कि अगर उस समय संघ की ताकत ज्यादा होती, तो देश का बंटवारा रोका जा सकता था। विभाजन के दौरान संघ ने अपनी क्षमता के अनुसार लोगों की मदद की। संघ ने खास तौर पर हिंसा और अशांति से प्रभावित हिंदुओं को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने और उन्हें दोबारा बसाने का काम किया। उनके अनुसार संघ किसी व्यक्ति या समुदाय से नफरत नहीं करता और न ही किसी को अपना दुश्मन मानता है। संघ हमेशा बातचीत और चर्चा के लिए तैयार रहता है। पाकिस्तान के साथ बातचीत को लेकर सरकार्यवाह ▸▸ शेष पेज 5 पर

न्यायिक प्रक्रिया में देरी को लेकर सुप्रीम कोर्ट सख्त

सभी हाईकोर्ट को 3 महीने में ही सुनाना होगा सुरक्षित निर्णय

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

जमानत पर उसी दिन आएगा ऑर्डर

न्यायिक प्रक्रिया में देरी को लेकर सख्त रुख अपनाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को सभी हाईकोर्ट को निर्देश दिया कि फैसला सुरक्षित (रिजर्व) करने की तारीख से तीन महीने के भीतर फैसला सुनाया जाए। शीर्ष अदालत ने कहा कि फैसलों में देरी से मुकदमेबाजों को अपूरणीय नुकसान होता है और विशेष रूप से व्यक्तिगत स्वतंत्रता से जुड़े मामलों में त्वरित निर्णय आवश्यक है। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जमानत अर्जियों पर आदेश उसी दिन सुनाया जाना चाहिए। यदि किसी कारणवश जमानत आदेश रिजर्व किया जाता है, तो उसे अगले दिन अनिवार्य रूप से सुनाकर अपलोड किया जाए। अदालत ने यह भी कहा कि जमानत या सजा निलंबन का आदेश सुनाए जाते ही जेल प्रशासन को तुरंत सूचित किया जाए, ताकि विचाराधीन कैदी या दोषी को प्राथमिकता के आधार पर उसी दिन, या अधिकतम अगले दिन रिहा किया जा सके। चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की पीठ ने एक याचिका पर सुनवाई के दौरान यह दिशा-निर्देश जारी किए। शीर्ष अदालत ने संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत अपनी असाधारण शक्तियों का प्रयोग करते हुए कहा कि अगर केवल फैसले का ऑपरेटिव हिस्सा सुनाया जाता है, तो विस्तृत कारण युक्त निर्णय 15 दिनों के भीतर अपलोड होना चाहिए। साथ ही, अगर रिजन्ड (कारणयुक्त) फैसला ओपन कोर्ट में सुनाया जाता है, तो उसे 24 घंटे के भीतर हाईकोर्ट की वेबसाइट पर अपलोड करने का निर्देश दिया ▸▸ शेष पेज 5 पर

सुरक्षा की शुरुआत आपकी एक कॉल से

क्रमांक	जिला	CAW सेल का पता	संपर्क नंबर
1.	CAW सेल मुख्यालय	SPUWAC, नानकपुरा, दिल्ली, मोती बाग गुरुद्वारा के पास, दिल्ली–110021	7835075012
2.	नई दिल्ली	CAW सेल, कमरा नंबर 104, पहली मंजिल पीएस मंदिर मार्ग, नई दिल्ली जिला	9971814565
3.	पूर्व	CAW सेल, डीसीपी कार्यालय, मंडावली फजलपुर, गाजीपुर, आईपी एक्सटेंशन, नई दिल्ली	9540426425
4.	उत्तर पूर्व	CAW सेल, आर.एस. की पुरानी बिल्डिंग, नंद नगरी, दिल्ली–110093	8800740099
5.	सेंट्रल	CAW सेल, पहली मंजिल, पुलिस स्टेशन कमला मार्केट, गिरधर लाल अस्पताल के पास, नई दिल्ली	9649930520
6.	नॉर्थ	CAW सेल, पीएस सब्जी मंडी, ग्राउंड फ्लोर, हिंदू राव अस्पताल के पास, दिल्ली	7678696088
7.	साउथ ईस्ट	CAW सेल, श्री निवास पुरी पुलिस पोस्ट, अमर कॉलोनी, नई दिल्ली	8178985651 8708464944
8.	रोहिणी	CAW सेल, पी.एस. बेगमपुर, रोहिणी, नई दिल्ली	9911331131
9.	साउथ	CAW सेल साउथ, अशोक विहार, साकेत (अनुपम PVR के पीछे)	99111 65959
10.	द्वारका	CAW सेल, पीएस डाबरी, प्रथम तल, नई बिल्डिंग, दिल्ली	9971757628
11.	शाहदरा	CAW सेल, 123, ब्लॉक एफ, दिलशाद गार्डन, दिल्ली–110095	98113 57769
12.	आउटर	CAW सेल, दूसरी मंजिल, पीपी बक्करवाला जेजे कॉलोनी, (पी.एस. मुंडका), दि.–41	9999516034
13.	साउथ वेस्ट	CAW सेल, दूसरी मंजिल, पीएस दिल्ली कैंट	9650265605
14.	वेस्ट	CAW सेल, पहली मंजिल, पुलिस स्टेशन कीर्ति नगर, टिम्बर मार्केट के पास, नई दिल्ली	6828401611
15.	नॉर्थ वेस्ट	CAW सेल, M2K सिनेमा के पास, रानी बाग, दिल्ली	9213999334
16.	आउटर नॉर्थ	CAW सेल, आउटर नॉर्थ डिस्ट्रिक्ट, डी–ब्लॉक सेक्टर 11, रोहिणी तितिक्षा पब्लिक स्कूल के पास	90134 01355 98719 59009

DP/9890/2026

पुलिस आयुक्त, दिल्ली को ई-मेल करें : cpdelhi@delhipolice.gov.in | पुलिस आयुक्त दिल्ली को लिखें | पी.ओ. बॉक्स नंबर 171, जीपीओ, नई दिल्ली पर

@DelhiPoliceOfficial @DelhiPolice @delhi.police_official @DelhiPoliceofficial delhipolice.gov.in

तत्काल पुलिस सहायता के लिए 112 पर कॉल करें | जानकारी साझा करने के लिए 14547 पर कॉल करें

आर्य समाज के 43वें वैचारिक क्रांति शिविर का शुभारंभ

नई दिल्ली। अखिल भारतीय दयानंद सेवाश्रम संघ की ओर से आर्य समाज रानी बाग में 43 वें वैचारिक क्रांति शिविर का शुभारंभ विधायक करनैल सिंह ने किया। इस अवसर पर उन्होंने वनवासी क्षेत्रों में आर्य समाज के सुधारवादी कार्यों की सराहना की। जो 58 वर्ष पूर्व, जय जवान-जय किसान के मंत्रदाता लाल बहादुर शास्त्री की प्रेरणा से निरंतर कार्यरत है। महामंत्री जोगेंद्र खट्टर ने बताया कि यहां देश भर के 14 राज्यों से 225 युवक-युवतियां सामाजिक समरसता व देश की एकता-अखंडता की शपथ लेंगे। शिविर का समापन 7 जून रविवार शाम 5 बजे भारत मंडपम, नई दिल्ली में होगा। दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के महासचिव विनय आर्य ने कहा कि शिविर में यज्ञोपवीत व आत्म विकास के संस्कार दिए जाते हैं। जो हमें माता-पिता, गुरु व राष्ट्र सेवा का कर्तव्य बोध कराता है। पार्षद अजय रवि हंस, ज्योति अग्रवाल ने वनवासी शिविरार्थियों को हर प्रकार से सहयोग देने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर आर्य नेता धर्मपाल आर्य, मुकेश आर्य, आचार्य शरत चंद्र, जीव वर्धन शास्त्री, आचार्य संतोष, आचार्या सुमेधा, मीना दराल, सुनील शास्त्री ने अंधविश्वासों, पाखंडों से बचने के अनुभव सुनाए।

नौ संदिग्ध गुर्गों को किया गिरफ्तार

आईएसआई-अंडरवर्ल्ड आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ ने आईएसआई-मुंबई अंडरवर्ल्ड नेटवर्क से जुड़े उन नौ संदिग्ध गुर्गों को गिरफ्तार किया है, जो राष्ट्रीय राजधानी में महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों और सुरक्षा कर्मियों पर हमलों की कथित तौर पर साजिश रच रहे थे। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि अभियान के दौरान आरोपियों के पास से हथियार और विस्फोटक बरामद किए गए हैं।

इसने बताया कि खुफिया जानकारी पर आधारित एक अभियान के बाद इन लोगों को गिरफ्तार किया गया।

अधिकारियों ने बताया कि इस मॉड्यूल पर कुछ समय से निगरानी रखी जा रही थी, जिसके बाद इसके सदस्यों को गिरफ्तार करने के लिए समन्वित कार्रवाई की गई। उन्होंने बताया कि कथित तौर पर ये नौ गुर्गे पाकिस्तान की जासूसी एजेंसी 'इंटर-सर्विसेज इंटेलीजेंस' (आईएसआई) और मुंबई के अंडरवर्ल्ड से जुड़े लोगों के इशारे पर काम कर रहे थे। उन्होंने कहा कि उन्हें कथित तौर पर दिल्ली में संवेदनशील ठिकानों पर हमले करने का काम सौंपा गया था। पुलिस ने कहा कि आरोपी सार्वजनिक व्यवस्था को बिगाड़ने और सुरक्षा प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने के उद्देश्य से की गई गतिविधियों में कथित तौर पर शामिल थे। पुलिस ने बताया कि नेटवर्क के पूरे दायरे का पता लगाने, इनके अन्य साथियों की पहचान करने और बरामद हथियारों एवं विस्फोटकों के स्रोत का पता लगाने के लिए जांच जारी है। अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली पुलिस इस मॉड्यूल की गतिविधियों को निर्देशित करने में सीमा पार के संभावित संबंधों, वित्तपोषण के माध्यमों और विदेशी आकाओं की भूमिका की भी जांच कर रही है। विस्तृत विवरण की प्रतीक्षा है।

मानसून सिर पर, नालों की नहीं हुई सफाई: नारंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

भाजपा सरकार ने पिछले साल की तरह इस बार भी बारिश में देश की राजधानी दिल्ली को डुबोने की पूरी तैयारी कर ली है। मानसून सिर पर खड़ा होने के बावजूद नालों की सफाई पूरी नहीं हुई है। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और एमसीडी में नेता विपक्ष अंकुश नारंग ने शनिवार को भाजपा सरकार को आड़े हाथ लेते हुए यह आरोप लगाए हैं। एमसीडी में नेता विपक्ष अंकुश नारंग ने कहा कि ईस्ट, वेस्ट और सेंट्रल दिल्ली में पीडब्ल्यूडी और एमसीडी के नालों की अभी तक सफाई शुरू नहीं हुई। शाहदरा और नजफगढ़ जैसे बड़े नाले तक सरकार नहीं साफ कर पाई है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ मिंटो ब्रिज से बाहर निकलकर पूरी दिल्ली को देखे और इस बार मानसून में दिल्ली को डूबने से बचाए।

नेता विपक्ष नारंग ने कहा कि मई का महीना खत्म हो रहा है और जून शुरू हो गया है। इसी जून में दिल्ली में मानसून आएगा, लेकिन अभी तक दिल्ली में पीडब्ल्यूडी और एमसीडी के नालों की सफाई नहीं हुई है। ईस्ट दिल्ली, वेस्ट दिल्ली और सेंट्रल दिल्ली में नालों की सफाई शुरू तक नहीं हुई है। कई जगहों पर केवल पहले फेज की सफाई हुई है और दूसरे फेज के काम में अभी 17 दिन लगने हैं। ऐसे में क्या इस बार फिर से दिल्लीवासियों को जलभराव का सामना करना पड़ेगा और सीवर व गटर का गंदा पानी जगह-जगह बहेगा?

अंकुश नारंग ने कहा कि क्या दिल्ली की जनता ने भाजपा की चार इंजन वाली सरकार इसलिए बनवाई है? जनता ने भाजपा को सातों सांसद, 48 विधानसभा सीटें, एमसीडी में महापौर और स्थाई समिति अध्यक्ष क्या इसलिए दिए हैं ताकि दिल्ली की जनता इस बार फिर से जलभराव देखे? नारंग ने आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा को शर्म आनी चाहिए। शाहदरा और नजफगढ़ के बड़े नालों को अभी तक साफ नहीं किया गया है। जितने भी छोटे और बड़े नाले हैं, उनकी सफाई अभी तक नहीं हुई है। इससे बारिश के दौरान एमसीडी और पीडब्ल्यूडी की हर गली और सड़क पर जगह-जगह फिर से जलभराव नजर आएगा।

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **निशार अहमद, पुत्रः** रियाजुद्दीन, **पताः** मकान नं. 1439, पॉकेट–II, सेक्टर–A6, नरेला, दिल्ली ने मुकदमा **FIR No. 36216/2024, U/s 305(B)/317(2) Bharatiya Nyaya Sanhita, 2023, थानाः हज़रत निज़ामुद्दीन, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **निशार अहमद** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **निशार अहमद** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि मुकदमा **FIR No. 36216/2024, U/s 305(B)/317(2) Bharatiya Nyaya Sanhita, 2023, थानाः हज़रत निज़ामुद्दीन, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **निशार अहमद** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **02.07.2026** को या इसरो पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री मनुज कौशल
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी – 3 (दक्षिण–पूर्व)
कमरा नं. 512, साकेत कोर्ट, नई दिल्ली

DP/7105/SE/2026
(Court Matter)

कूलर कारखाने में लगी आग नौ मजदूरों को सुरक्षित निकाला

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

बाहरी उत्तरी दिल्ली के बवाना औद्योगिक क्षेत्र में शनिवार तड़के कूलर बनाने वाले एक कारखाने में आग लग गई, जिसके बाद इमारत में फंसे नौ मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के अनुसार, दिल्ली राज्य औद्योगिक और बुनियादी ढांचा विकास निगम (डीएसआईआईडीसी) के सेक्टर-5 स्थित एक कारखाने में आग लगने की सूचना तड़के 3:16 बजे मिली। अधिकारियों ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही दमकल की आठ गाड़ियों को तुरंत मौके पर भेजा गया और सुबह करीब पांच बजे तक आग पर काबू पा लिया गया।

अग्निशमन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि आग कूलर कारखाने के 'हनीकॉम्ब पैड' (कूलर की घास) बनाने वाले हिस्से में लगी थी, जिससे भूमिगत तल और भूतल पर रखे सामान को काफी नुकसान पहुंचा। उन्होंने बताया कि आग की चपेट में आने से भूमिगत तल में खड़ी एक मोटरसाइकिल भी क्षतिग्रस्त हो गई।

डीएफएस के एक अधिकारी ने बताया कि इस बहुमंजिला इमारत में भूमिगत तल, भूतल और दो ऊपरी मंजिलें हैं। बचाव अभियान के तहत कारखाने के भीतर फंसे नौ मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

भीषण गर्मी से मई महीने में ही 157 अज्ञात बेघरों की मौत, रेखा सरकार की तैयारी बेनकाबः यादव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

भीषण गर्मी और से बेहाल दिल्ली में बेघरों की मौत को लेकर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने गंभीर सवाल उठाए है। यादव ने कहा है कि जीवन और मौत से लड़ रहे दिल्ली के लाखों बेघर और बेसहारा लोगों को भीष्ण गर्मी के प्रकोप से बचाने में रेखा गुप्ता का समर एक्शन प्लान पूरी तरह से विफल साबित हुआ है। जिसके चलते देश की राजधानी दिल्ली में सिर्फ मई के महीने में ही भीषण गर्मी से 157 अज्ञात बेघरों की मौत हो चुकी है जो बेहद चिंताजनक है। यादव ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की भीष्ण गर्मी और लगातार बढ़ते तापमान से दिल्ली के नागरिकों को बचने की अपील पर कटाक्ष किया। उन्होंने पूछा कि दिल्ली सरकार राजधानी में लगभग 3 लाख बेघर और बेसहारा लोगों को भीषण गर्मी से बचाने के लिए क्या किया है। क्योंकि सरकार का भीषण गर्मी से बचाव का समर एक्शन प्लान पूरी तरह नाकाम साबित हो चुका है और दिल्ली भर में इस बार गर्मी से मई महीने में ही 157 अज्ञात बेघरों की मौत चुकी है। जबकि दिल्ली का स्वास्थ्य मंत्रालय पूरी तरह बेसुध और अनजान बना बैठा है। यादव ने कहा कि एम्स, सफदरजंग, राम मनोहर लोहिया अस्पताल , एलएनसीपी सहित अन्य प्रमुख अस्पतालों के बाहर रात के दौरान महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को भीषण गर्मी में खुले में रहना दिल दहला देने वाला है, जो मजबूरी में खुले में पड़े है। शौचालयों और पीने के पानी के लिए कोई व्यवस्था तक नहीं है। उन्होंने कहा कि एक स्वतंत्र फील्ड ऑडिट रिपोर्ट के अनुसार, 97.01 प्रतिशत गर्मी से पीड़ित फुटपाथ पर पड़े लोगों को अस्पताल की टीमों से कोई चिकित्सा सहायता या देखरेख नही मिली। यादव ने कहा कि सड़कों, फ्लाईओवर के नीचे, फुटपाथों पर बेघर व्यक्ति, अस्पतालों के बाहर खुले में मरीजों के परिजन, डिलीवरी बॉय राइडर और ड्राईवर जैसे गिग वर्कर, निर्माण श्रमिक, प्रवासी मजदूर आदि को भीषण तापमान से बचाने के लिए सरकार की तरफ कोई योजना जमीनी स्तर अमल में नही है। यादव ने कहा कि सीएम रेखा गुप्ता ने उन लोगों से गर्मी से बचने की अपील की जिनके सर पर छत है।

एसबीईसी शुगर लिमिटेड
रजि. कार्यालयः ग्राम लोयन मलकपुर, तहसील बड़ौत, जिलाः बागपत, उत्तर प्रदेश–250611
सीआईएनः L15421UP1991PLC019160
दूरभाषः 01234–259206 फैक्स:91–1234–259200
ई–मेलः investors@sbecsugar.com, वेबसाइटः www.sbecsugar.com

31 मार्च, 2026 को समाप्त तिमाही और वर्ष के लिए लेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों (स्टैंडअलोन और समेकित) का सारांश

(रुपये लाख में)

क्रम सं.	विवरण	स्टैंडअलोन			समेकित		
		तिमाही समाप्त		वर्ष समाप्त	तिमाही समाप्त		वर्ष समाप्त
		31.03.2026 लेखापरीक्षित	31.03.2025 लेखापरीक्षित	31.03.2026 लेखापरीक्षित	31.03.2026 लेखापरीक्षित	31.03.2025 लेखापरीक्षित	31.03.2026 लेखापरीक्षित
1	कुल आय	15552.56	20383.83	53738.80	16125.05	20946.01	55253.71
2	अवधि के लिए शुद्ध लाभ/(हानि) (कर से पहले, असाधारण और/या असाधारण मदें)	670.44	4547.65	(6280.89)	798.34	4724.94	(6394.63)
3	अवधि के लिए शुद्ध लाभ/(हानि) कर से पहले (असाधारण और/या असाधारण मदों और सहयोगियों के लाभ/हानि के हिस्से के बाद)	670.44	4547.65	(6280.89)	9132.59	11395.44	1939.62
4	शुद्ध लाभ/(हानि) कर के बाद की अवधि के लिए (असाधारण और/या असाधारण मदों के बाद)	670.44	4547.65	(6280.89)	9058.52	11305.62	1865.54
5	अवधि के लिए कुल व्यापक आय [इस अवधि के लिए लाभ/(हानि) शामिल है (कर के बाद) और अन्य व्यापक आय (कर के बाद)]	758.89	4518.63	(6218.79)	9632.24	11323.21	2413.23
6	चुकता इक्विटी शेयर पूंजी	4765.39	4765.39	4765.39	4765.39	4765.39	4765.39
7	पिछले वर्ष की बैलेंस शीट के अनुसार पुनर्मूल्यांकन रिजर्व को छोड़कर रिजर्व			(17091.19)			11971.90
8	प्रति शेयर आय (ईपीएस) (निरंतर और बंद परिचालन के लिए)						
	ए. मूल	1.41	9.54	(13.18)	19.01	23.72	3.91
	बी. तनुकृत	1.41	9.54	(13.18)	19.01	23.72	3.91

टिप्पणियाँ:
1. उपरोक्त सेबी (सूचीबद्धता और अन्य प्रकटीकरण आवश्यकताएँ) विनियमन, 2015 के विनियमन 33 के तहत स्टॉक एक्सचेंज में दाखिल तिमाही और वर्ष समाप्त वित्तीय परिणामों के विस्तृत प्रारूप का एक अंश है। तिमाही वित्तीय परिणामों का पूरा प्रारूप स्टॉक एक्सचेंज की वेबसाइट www.bseindia.com और कंपनी की वेबसाइट www.sbecsugar.com पर उपलब्ध है।
2. उपरोक्त वित्तीय परिणामों की समीक्षा की गई है और लेखापरीक्षा समिति द्वारा संस्तुति की गई है तथा निदेशक मंडल द्वारा 29 मई, 2026 को आयोजित अपनी–अपनी बैठकों में अनुमोदित किया गया है।
3. वित्तीय परिणाम कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 133 के तहत निर्धारित भारतीय लेखा मानकों (इंड–एएस) के अनुसार तैयार किए गए हैं, जिन्हें कंपनी (भारतीय लेखा मानक) नियम (संशोधित) के साथ पढ़ा गया है।

दिनांक: 29.05.2026

बोर्ड के आदेश द्वारा
हस्ता/–
उमेश कुमार मोदी
अध्यक्ष एवं सभापति
डीआईएन: 00002757

उपराज्यपाल संधू ने किया भारतीय उद्योग परिसंघ की उत्तरी क्षेत्रीय परिषद की बैठक को संबोधित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

उपराज्यपाल (एलजी) तरनजीत सिंह संधू ने भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) की उत्तरी क्षेत्रीय परिषद की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस दृष्टिकोण से प्रेरित होकर कि निजी क्षेत्र राष्ट्रीय विकास में एक अनिवार्य भागीदार है, सरकार और उद्योग के बीच सहयोग को और अधिक सुदृढ़ करने की आवश्यकता है। उन्होंने उद्योग जगत के प्रमुख हितधारक के बीच कहा कि पूरे उत्तरी क्षेत्र के लिए नवाचार, सतत शहरी विकास और पारिस्थितिकी लचीलेपन के एक प्रमुख वाहक के रूप में दिल्ली की महत्वपूर्ण भूमिका है। एलजी ने कहा कि यही कारण है कि पीएम नरेंद्र मोदी विकसित भारत के साथ साथ विकसित दिल्ली पर बल देते है। स्मार्ट बुनियादी ढांचे, हरित पहलों और समावेशी विकास को बढ़ावा देकर, हम अपनी राजधानी को भविष्य के लिए एक आदर्श शहर में बदलने के लिए प्रतिबद्ध हैं। एलजी ने कहा कि ऐसा करना पीएम के विकसित भारत और विकसित दिल्ली की दिशा में सार्थक योगदान देगा।

शराब की दुकान पर गोलीबारी और लूट के प्रयास का मामला

अवैध हथियारों के नेटवर्क का भंडाफोड़, एक अरेस्ट

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने पहाड़गंज में शराब की सरकारी दुकान पर गोलीबारी और लूट के प्रयास से जुड़े मामले में अवैध हथियारों की आपूर्ति करने वाले एक नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है तथा इस सिलसिले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। यह जानकारी शनिवार को एक अधिकारी ने दी। अधिकारी ने बताया कि पुलिस को यह सफलता 24 मई को हुई घटना की जांच के दौरान मिली, जिसमें मध्य दिल्ली स्थित शराब की एक सरकारी दुकान में लूटपाट का विरोध करने पर बदमाशों ने गोलीबारी की थी और 'सेल्समैन' पर चाकू से हमला किया था। इस मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और शस्त्र अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। पुलिस ने वारदात के कुछ ही घंटों के भीतर उत्तर प्रदेश के साहिबाबाद से मुख्य आरोपियों, हर्ष और मोंटी को गिरफ्तार कर लिया तथा उनके पास से एक पिस्तौल, एक चाकू और अपराध में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल बरामद की। अधिकारी ने कहा कि मामले की जांच के दौरान पुलिस ने आरोपियों के बयानों का विश्लेषण किया और तकनीकी निगरानी तथा स्थानीय खुफिया जानकारी के माध्यम से सुराग जुटाए। उन्होंने बताया कि पुलिस टीम ने हमले में इस्तेमाल किए गए हथियार के स्रोत का पता लगाया, और जांच में यह सामने आया कि पहाड़गंज निवासी साहिल उर्फ गंजा (20) तथा न्यू उस्मानपुर निवासी अमित (25) ने आरोपियों के लिए हथियार की व्यवस्था की थी। जांचकर्ताओं ने उत्तर-पूर्वी दिल्ली के वेलकम निवासी विपिन (33) की पहचान कथित रूप से हथियार की आपूर्ति करने वाले व्यक्ति के रूप में की है। पुलिस ने विपिन को गिरफ्तार कर उसके पास से दो अवैध पिस्तौल, पांच मैगजीन और दो कारतूस बरामद किए हैं। अधिकारियों के अनुसार, जांच में पता चला कि आरोपी मोंटी द्वारा इस्तेमाल किए गए हथियार की व्यवस्था कथित तौर पर साहिल ने की थी, जबकि अमित ने साहिल के लिए हथियार की खरीद में मदद की। उन्होंने कहा कि यह भी सामने आया कि विपिन इस हथियार का स्रोत था और वह अवैध हथियारों की आपूर्ति में कथित रूप से शामिल था। पुलिस ने बताया कि उस आपूर्ति श्रृंखला का पता लगा लिया गया है, जिसके माध्यम से पहाड़गंज में हुई घटना में इस्तेमाल हथियार की व्यवस्था की गई थी। इसने कहा कि नेटवर्क के अन्य सदस्यों की पहचान करने और अवैध हथियारों के अन्य लेन-देन का पता लगाने के लिए जांच जारी है।

SINDHU TRADE LINKS LIMITED
129, Transport Centre, Rohtak Road, Punjabi Bagh, New Delhi-110035
Audited Financial Results (Standalone & Consolidated) for the Quarter & Year ended 31st March, 2026
CIN: L63020DL1992PLC121695 Website: www.sindhutrade.com, Email id: corporatecompliance@sindhutrade.com, Ph.:0124-6913083

Extracts of Standalone & Consolidated Audited Financial Results for the Quarter & Year Ended on 31.03.2026 (in Lakhs)

Particulars	Standalone					Consolidated				
	Quarter Ended			Year Ended		Quarter Ended			Year Ended	
	31.03.2026 (Audited)	31.12.2025 (Unaudited)	31.03.2025 (Audited)	31.03.2026 (Audited)	31.03.2025 (Audited)	31.03.2026 (Audited)	31.12.2025 (Unaudited)	31.03.2025 (Audited)	31.03.2026 (Audited)	31.03.2026 (Audited)
Total Income from operations	10,948.02	9,741.70	13,981.36	44,386.53	50,810.63	12,825.22	12,756.65	57,652.37	57,964.51	2,29,270.40
Net Profit/ (Loss) for the period(before tax, exceptional and/ or Extraordinary items)	1,017.81	711.24	(951.93)	3,318.56	4,615.30	(220.58)	(304.18)	(6,897.18)	1,156.51	16,039.75
Net Profit/ (Loss) for the period before tax (after exceptional and/ or Extraordinary items)	1,017.81	711.24	(951.93)	3,318.56	4,615.30	1,603.34	1,525.94	(6,303.58)	6,635.32	16,633.35
Net profit/ (Loss) for the period after tax (before comprehensive Income)	818.60	574.76	(730.59)	2,457.41	3,849.70	1,396.08	1,387.36	(5,897.95)	5,744.44	12,158.92
Total Comprehensive Income for the Period {comprising Profit / Loss for the Period (after Tax)} and Other Comprehensive Income (after Tax)	1,111.82	574.73	(202.71)	2,750.59	4,377.62	6,219.02	1,568.11	(7,022.76)	11,295.77	17,007.81
Equity Share Capital	15,419.29	15,419.29	15,419.29	15,419.29	15,419.29	15,419.29	15,419.29	15,419.29	15,419.29	15,419.29
Reserves (excluding Revaluation reserves) as shown in the Audited Balance Sheet of the Previous Year)	79,184.73	78,072.91	76,434.14	79,184.73	76,434.14	1,59,872.03	1,49,115.09	1,45,364.07	1,59,872.03	1,45,364.07
Earning Per Shares (for continuing and discontinued operation) of 1/-each) Basic :	0.05	0.04	(0.05)	0.16	0.25	0.08	0.06	(0.35)	0.27	0.17
Diluted:	0.05	0.04	(0.05)	0.16	0.25	0.08	0.06	(0.35)	0.27	0.17

Notes:-
1. The above is an extract of the detailed format of quarterly & yearly financial results filed with the stock exchange under Regulation 33 of the SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015. The full format of the quarterly financial results is available on the websites of the Stock Exchange and company's website www.sindhutrade.com. The above results after being reviewed by the Audit Committee were taken on record by the Board at its Meeting held on 30th May, 2026.
2. The above Audited financial results of the Company for the Quarter & Year ended on 31st March, 2026 have been reviewed by Audit Committee of the Board and approved by the Board of Director at its meeting held on 30th May, 2026.
3. The figures are regrouped in previous year also, wherever considered necessary.
4. Audit Report has been carried out by the Statutory Auditors for the above period.

For & on behalf of Board of Directors
Sindhu Trade Links Limited
Sd/-
Rudra Sen Sindhu
Chairman & Director
DIN: 00006999

Place: Gurugram
Dated: 30.05.2026

मुख्यमंत्री ने की जल आपूर्ति पर समीक्षा बैठक, अधिकारियों को दिए पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश

दिल्ली सरकार प्रत्येक नागरिक तक पर्याप्त पेयजल पहुंचाने के लिए युद्धस्तर पर कर रही है काम : रेखा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली सरकार राजधानी के प्रत्येक नागरिक तक पर्याप्त पेयजल पहुंचाने के लिए युद्धस्तर पर कार्य कर रही है। सरकार तत्काल राहत उपायों के साथ-साथ दीर्घकालिक समाधान पर भी समान रूप से ध्यान दे रही है ताकि भविष्य में जल संकट की स्थिति को स्थायी रूप से नियंत्रित किया जा सके। यह बातें शनिवार का दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने समीक्षा बैठक करने के बाद कही। इस बैठक में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कई निर्देश दिए। मुख्यमंत्री सेवा सदन से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से राजधानी में उत्पन्न पेयजल संबंधी चुनौतियों और जल आपूर्ति की स्थिति की विस्तृत समीक्षा बैठक में बैठक में जल मंत्री प्रवेश साहिब सिंह, दिल्ली जल बोर्ड के उपाध्यक्ष सतीश उपाध्याय, सदस्य अजय महावर, मुख्य सचिव राजीव वर्मा, दिल्ली जल बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी विजय बिधूड़ी तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री के अनुसार भीषण गर्मी के चलते उत्पन्न जल संबंधी चुनौतियों से निपटने के लिए हरियाणा द्वारा मुनक नहर के माध्यम से न्यूनतम 1000 क्यूसेक जल आपूर्ति बनाए रखने का आश्वासन दिया गया है तथा 980 से अधिक टैंकर और 6,000 से ज्यादा दैनिक ट्रिप के माध्यम से लोगों को राहत पहुंचाने के प्रयास किए जा रहे हैं। बैठक के बाद मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि यमुना में वजीराबाद के निकट जल उपलब्धता प्रभावित होने के कारण आपूर्ति पर दबाव बना है। इस संबंध में उन्होंने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से बातचीत की, जिसके परिणामस्वरूप हरियाणा सरकार ने मुनक नहर के माध्यम से दिल्ली को न्यूनतम 1,000 क्यूसेक जल आपूर्ति बनाए रखने का आश्वासन दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली के हितों की रक्षा और पेयजल उपलब्धता सुनिश्चित करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

मुख्यमंत्री को बताया गया कि वर्तमान स्थिति से निपटने के लिए दिल्ली जल बोर्ड के 980 से अधिक जल टैंकर प्रतिदिन 6 हजार से अधिक ट्रिप संचालित कर रहे हैं। घनी आबादी और संकरी गलियों वाले क्षेत्रों में जल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए छोटे टैंकर भी तैनात किए गए हैं। इसके अतिरिक्त यमुना खादर क्षेत्र में अतिरिक्त बोरवेल स्थापित कर प्रतिदिन 10.5 एमजीडी जल उत्पादन क्षमता बढ़ाई गई है।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को जल रिसाव की प्रत्येक घटना को गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जल की एक-एक बूंद बहुमूल्य है और किसी भी प्रकार की बर्बादी स्वीकार्य नहीं होगी। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि दिल्ली जल बोर्ड के अधिकारी प्रतिदिन प्राप्त होने वाली शिकायतों की व्यक्तिगत निगरानी करें तथा जरूरत पड़ने पर स्वयं क्षेत्र में जाकर स्थिति का सत्यापन करें। मुख्यमंत्री के अनुसार पिछले एक सप्ताह में दिल्ली जल बोर्ड हेल्पलाइन पर 11 हजार 55 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 8 हजार 500 से अधिक शिकायतों का समाधान किया जा चुका है। मुख्यमंत्री ने शेष शिकायतों के भी त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए।

दीर्घकालिक जल सुरक्षा के लिए नई योजनाओं पर किया जाए काम

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वर्तमान परिस्थितियों से निपटने के लिए अल्पकालिक उपायों के साथ-साथ दीर्घकालिक जल प्रबंधन योजनाओं पर भी समान गति से कार्य किया जाए, ताकि तत्काल राहत के साथ भविष्य की आवश्यकताओं को भी प्रभावी ढंग से पूरा किया जा सके। इसके अंतर्गत हरियाणा से पाइपलाइन के माध्यम से जल लाने की व्यवहार्यता का अध्ययन किया जा रहा है, जिससे जल हानि और रिसाव को कम किया जा सके। इस संबंध में आईआईटी रुड़की द्वारा व्यवहार्यता अध्ययन किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त वजीराबाद के निकट यमुना में ड्रेजिंग और डी-सिल्टिंग कार्य, नए जल शोधन संयंत्रों की स्थापना तथा यमुना खादर क्षेत्र में अतिरिक्त बोरवेल विकसित करने जैसी योजनाओं पर भी कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान चुनौतियों से निपटने के साथ-साथ भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर बनाई जा रही योजनाएं राजधानी की जल सुरक्षा को और अधिक मजबूत करेंगी। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि शोधन संयंत्रों (एसटीपी) से प्राप्त उपचारित जल का उपयोग बागवानी, वाहन धुलाई तथा अन्य गैर-पेय कार्यों के लिए सुनिश्चित करने हेतु ड्यूल वाटर सप्लाई सिस्टम को चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाए।

जल संरक्षण और जनजागरूकता अभियान पर जोर

मुख्यमंत्री ने जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाने की आवश्यकता पर बल देते हुए दिल्ली जल बोर्ड को व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने दिल्ली जल बोर्ड को जल के विवेकपूर्ण उपयोग को बढ़ावा देने तथा इसके लिए व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि जल संकट का स्थायी समाधान केवल आपूर्ति बढ़ाने से नहीं, बल्कि जल के विवेकपूर्ण उपयोग और संरक्षण से भी संभव है। मुख्यमंत्री ने बताया कि 75 सीएम श्री स्कूलों में वर्षा जल संचयन संरचनाएं विकसित की जा रही हैं। इसके अतिरिक्त 500 नई जल संचयन संरचनाओं के निर्माण तथा 1 हजार पुरानी संरचनाओं के पुनरुद्धार की योजना पर कार्य शुरू हो चुका है और इसके लिए टेंडर प्रक्रिया भी प्रारंभ कर दी गई है।

जल बोर्ड लगातार प्रयास कर रहा है जल शोधन प्रभावित न हो : प्रवेश

दिल्ली के जल मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि गर्मी के चरम मौसम में दिल्ली को प्रतिदिन लगभग 1 हजार 250 एमजीडी (मिलियन गैलन प्रतिदिन) पानी की आवश्यकता होती है। वजीराबाद बैराज पर यमुना के जलस्तर में आई उल्लेखनीय गिरावट के बावजूद दिल्ली जल बोर्ड लगातार प्रयास कर रहा है कि जल उत्पादन प्रभावित न हो और नागरिकों को न्यूनतम असुविधा का सामना करना पड़े। प्रवेश न कहा कि वजीराबाद बैराज पर पानी का स्तर सामान्य 674.5 फीट से घटकर लगभग 668 फीट तक पहुंच गया है। इसके कारण कच्चे पानी की उपलब्धता प्रभावित हुई है और जल उत्पादन में लगभग 80 से 100 एमजीडी की कमी आई है। यमुना के ऊपरी क्षेत्रों में लंबे समय से वर्षा न होने के कारण स्थिति और अधिक चुनौतीपूर्ण हो गई है। इस चुनौती से निपटने के लिए कैरियर लाइन कैनाल से ट्विन मेन्स प्रणाली के माध्यम से अतिरिक्त कच्चा पानी वजीराबाद इंटेक तक पहुंचाया जा रहा है। इसके साथ ही नदी के तलहटी में आपातकालीन पंपिंग व्यवस्था स्थापित की गई है, जिससे लगभग 40 एमजीडी अतिरिक्त कच्चा पानी प्राप्त हो रहा है। वहीं नहर प्रणाली से लगभग 130 एमजीडी अतिरिक्त पानी उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे वजीराबाद और चंद्रावल जल शोधन संयंत्रों का संचालन बनाए रखने में मदद मिली है। वर्तमान कठिन परिस्थितियों के बावजूद दिल्ली जल बोर्ड प्रतिदिन लगभग 900 एमजीडी जल उत्पादन बनाए रखने में सफल रहा है और राजधानी के अधिकांश क्षेत्रों में नियमित जलापूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। हमारी टीमें चौबीसों घंटे उपलब्ध संसाधनों का सर्वोत्तम उपयोग करने और वितरण व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए कार्य कर रही हैं। मंत्री प्रवेश ने कहा कि कच्चे पानी की उपलब्धता को लेकर संबंधित एजेंसियों के साथ लगातार समन्वय किया जा रहा है। दिल्ली सरकार राजधानी की जल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

केन्द्र एवं दिल्ली सरकार की योजनाओं को ले जाना है घर घर तकः सीएम

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली में 27 साल बाद भाजपा की सरकार आई है और हम सब के जीवनकाल में अगले 27 साल तक इसको बनाये रखना है तो हमें केन्द्र एवं दिल्ली सरकार की योजनाओं को घर घर और अंतिम व्यक्ति तक ले जाना है। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली भाजपा के मंडल एवं जिला स्तरीय पं. दीनदयाल उपाध्याय महाप्रशिक्षण अभियान के अंतर्गत अंतिम दो जिलों के दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर प्रारम्भ करने के अवसर पर यह संबोधन दिया। रेखा गुप्ता ने कहा कि भाजपा का इतिहास भी उज्जवल था एवं भविष्य भी उज्जवल रहेगा जिसका मूल कारण है हमारे कार्यकर्ताओं का राष्ट्रवाद का भाव, समर्पण भाव, संगठन विस्तार भाव, त्याग बलिदान का भाव और हमारा सुशासन। प्रदेश भाजपा से मिली जानकारी के अनुसार शनिवार को दिल्ली भाजपा के शेष बचे दो जिलों चांदनी चौक एवं केशवपुरम में भी रात्रि प्रवास प्रशिक्षण शिविर प्रारम्भ हुए। चांदनी चौक जिले के प्रशिक्षण सत्रों के प्रथम सत्र को सम्बोधित करने से पूर्व दिल्ली भाजपा के संगठन महामंत्री पवन राणा ने दीप प्रज्वलन कर शिविर की औपचारिक शुरुआत की। प्रशिक्षण स्थल पर लगी संगठन यात्रा एवं तीनों सरकारों की सफलता की प्रदर्शनी का उद्घाटन चांदनी चौक लोकसभा सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल एवं जिलाध्यक्ष अरविंद गर्ग की उपस्थित में किया। केशवपुरम जिले के प्रशिक्षण शिविर एवं प्रदर्शनी का उद्घाटन दिल्ली में प्रशिक्षण टोली के सहप्रमुख डॉ. सुमित भसीन ने किया। शनिवार को दोनों जिलों में 7 सत्र प्रशिक्षण सत्रों का आयोजन हुआ। आज रविवार 31 मई को दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा, निवर्तमान अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा के अलावा संगठन महामंत्री पवन राणा, सांसद प्रवीन खंडेलवाल, मीडिया प्रमुख प्रवीण शंकर कपूर आदि विभिन्न विषय सत्रों को सम्बोधित करेंगे। नए प्रदेश अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा केशवपुरम के प्रवास में एवं वीरेन्द्र सचदेवा चाँदनी चौक के प्रवास में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मन की बात कार्यक्रम सुनेंगे।

पंजाबी बागः रानीबाग अंडरपास के नजदीक गंदगी का अंबार

- महीनों से नहीं हुई नाले की सफाई, राहगीर परेशान
- कचरे से भरा नाला बढ़ा रहा बीमारी का खतरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

पश्चिमी दिल्ली के पंजाबी बाग गोल चक्कर के पास रानी बाग रेलवे अंडरपास के साथ स्थित नाले की हालत बद से बदतर हो चुकी है। लंबे समय से सफाई न होने के कारण नाला पूरी तरह कचरे से पट गया है, जिससे आसपास के क्षेत्र में दुर्गंध फैल रही है और राहगीरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार, ट्रांस्पोर्ट सेंटर स्थित कई नालों की नियमित सफाई नहीं की जा रही है, जिसके चलते प्लास्टिक, गंदगी और अन्य कचरा जमा होकर जल निकासी को बाधित कर रहा है। नाले के किनारे भी कूड़े का ढेर लगा हुआ है और सड़क किनारे का हिस्सा भी टूटा-फूटा व असुरक्षित बना हुआ है। लोगों का कहना है कि दिल्ली सरकार और दिल्ली नगर निगम में समन्वय नहीं है, जिसके चलते यहां गंदगी का आलम है। दिल्ली सरकार और निगम प्रशासन को इस तरफ ध्यान देना चाहिए।

मच्छरों और बीमारियों के फैलने की आशंका

स्थानीय लोगों को कहना है कि यह मार्ग रोजाना सैकड़ों वाहनों और पैदल यात्रियों द्वारा इस्तेमाल किया जाता है। खुले में पड़े कचरे से मच्छरों और बीमारियों के फैलने की आशंका भी बढ़ गई है। स्थानीय नागरिकों ने नगर निगम से जल्द से जल्द नाले की सफाई कराने और इलाके में नियमित स्वच्छता व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है।

डीडीसी बैठक में जनहित और विकास कार्यों की हुई समीक्षा

नई दिल्ली। आउटर नॉर्थ जिले की 'डिस्ट्रिक्ट डेवलपमेंट कमेटी (डीडीसी)' की बैठक का आयोजन अध्यक्ष गजेंद्र दराल की अध्यक्षता में किया गया। बैठक में नरेला विधानसभा क्षेत्र के विधायक राजकरण खत्री, एडीएम मेश राम तथा विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में क्षेत्र से जुड़े जनहित के महत्वपूर्ण मुद्दों, चल रहे विकास कार्यों तथा विभिन्न विभागों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि विकास परियोजनाओं को निर्धारित समय सीमा में पूरा किया जाए तथा नागरिकों को बेहतर और पारदर्शी सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं। विधायक राजकरण खत्री ने कहा कि क्षेत्र के विकास और जनता की समस्याओं के समाधान के लिए जनप्रतिनिधियों और प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक है। उन्होंने सड़क, जलापूर्ति, सफाई, शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य बुनियादी सुविधाओं से जुड़े मुद्दों पर प्राथमिकता के आधार पर कार्य करने पर जोर दिया। विधायक खत्री ने कहा कि नरेला विधानसभा क्षेत्र के समग्र विकास और जनसेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता लगातार जारी रहेगी तथा जनता से जुड़े मुद्दों को हर स्तर पर प्राथमिकता दी जाएगी।

मुख्यमंत्री ने किया कांवड़ समिति का पुनर्गठन, मंत्री कपिल मिश्रा बने अध्यक्ष

समिति कांवड़ यात्रा को सुगम, सुरक्षित और व्यवस्थित बनाकर श्रद्धा और सेवा का नया कीर्तिमान बनाएगी : रेखा गुप्ता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आगामी कांवड़ यात्रा को ऐतिहासिक, सुगम, भक्तिभाव से परिपूर्ण और सुरक्षित बनाने के लिए शनिवार को उच्च स्तरीय 'कांवड़ समिति' का पुनर्गठन किया है। दिल्ली सरकार के संस्कृति व कानून मंत्री कपिल मिश्रा को इस महत्वपूर्ण समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है, जबकि दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले पांच विधायकों को बतौर सदस्य इसमें शामिल किया गया है। मुख्यमंत्री का कहना है कि दिल्ली सरकार इस बार भी शिवभक्तों के लिए सम्मानजनक एवं बेहतर सुविधाएं सुनिश्चित करेगी। इसके लिए कांवड़ शिविरों को विशेष सहायता दी जाएगी। मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता के अनुसार कपिल मिश्रा कांवड़ समिति के अध्यक्ष होंगे, जबकि विधायक अजय महावर, अनिल शर्मा, करनैल सिंह, संजय गोयल व उमंग बजाज को समिति में सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि कांवड़ यात्रा केवल एक पारंपरिक धार्मिक आयोजन मात्र नहीं है, बल्कि यह हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, अटूट सामाजिक समरसता और जनआस्था का एक विराट महोत्सव है। उन्होंने कहा कि सावन माह में दिल्ली की सड़कों पर उमड़ने वाला शिवभक्तों का सैलाब देश की सांस्कृतिक एकता को प्रदर्शित करता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार के लिए कांवड़ व्यवस्थाएं अब सिर्फ कागजी प्रशासनिक कामकाज नहीं रह गई हैं, बल्कि यह पूरी व्यवस्था दिल्ली में सेवा, श्रद्धा और सम्मान का एक अनूठा प्रतीक बन चुकी है। सरकार का मुख्य ध्येय यह सुनिश्चित करना है कि दिल्ली की सीमा में प्रवेश करने वाले हर एक शिवभक्त (कांवड़िए) को अतिथि के रूप में देवतुल्य सम्मान और श्रेष्ठ सुविधाएं मिलें। मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि अध्यक्ष कपिल मिश्रा के नेतृत्व में यह नवगठित समिति जल्द ही दिल्ली के सभी डीएम, दिल्ली पुलिस, लोक निर्माण विभाग, स्वास्थ्य व संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करेगी। समिति का मुख्य फोकस रूट मैनेजमेंट, वॉटरप्रूफ टेंटों की गुणवत्ता, चिकित्सा सुविधाओं की उपलब्धता, 24 घंटे निर्बाध बिजली-पानी की आपूर्ति और सुरक्षा चाक-चौबंद रखने पर होगा, ताकि पिछले वर्ष की तरह इस बार भी यात्रा निर्विघ्न और अभूतपूर्व रूप से संपन्न हो सके। मुख्यमंत्री जानकारी दी कि दिल्ली सरकार ने शिवभक्तों की सेवा के लिए पिछले वर्षों की तुलना में अभूतपूर्व और ऐतिहासिक व्यवस्थाएं की थीं। वर्ष 2024 में जहां राजधानी में केवल 170 कांवड़ शिविरों को मंजूरी मिली थी, वहीं वर्ष 2025 में सरकार द्वारा दी गई आसान मंजूरियों के चलते रिकॉर्ड बढ़ोतरी दर्ज की गई और पूरी दिल्ली में कुल 374 पंजीकृत कांवड़ शिविर लगाए गए। इन शिविरों को सुचारू रूप से चलाने के लिए सरकार ने पुरानी टेंडर प्रथा को खत्म कर सीधे बैंक खातों में (डीबीटी के माध्यम से) 50 हजार रुपये से लेकर अधिकतम 11 लाख रुपये तक की पारदर्शी आर्थिक सहायता प्रदान की, जिसका 50 प्रतिशत हिस्सा आयोजन से पहले ही एडवांस के रूप में जारी कर दिया गया था। इसके अतिरिक्त, समितियों पर वित्तीय बोझ कम करने के उद्देश्य से दिल्ली सरकार द्वारा प्रत्येक पंजीकृत शिविर को 1,200 यूनिट तक मुफ्त बिजली और अस्थाई मीटर के सिक्योरिटी डिपॉजिट में 75 प्रतिशत की छूट भी दी गई थी।

दिल्ली में कई जगह हुई बारिश, पारा लुढ़ककर सामान्य से नीचे, आज भी राहत की बरसात की संभावना

नई दिल्ली। भीषण गर्मी के बीच बारिश दिल्ली वालों के लिए किसी सौगात से कम नहीं है। शनिवार को दिल्ली में दोपहर बाद कई क्षेत्रों में हुई बारिश से अधिकतम पारा नीचे लुढ़क गया और लोगों ने भीषण गर्मी से काफी हद तक राहत महसूस की। वहीं अगर मौसम विभाग की भविष्यवाणी सच साबित हुई तो वीकेंड यानी रविवार को भी दिल्ली वालों को राहत वाली बारिश देखने को मिल सकती है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार दिल्ली में अधिकतम तापमान 37.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ जो सामान्य से 3.2 डिग्री सेल्सियस नीचे है। वहीं न्यूनतम तापमान 24.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ जो सामान्य से 2.0 डिग्री सेल्सियस कम है। आईएमडी के अनुसार सुबह साढ़े आठ बजे से शाम साढ़े पांच बजे तक दिल्ली में सबसे ज्यादा राजघाट में 20.5 मिमी बारिश दर्ज हुई। वहीं लोधी रोड में 3.8 मिमी, रिज एरिया मे 0.4 मिमी, आया नगर में 0.2 मिमी, पूसा में 0.5 मिमी और मयूर विहार में 4.0 मिमी बारिश दर्ज की गई। जबकि शनिवार सुबह साढ़े आठ बजे से पहले दिल्ली में सबसे ज्यादा आया नगर में 11.2 मिमी पानी बरसा। जबकि पालम में 1.2 मिमी बारिश दर्ज हुई। आईएमडी ने ताजा अनुमान में कहा है कि रविवार को भी दिल्ली में ऐसे मौसम रह सकता है। आंशिक रूप से आसमान पर बादल छाए रहेंगे, शाम से देर रात तक कई क्षेत्रों में बारिश दर्ज होने की पूरी पूरी संभावना है। इस दौरान 40-50 किमी प्रति घंटे की गति से हवा चलने की संभावना है।

उपराज्यपाल ने मॉर्निंग वॉक में बोंटा पार्क में लोगों से की मुलाकात, दिल्ली के विकास को लेकर चर्चा

नई दिल्ली। उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने शनिवार सुबह अपनी मॉर्निंग वॉक के दौरान बोंटा पार्क में आम लोगों से मुलाकात की और दिल्ली के विकास सहित अन्य मुद्दों पर चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय के पास उत्तरी रिज स्थित बोंटा पार्क में मॉर्निंग वॉक के दौरान दिल्लीवासियों से मिलने और बातचीत करने का एक अच्छा अवसर मिला। पार्क में लोगों को एक्सरसाइज करते, दौड़ लगाते और परिवारों को हरियाली के बीच समय बिताते देखकर बहुत अच्छा लगा। एलजी ने कहा कि यह देखकर खुशी हुई कि दिल्ली के लोग अपने स्वास्थ्य और फिटनेस को लेकर जागरूक हैं। इस दौरान स्थानीय लोगों ने बातचीत के दौरान पार्क की सुविधाओं को और बेहतर बनाने के के सुझाव और विचारों को भी साझा किया। एलजी ने कहा कि मेरा मानना है कि लोगों के सुझाव हमारे सार्वजनिक स्थलों और दिल्ली को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। हम दिल्ली के इन हरे-भरे क्षेत्रों को सुरक्षित रखने और उन्हें और बेहतर बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। हमारा प्रयास है कि सभी पार्क और सार्वजनिक स्थान सभी लोगों के लिए साफ, सुंदर और सुविधाजनक बने रहें। एलजी ने लोगों से आह्वान किया है कि आइए, हम सब मिलकर दिल्ली को एक स्वच्छ, स्वस्थ और हरित शहर बनाने में अपना योगदान दें। इस मौके पर लोगों द्वारा दिए गए कुछ सुझावों को एलजी ने गंभीरता से लिया है और भरोसा दिया है जल्‌ ही इन पर संबंधित विभागों व उनके अधिकारियों से बातचीत की जाएगी।

परीक्षा में हुई तकनीकी समस्याओं की स्वतंत्र जांच की मांग

सीयूईटी (यूजी) 2026 परीक्षा में तकनीकी गड़बड़ियों से छात्रों में बढ़ा आक्रोश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

देश की सबसे महत्वपूर्ण प्रवेश परीक्षाओं में शामिल 'सीयूईटी (यूजी) 2026' एक बार फिर तकनीकी अव्यवस्थाओं को लेकर सवालों के घेरे में है। दिल्ली के 'हिरण कुदना और सावदा स्थित गंगा इंटरनेशनल परीक्षा केंद्रों' से शनिवार को तकनीकी खराबी और परीक्षा में देरी की शिकायतें सामने आई हैं। इन घटनाओं ने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की तैयारियों और सरकारी डिजिटल व्यवस्था की विश्वसनीयता पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए हैं। छात्रों और अभिभावकों ने मांग की है कि सीयूईटी परीक्षा में हुई तकनीकी समस्याओं की स्वतंत्र जांच कराई जाए, जिम्मेदार अधिकारियों और एजेंसियों की जवाबदेही तय की जाए तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सख्त व्यवस्था लागू की जाए। क्योंकि परीक्षा केवल एक प्रक्रिया नहीं, बल्कि लाखों युवाओं के सपनों और भविष्य का सवाल है। अभिभावकों और छात्रों का आरोप है कि परीक्षा केंद्रों पर तकनीकी खराबी और सर्वर डाउन जैसी समस्याएं अब सामान्य बहाना बनती जा रही हैं। कई छात्रों को निर्धारित समय पर परीक्षा शुरू होने के बजाय घंटों इंतजार करना पड़ा, जिससे उनका मानसिक तनाव बढ़ा और परीक्षा प्रदर्शन भी प्रभावित होने की आशंका पैदा हो गई।

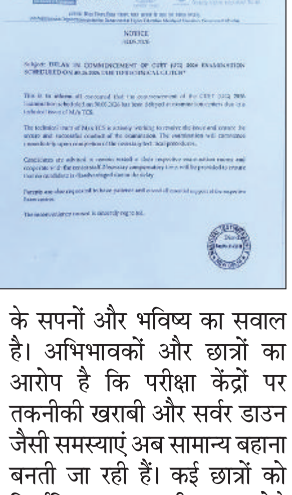

बैकअप सिस्टम और जवाबदेही का ढांचा होना चाहिए

अभिभावकों का मानना है कि डिजिटल परीक्षा प्रणाली में तकनीकी चुनौतियां संभव हैं, लेकिन लाखों छात्रों के भविष्य से जुड़े आयोजन में मजबूत बैकअप सिस्टम और जवाबदेही का ढांचा होना चाहिए। यदि परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त तकनीकी सहायता और वैकल्पिक व्यवस्था उपलब्ध हो, तो छात्रों को घंटों इंतजार नहीं करना पड़े।

गड़बड़ियों की जवाबदेही किसकी

अभिभावकों ने सवाल किया है कि जब सरकार डिजिटल इंडिया और तकनीकी दक्षता के दावे कर रही है, तब राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में बार-बार तकनीकी बाधाएं क्यों उत्पन्न हो रही हैं? आखिर इन गड़बड़ियों की जवाबदेही किसकी है और प्रभावित छात्रों को क्या राहत मिलेगी?

परीक्षा संचालन तंत्र की भी हो जिम्मेदारी

अभिभावकों का कहना है कि यदि किसी छात्र से छोटी सी गलती हो जाए तो उसके खिलाफ तत्काल कार्रवाई की जाती है, लेकिन जब सरकारी एजेंसियों या परीक्षा संचालन तंत्र की लापरवाही सामने आती है तो जिम्मेदारी तय नहीं होती। यही कारण है कि हर वर्ष किसी न किसी राष्ट्रीय परीक्षा में सर्वर डाउन, तकनीकी खराबी या प्रबंधन संबंधी खामियों की शिकायतें सामने आती रहती हैं।

सरना शिरोमणि कमेटी चुनावों की मांग क्यों नहीं करतेः चरणजीत

नई दिल्ली। शिरोमणि अकाली दल दिल्ली स्टेट के प्रवक्ता सरदार चरणजीत सिंह राजपूत ने कहा है कि दल के नेता परमजीत सिंह सरना को गुरुद्वारा चुनावों की चिंता छोड़कर शिरोमणि कमेटी चुनावों की मांग क्यों नहीं करते। सरना संगत को बताएं कि उन्होंने श्री अकाल तख्त साहिब में बेअदबी और बहबल कलां गोलीकांड की शिकायत कब की और सुखबीर बादल के खिलाफ कार्रवाई की मांग क्यों नहीं की। राजपूत ने कहा कि बयान जारी करते हुए कहा कि यह हैरानी की बात है कि परमजीत सिंह सरना यह भूल रहे हैं कि 2013 से संगत उन्हें दिल्ली कमेटी चुनावों में लगातार नकारती आ रही है। इसका कारण यह है कि कमेटी के अध्यक्ष रहते हुए उन्होंने हमेशा 1984 के सिख कत्लेआम के आरोपियों को सम्मानित किया और पीड़ितों को न्याय दिलाने की लड़ाई नहीं लड़ी। उन्होंने कहा कि संगत के सामने यह सच्चाई है कि वर्तमान टीम ने जिम्मेदारी संभालने के बाद न केवल 1984 के सिख कत्लेआम के मुख्य आरोपी सज्जन कुमार सहित अन्य दोषियों को सजा दिलाने में भूमिका निभाई। बल्कि गुरुद्वारों, स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय कार्य किए। विशेष रूप से कोरोना काल में मानवता की सेवा की मिसाल पेश की, जबकि सरना जैसे लोग अपने घरों से बाहर निकलने तक को तैयार नहीं थे। उन्होंने कहा कि परमजीत सरना संगत को यह भी बताएं कि उन्होंने कब श्री अकाल तख्त साहिब में शिकायत दर्ज कर यह मांग की कि बेअदबी की घटनाओं और बहबल कलां गोलीकांड के मुख्य आरोपी सुखबीर सिंह बादल को तलब किया जाए और उन्हें सजा दी जाए।

ADMISSION 2026
DADA LAKHMI CHAND STATE UNIVERSITY OF PERFORMING & VISUAL ARTS, ROHTAK
(A State University Established Under Haryana Act. No. 24 of 2014)
UG & PG PROGRAMMES
Faculty of Design
Faculty of Visual Arts
Faculty of Film & Television
Faculty of Planning & Architecture
Scan QR Code
LAST DATE TO APPLY : 26.06.2026 for UG | 10.07.2026 for PG
For online application & other details, please refer to the University Website : www.dlcsupva.ac.in
E-mail : admission@dlcsupva.ac.in | Ph. 01262-242744

खबर संक्षेप

1.73 ग्राम एमडीएमए बरामद, एक को दबोचा

फरीदाबाद। क्राईम ब्रांच बदरपुर बॉर्डर की टीम ने एक व्यक्ति को काबू कर 1.73 ग्राम एमडीएमए (अवैध नशा) बरामद किया है। जिसकी पहचान अनिल रावत निवासी हाउसिंग बोर्ड बीपीटीपी फरीदाबाद के रुप में हुई है। 29 मई को गस्त के दौरान क्राईम ब्रांच बॉर्डर की टीम ने कार्रवाई करते हुए अनिल रावत को सेक्टर-76 बीपीटीपी एरिया से काबू किया था। जिसके पास से 1.73 ग्राम एमडीएमए बरामद हुआ।

सट्टा खाईं करने वाले को धरा, 2950 रु. बरामद

फरीदाबाद। थाना शहर बल्लभगढ़ क्षेत्र के अंतर्गत क्राईम ब्रांच की टीम ने सट्टा खाई करने वाले एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर 2950 रुपए बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार टीम को गुप्त सुत्रों से सूचना प्राप्त हुई कि सीही गेट तिगांव रोड के पास सट्टा खाई की जा रही है, तथा मौका पर नशीम वासी तिरखा कॉलोनी फरीदाबाद को सट्टा खाई करते हुए 2950 रुपए सहित काबू किया गया।

चोरी करने के मामले में दो आरोपी पकड़ाए

फरीदाबाद। बीते 4 जनवरी को ग्रीन फील्ड कॉलोनी स्थित एक दुकान से कपडे व पैसे चोरी करने के मामले में कार्रवाई करते हुए क्राईम ब्रांच सेक्टर-85 की टीम ने सन्नी व जतिन निवासी उत्तम नगर दिल्ली को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता अनुसार नीरज निवासी सेक्टर 82 फरीदाबाद ने पुलिस को दी अपनी शिकायत में बताया कि उसकी ग्रीन फील्ड कालोनी में कपडे की दुकान है। 04-01-2026 को कोई नामालुम उसकी दुकान से कपडे, कैमरे व नकदी चुरा ली, जिस शिकायत पर थाना सूरजकुण्ड में संबंधित धाराओं के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया।

तंबाकू सेवन से होने वाले खतरों के प्रति किया आगाह

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर ट्रैफिक पुलिस कर्मियों के लिए चलाया ओरल कैंसर जांच अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

विश्व तंबाकू निषेध दिवस के मौके पर एमओसी कैंसर केयर, गुरुग्राम ने ट्रैफिक पुलिस कर्मियों के लिए ओरल कैंसर जांच और जागरूकता अभियान चलाया।

डीसीपी ट्रैफिक कार्यालय में आयोजित इस अभियान में 80 से ज्यादा पुलिसकर्मियों ने हिस्सा लिया। यह कार्यक्रम डीसीपी ट्रैफिक प्रतीक गहलोत के सहयोग से हुआ। जिसमें एसीपी सत्यपाल यादव, एचपीएस भी मौजूद रहे। अभियान का संचालन एमओसी कैंसर केयर के आरएमओ डॉ. हिमांशु कुमावत ने किया। अभियान का मकसद तंबाकू सेवन से होने वाले स्वास्थ्य जोखिमों और ओरल कैंसर के बढ़ते खतरे के प्रति अग्रिम पंक्ति में काम करने वाले अधिकारियों को जागरूक करना था। जांच के साथ काउंसलिंग, सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण और दंत स्वास्थ्य व कैंसर रोकथाम पर सत्र भी हुए। एमओसी कैंसर केयर के मेडिकल ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. राकेश कुमार शर्मा ने कहा कि भारत में ओरल कैंसर का बोझ दुनिया में सबसे अधिक है।

वैश्विक मामलों का करीब एक-तिहाई हिस्सा भारत में दर्ज होता है। भारतीय पुरुषों में यह सबसे आम कैंसरों में से एक है और लगभग 80 प्रतिशत मामलों के लिए तंबाकू जिम्मेदार है।

उद्देश्य तंबाकू से होने वाली बीमारियों को कम करना

एमओसी कैंसर केयर, नॉर्थ इंडिया के सीओओ आदित्य बहादुर ने कहा कि ओरल कैंसर का बोझ कम करने के लिए जागरूकता और समय पर पहचान बहुत जरूरी है। इस अभियान से पुलिस कर्मियों को तंबाकू के जोखिमों के प्रति जागरूक कर निवारक उपाय अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।विश्व तंबाकू निषेध दिवस हर साल तंबाकू के हानिकारक प्रभावों के प्रति जागरूकता बढ़ाने और तंबाकू से होने वाली बीमारियों को कम करने के लिए मनाया जाता है।

पर्यटकों और युवाओं ने जाना हरियाणा की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का इतिहास

हरियाणा पर्यटन निगम की पहल: सूरजकुंड से आसोला भाटी तक निकाली गई हैरिटेज वॉक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

खास बातें

- कार्यक्रम का उद्देश्य प्रदेश की समृद्ध ऐतिहासिक, सांस्कृतिक संवर्धन एवं प्रचार-प्रसार के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना
- युवाओं एवं पर्यटकों को हरियाणा की गौरवशाली विरासत से परिचित कराना

हरियाणा पर्यटन निगम द्वारा आज विश्व प्रसिद्ध पर्यटन एवं सांस्कृतिक स्थल सूरजकुंड में हैरिटेज एवं सिटी वॉक कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन सूरजकुंड में ऐतिहासिक सूरजकुंड से आसोला भाटी वाइल्ड लाइफ सैंक्चुअरी तक किया गया।

यह आयोजन हरियाणा प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी तथा हरियाणा सरकार के विरासत एवं पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा के मार्गदर्शन एवं दिशानिर्देशों के अनुरूप आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य प्रदेश की समृद्ध ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं स्थापत्य विरासत के संरक्षण, संवर्धन एवं प्रचार-प्रसार के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना तथा युवाओं एवं पर्यटकों को हरियाणा की गौरवशाली विरासत से परिचित कराना था।

हैरिटेज एवं सिटी वॉक के दौरान प्रतिभागियों को सूरजकुंड के ऐतिहासिक महत्व, इसकी प्राचीन जल संरक्षण प्रणाली, सांस्कृतिक विरासत तथा पर्यटन की दृष्टि से इसके महत्व के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

हरियाणा पर्यटन विभाग की ओर से उप महाप्रबंधक हरविंदर सिंह यादव ने बताया कि हरियाणा पर्यटन निगम प्रदेश की विरासत एवं सांस्कृतिक धरोहरों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है।

नागरिकों ने भाग लिया

कार्यक्रम के सफल आयोजन में हरियाणा पर्यटन विभाग के प्रबंधक सत्यप्रकाश की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उनके कुशल नेतृत्व एवं समन्वय से कार्यक्रम का सफल संचालन सुनिश्चित हुआ। इस अवसर पर विभागीय अधिकारियों, विद्यार्थियों, युवा प्रतिभागियों, पर्यटकों एवं स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन न केवल ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक ज्ञान को बढ़ाते हैं, बल्कि विरासत संरक्षण के प्रति समाज में सकारात्मक सोच विकसित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। हरियाणा पर्यटन निगम भविष्य में भी प्रदेश के विभिन्न ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक स्थलों पर इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित करता रहेगा, जिससे हरियाणा की समृद्ध विरासत को व्यापक स्तर पर पहचान मिल सके।

रणनीतिक सहयोग, अधिग्रहण और विस्तार पहलों से विकास को मिली गति

एलजीटी ग्लोबल हॉस्पिटैलिटी लिमिटेड ने वित्त वर्ष में किया मजबूत प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

एलजीटी ग्लोबल हॉस्पिटैलिटी लिमिटेड ने मार्च 2026 को समाप्त वित्त वर्ष में 34.9 प्रतिशत की सालाना आय वृद्धि के साथ मजबूत प्रदर्शन किया है। कंपनी ने बढ़ती यात्रा मांग, रणनीतिक कारोबार एकीकरण तथा कॉर्पोरेट और अवकाश यात्रा खंडों में बढ़ती गतिविधियों को इस वृद्धि का कारण बताया।

कंपनी के प्रबंध निदेशक विल्फ्रेड सेल्वराज ने कहा कि यात्रा और आतिथ्य क्षेत्रों में उपभोक्ता मांग लगातार बढ़ रही है। हमारा ध्यान सहयोग, अधिग्रहण और बाजार विस्तार के जरिए एकीकृत यात्रा व्यवस्था बनाना है। याजा, ट्रैवफ्लिक्स और हॉलिडे वन का जुड़ना ग्राहक पहुंच और अंकीय जुड़ाव मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। कंपनी ने नागरकोइल, कोयंबटूर, पुणे और विजयवाड़ा में परिचालन मजबूत किया है। अब अहमदाबाद को अगले विस्तार केंद्र के रूप में चुना गया है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दुबई और मलेशिया में उपस्थिति बढ़ाई जा रही है। कंपनी धार्मिक और आध्यात्मिक पर्यटन को भी तेजी से बढ़ने वाले क्षेत्र के रूप में देख रही है। कंपनी ने रणनीतिक सहयोग, विस्तार पहलों और अधिग्रहणों के जरिए भारत व अंतरराष्ट्रीय बाजारों में ग्राहक पहुंच और सेवा क्षमताओं को बढ़ाया है।

महानगर जिला वर्ग प्रशिक्षण कार्यक्रम में राष्ट्रीय महामंत्री अरुण सिंह बोले

प्रशिक्षण कार्यकर्ताओं में नेतृत्व क्षमता का विकास करता है, राष्ट्र प्रथम का संकल्प ही जीवन का मंत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

भारतीय जनता पार्टी के पंडित दीनदयाल उपाध्याय महाप्रशिक्षण अभियान के तहत शनिवार को फरीदाबाद महानगर जिला वर्ग प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रथम दिन भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री अरुण सिंह ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए संगठन, राष्ट्र निर्माण और पार्टी के गौरवशाली इतिहास पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कार्यकर्ताओं से राष्ट्र प्रथम के संकल्प को जीवन का मूल मंत्र बनाने और समाज के अंतिम व्यक्ति तक सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को पहुंचाने का आह्वान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष सोहन पाल सिंह ने की। कार्यक्रम में विधायक मूलचंद शर्मा, विधायक सतीश फागना, जिला प्रभारी कमल यादव, पूर्व जिला अध्यक्ष गोपाल शर्मा, चेयरमैन हुकम सिंह भाटी, जिला महामंत्री अनुराग गर्ग, कविन्द्र चौधरी, जिला मीडिया प्रभारी राजेश कौशिक सहित पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

राष्ट्रीय महामंत्री अरुण सिंह ने कहा कि भाजपा केवल एक राजनीतिक दल नहींए बल्कि राष्ट्र सेवा और जनकल्याण के लिए समर्पित वैचारिक पार्टी है। पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन की रीढ़ है और उसकी सक्रिय भूमिका से ही संगठन बूथ स्तर तक मजबूत होता है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं के समर्पण, परिश्रम और जनता के विश्वास के बल पर भाजपा आज विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी के रूप में स्थापित हुई है।

प्रशिक्षण कार्यक्रमों से कार्यकर्ताओं का न केवल व्यक्तित्व निखरता है, बल्कि उनकी संगठनात्मक क्षमता भी कई गुना बढ़ जाती है। अरूण सिंह ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के योगदान को याद करते हुए कहा कि एकात्म मानववाद की विचारधारा आज भी भाजपा सरकारों की नीतियों में दिखाई देती है। उन्होंने कहा कि वर्ष 1952 में जनसंघ को केवल तीन सीटें मिली थी, जबकि 2019 में भाजपा 303 सीटों तक पहुंची। उन्होंने इसे संगठन और विचार की जीत बताते हुए कहा कि भाजपा आज दुनिया का सबसे बड़ा राजनीतिक संगठन बन चुकी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में राजनीतिक और विकासात्मक परिवर्तन आया है तथा अयोध्या में भगवान श्री राम का भव्य मंदिर बनना करोड़ों लोगों की आस्था का सम्मान है।

पुलिस ने 2 मास्टर चाबी की बरामद

क्राईम ब्रांच ने दो मोटरसाइकिल चोरों को किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

क्राईम ब्रांच एनआईटी की टीम ने 2 वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है, जिनकी पहचान फेसल निवासी पुन्हाना नूंह व मोनिश निवासी डबुआ फरीदाबाद को गिरफ्तार किया है। जिनसे लॉक खोलने वाली 2 मास्टर चाबियां बरामद हुई है।

प्रारंभिक जांच में सामने आया कि दोनों दोस्त है। जिन्होंने 10 मई को डबुआ कॉलोनी बी ब्लॉक से मोटरसाइकिल चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। फेसल पर पहले भी चोरी के 8 मामले दर्ज हैं, वहीं मोनिश पर 1 मामला दर्ज है। जिनको माननीय न्यायलय में पेश कर 4 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

बलजीत कौशिक सहित अन्य नेताओं का जताया आभार

विजयपाल सिंह कांग्रेस कमेटी राजीव गांधी पंचायती राज संगठन के अध्यक्ष नियुक्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी राजीव गांधी पंचायती राज संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील पवार की सहमति के बाद हरियाणा प्रदेशाध्यक्ष फोम लाल ने कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए हरियाणा में 23 अध्यक्ष नियुक्त किए है। इसी कड़ी में फरीदाबाद से कोट गांव के पूर्व सरंपच रहे वरिष्ठ कांग्रेस नेता विजयपाल सिंह को जिला कांग्रेस राजीव गांधी पंचायती राज संगठन का फरीदाबाद जिले का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

आज अपनी नियुक्ति के बाद विजयपाल सिंह जिला कांग्रेस फरीदाबाद के अध्यक्ष सैक्टर-9 स्थित कार्यालय पर पहुंचे। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष बलजीत कौशिक ने विजयपाल सिंह को बधाई दी और विजयपाल ने जिलाध्यक्ष बलजीत कौशिक का धन्यवाद किया और विश्वास दिलाया कि वह पार्टी संगठन के लिए सक्रिय रूप से कार्य करेगें और लोगों को बताएगें की कांग्रेस पार्टी में पंचायती राज के लिए क्या-क्या कार्य किए है और किस तरह पंचायत राज को मजबूत किया और देश के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने पंचायत राज को कैसे बढ़ावा देकर 33 प्रतिशत महिलाओं को आरक्षण दिया था।

इंटरनेट सेवा बंद, रोड ब्लॉक, गुरुग्राम रूट डायवर्ट

एनजीटी के आदेश पर निगम ने मंदिर-मस्जिद पर चलाया बुलडोजर, अवैध निर्माण ध्वस्त किए गए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

एनएच तीन नेहरू कालोनी सैनिक कालोनी चौक पर एलिवेटेड रोड और आरआरटीसी कॉरिडोर निर्माण के लिए नगर निगम फरीदाबाद ने 40 साल पुराने एक शिव मंदिर और 50 साल पुरानी मस्जिद को नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) का हवाला देकर बुलडोजर चलवा दिया। इसके साथ ही नशा तस्करों के कई अवैध निर्माणों बताकर धवस्त किया गया। सुरक्षा के लिहाज से बीती रात से 2000 पुलिस कर्मचारियों की तैनाती कर दी और पूरे क्षेत्र की नाकेबंदी भी की। हालात को देखते हुए हरियाणा सरकार ने एनआईटी क्षेत्र में करीब 21 घंटे तक इंटरनेट सेवा भी बंद कर दी। फरीदाबाद ट्रैफिक पुलिस ने कई रोड भी बंद करवा दिए। गुरुग्राम जाने के लिए ट्रैफिक डायवर्ट किया गया। प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि बीती रात कार्यवाही शुरू हुई थी जो देर सायं तक जारी रह सकती है। दोनों धार्मिक स्थलों का मलबा भी प्रशासन ने तोड़फोड़ के साथ ही हटवाना शुरू कर दिया। उधर, नूंह से कांग्रेस के विधायक आफताब अहमद, जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष बलजीत कौशिक, पूर्व मंत्री महेन्द्र प्रताप सिंह के पुत्र एवं कांग्रेस प्रत्याशी रहे विजय प्रताप सिंह, विवेक प्रताप सिंह मस्जिद टूटने की खबर के बाद घटनास्थल पर पहुंचे। जहां पर पुलिस कर्मियों ने बैरिकेड लगाकर उन्हें रोक दिया।

पीड़ित की माँ ने रखी मांग: आरोपियों को एनकाउंटर में मार दिया जाए

11वीं के छात्र की दोस्तों ने चाकू मारकर की हत्या, बकरीद पर घर बुलाया था

खास बातें

- सूर्या को फोन कर बकरीद पर मिलने बुलाया
- मामले की गहन जांच में जुटी पुलिस
- जल्द ही सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

खोड़ा थाना क्षेत्र के नवनीत विहार कॉलोनी निवासी छात्र सूर्या का शव पोस्टमार्टम के बाद शनिवार को दोपहर करीब 1:30 बजे घर पहुंचा। शव के पहुंचते ही बड़ी संख्या में लोग इलाके में एकत्र हो गए इनमें भाजपा नेता भी शामिल थे। पीड़ित परिवार ने आरोपियों के एनकाउंटर की मांग की। सूर्या की मां सरोज ठाकुर ने जितने भी आरोपी थे, उन सभी को क्षेत्र में ही एनकाउंटर में मारने की मांग की ।

अगर पुलिस यह कार्रवाई नहीं करती है, तब तक शव को घर के सामने से नहीं उठने देंगे। वहीं हत्या की वारदात सामने आने के बाद से क्षेत्र में लगातार तनाव का माहौल बना हुआ है। शुक्रवार से ही यहां पुलिस बल तैनात है, शनिवार को भी पुलिस ने नवनीत विहार की तरफ आने वाली गली में बेरिकेडिंग कर कई थानों के फोर्स को पूरे इलाके में तैनात किया है। मौके पर डीसीपी ट्रांस हिंडन धवल जायसवाल, एसीपी साहिबाबाद अमित सक्सेना और एसीपी इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव तैनात हैं। ईद के त्योहार पर खोड़ा थाना क्षेत्र की नवनीत विहार कॉलोनी में 11वीं कक्षा के छात्र की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। आरोप है कि हमला सूर्या के दोस्त असद और उसके साथियों ने किया।

सूर्या को पहले पेट में चाकू मारा गया। इसके बाद वह चाकू लगे हालत में करीब 200 मीटर तक जान बचाने के लिए भागा। आरोपियों ने पीछा कर उसे गिरा दिया और पेट से चाकू निकालकर दोबारा कई बार वार किए। उपचार के दौरान शुक्रवार को सूर्या ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर लिया है और कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है गुरुवार को सूर्या अपने दो दोस्तों विक्की और आयुष के साथ घर के पास घूम रहा था। उसी दौरान असद ने सूर्या को फोन कर बकरीद पर मिलने के लिए गली नंबर दो में बुलाया। सूर्या अपने दोस्तों के साथ असद के घर की ओर चल दिया। शिकायत के अनुसार असद अपने साथियों के साथ केले के गोदाम के पास खड़ा था। उसने सूर्या से कहा कि कभी बकरा हलाल होते देखा है। सूर्या ने मना किया तो असद ने कहा कि आओ आज तुम्हें दिखाते हैं। सूर्या ने फिर इन्कार किया और वहां से लौटने लगा। इसी बात पर असद ने गाली-गलौज शुरू कर दी और सूर्या के विरोध करने पर चाकू निकालकर उसके पेट में घोंप दिया। चाकू लगने के बाद सूर्या ने असद को धक्का देकर छुड़ाया, लेकिन चाकू पेट में ही फंसा रह गया। वह पेट में चाकू लेकर करीब 200 मीटर तक भागा और फिर गिर पड़ा। आरोप है कि पीछा करते हुए आए असद और उसके साथियों ने सूर्या के पेट से चाकू निकालकर उस पर पांच-छह बार फिर हमला किया। सूर्या बेसुध हो गया और आरोपी मौके से भाग गए।

सूर्या ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया था

घटना की सूचना पर परिजन मौके पर पहुंचे और सूर्या को पास के निजी अस्पताल में भर्ती कराया। हालत गंभीर होने पर उसे नोएडा के एक निजी अस्पताल में रेफर कर दिया गया। शुक्रवार दोपहर करीब एक बजे सूर्या ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। घटना के बाद हिंदू संगठनों के पदाधिकारी भी खोड़ा थाने पहुंचे और आरोपियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने बताया कि मामले की गहन जांच की जा रही है और जल्द ही सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। बसपा प्रमुख और यूपी की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने एक्स पर लिखा, 'यूपी के जिला गाजियाबाद में खोड़ा के एक नौजवान युवक सूर्या चौहान की हुई हत्या की घटना अति दुखद व चिंताजनक।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 सीआरपीसी / धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **मनीष कुमार पुत्र राजेश पता: मकान नं. एच-534, जेजे कॉलोनी, शकूरपूर, दिल्ली ने प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 155/2021 धारा 380/382/411 भा.द.स. एवं 25/54/59 आर्म एक्ट के तहत** थाना: सुभाष प्लेस, दिल्ली के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **मनीष कुमार** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **मनीष कुमार** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। अत: इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 155/2021 धारा 380/382/411 भा.द.स. एवं 25/54/59 आर्म एक्ट के तहत थाना सुभाष प्लेस, दिल्ली के उक्त मनीष कुमार** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **09.07.2026** को या इससे पहले हाजिर हो। **आदेशानुसार**

उपासना सतीजा
मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी
उतरी पश्चिम, कमरा नं.108, प्रथम तल, रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/5175/NW/2026

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 सीआरपीसी / 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि नाम: **संदीप शर्मा, पुत्र: उदयबीर सिंह, निवासी: मकान संख्या सी-184, न्यू संजय अमर कॉलोनी, शाहदरा, दिल्ली-110032** ने अपराध किया है (या किए जाने का संदेह है) इसके विरूद्ध **FIR No.143/2021 दिनांक 03.04.2021 U/S 379/411 IPC** के तहत एक मामला **थाना कश्मीरी गेट, उत्तरी जिला, दिल्ली** में दर्ज किया गया है और उसके बाद जारी गिरफ्तारी वारंट को यह कहते हुए वापस कर दिया गया कि अभियुक्त **संदीप शर्मा** नहीं मिला या मेरी संतुष्टि के लिए दिखाया गया है कि अभियुक्त **संदीप शर्मा** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा है कि **FIR No.143/2021 दिनांक 03.04.2021 U/S 379/411 IPC, थाना कश्मीरी गेट, उत्तरी जिला, दिल्ली** के अभियुक्त उक्त **संदीप शर्मा** को उक्त परिवाद का जवाब देने के लिए **23.07.2026** को या उससे पहले अदालत के समक्ष उपस्थित होना आवश्यक है।

आदेशानुसार, वैभव गर्ग
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी-11, (केंद्रीय)
कोर्ट नंबर 138, प्रथम मंजिल
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/7059/N/2026
(अदालती मामला)

मानसून सीजन में पौधरोपण के लिए वन, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन विभाग लगातार बैठकें कर रहा और संवाद स्थापित कर रहा है। 1900 से अधिक नर्सरियों में 52.44 करोड़ पौधे तैयार कराए जा रहे हैं। इसमें औद्योगिक और इमारती, चारा और शोभाकार, पर्यावरणीय, फलदार, औषधीय समेत सभी प्रकार के पौधे तैयार किए जा रहे हैं।

यूपी में पौधरोपण महाभियान-2026

मानसून सीजन को लेकर योगी सरकार की बड़ी तैयारी, प्रदेश में लगाए जाएंगे 35 करोड़ पौधे

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

मानसून सीजन को लेकर योगी आदित्यनाथ सरकार बड़ी तैयारी में जुटी है। वन, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन विभाग पौधरोपण महाभियान-2026 चलाएगा।

इस साल मानसून सीजन में जनसहभागिता से 35 करोड़ पौधरोपण का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए 1900 से अधिक नर्सरियों में 52.44 करोड़ पौधे तैयार किए जा रहे हैं। पिछले नौ साल में उत्तर प्रदेश ने 242 करोड़ से अधिक पौधरोपण किया है। नोडल विभाग (वन, पर्यावरण व जलवायु परिवर्तन) सर्वाधिक 15 करोड़ से अधिक पौधरोपण करेगा। इसे लेकर जिला वृक्षारोपण समिति की नियमित बैठकें भी चल रही हैं। इस बार भी कई नए वन स्थापित होने के साथ ही गंगा एक्सप्रेसवे के किनारे भी 5.50 लाख से अधिक पौधे लगाए जाएंगे। इसके साथ ही विश्व पर्यावरण दिवस (5 जून) को भी वृहद पौधरोपण कार्यक्रम होगा।

गंगा एक्सप्रेसवे के किनारे लगेंगे 5.50 लाख पौधे

प्रदेश में एक्सप्रेसवे के किनारे भी पौधरोपण किया जाएगा। इस बार विशेष रूप से गंगा एक्सप्रेसवे के किनारे पौधे लगाए जाएंगे। 594 किलोमीटर लंबे गंगा एक्सप्रेसवे की दोनों पटरियों पर वन विभाग 500 हेक्टेयर क्षेत्र में 5.50 लाख पौधरोपण करेगा। दोनों पटरी पर हर एक किलोमीटर पर हरिशंकरी रोपा जाएगा, जबकि बीच-बीच में पीपल, पाकड़, बरगद, नीम, गूलर, महुआ, आम, अर्जुन, चिलबिल, अमलतास, कचनार, जकरकंडा, गुलमोहर आदि प्रजातियों को प्राथमिकता दी जाएगी। इनकी सुरक्षा के लिए तार से फेंसिंग और सिंचाई के लिए ड्रिप इरीगेशन सुनिश्चित की जाएगी।

नए वन भी किए जाएंगे स्थापित

पौधरोपण महाभियान-2026 में इस वर्ष महर्षि चरक औषधि वन, समरस वन, समृद्धि वन, कृषि वन, ऊर्जा वन, कपि वन समेत कई नए वन स्थापित किए जाएंगे। अभियान का प्रमुख हिस्सा मिशन छाया, अविरल धारा पौधरोपण, सहजन भंडारा, आम भंडारा भी होगा। मिशन छाया के तहत गर्मी से राहत देने के लिए सड़क किनारे और सार्वजनिक स्थलों पर छायादार पौधे भी लगाए जाएंगे।

मुख्यमंत्री का निर्देश- जनसहभागिता से मनाया जाए उत्सव

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पौधरोपण महाभियान-2026 की तैयारी को लेकर पिछले दिनों बैठक ली थी। उन्होंने बैठक में जनसहभागिता पर विशेष जोर देते हुए इसे उत्सव के रूप में मनाने का निर्देश दिया था। सीएम योगी ने कहा था कि इसमें सभी जनप्रतिनिधियों, संस्थाओं, एनसीसी, एनएसएस, नेहरू युवा केंद्र, युवक-महिला मंगल दल, रोटरी-लायंस, ईको क्लब, एफपीओ, व्यापार मंडल आदि की भी सहभागिता अनिवार्य रूप से हो।

खबर संक्षेप

बहुचर्चित गनर मर्डर केस में 8 को उम्रकैद की सजा

लखनऊ। साल 2018 में कचहरी के पास जमीन कारोबारी संजय वर्मा पर दिन दहाड़े हुई फायरिंग और निजी सुरक्षा कर्मी की हत्या के मामले में 8 पर दोष सिद्ध हुआ है। विशेष न्यायाधीश ईसी एक्ट अनुभव द्विवेदी की अदालत ने आरोपियों को आजीवन कारावास व एक-एक लाख अर्थदंड से भी दंडित किया है। इसके अलावा धारा 307 में 10-10 साल की सजा व 50-50 हजार का दंड भी लगाया है।

झारखंड में आकाशीय बिजली से 5 की मौत

रांची। झारखंड में शुक्रवार से शनिवार सुबह तक राज्य के बड़े हिस्सों में आकाशीय बिजली गिरने से 5 की मौत हो गई। भारी बारिश से राज्य में अधिकतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई। पुलिस ने बताया कि पिछले 24 घंटों में झारखंड के चार जिलों में आकाशीय बिजली गिरने से कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई।

'नौसेना शौर्य वाटिका' का लोकार्पण, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा-

हमारी सुरक्षा मजबूत होगी तो दुनिया दोस्ती करेगी,कमजोर के आगे कोई नहीं झुकता

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दो एकड़ से अधिक क्षेत्र में बनाई गई नौसेना शौर्य वाटिका का लोकार्पण किया।

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

हमारे मन में सेना और यूनिफॉर्म पहनने वाली फोर्स के प्रति सम्मान का भाव होना चाहिए। जब भारतीय सैनिक माइनस डिग्री तापमान, रेगिस्तान की झुलसाने वाली गर्मी और समुद्र की लहरों का मुकाबला करते हुए सीमाओं की रक्षा करता है, तब भारत के 140 करोड़ लोग चैन की नींद सोते हैं। नौसेना शौर्य वाटिका में आने वालों को भारतीय नौसेना के बारे में जानकारी मिलेगी। हमारे सैनिक किन विषम परिस्थितियों में कार्य करते हैं, यह भी जानने का अवसर मिलेगा। यह जानकारी युवाओं के जीवन में चुनौतियों से जूझने की प्रेरणा होगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यह बात लखनऊ में शनिवार को नौसेना शौर्य वाटिका (नौसेना शौर्य संग्रहालय का द्वितीय चरण) के लोकार्पण समारोह में कही।

आकाश की ऊंचाइयां छूने के लिए बड़ी सोच जरूरी

शौर्य वाटिका 19 करोड़ रुपए की लागत से दो एकड़ से अधिक क्षेत्र में बनाई गई है। इस समारोह में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि जब सोच बड़ी होती है और व्यक्ति बड़े लक्ष्य के साथ आगे बढ़ता है तो सकारात्मक परिणाम आता है, जो युवाओं को नई प्रेरणा देता है। नौसेना का लक्ष्य उसकी विराट सोच का प्रतीक है। आकाश की ऊंचाइयां छूने के लिए बड़ी सोच भी चाहिए। संकुचित सोच या भाव से बड़े लक्ष्य को प्राप्त नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि जब हम सुरक्षा के मोर्चे पर मजबूत होंगे तो दुनिया भी मैत्री करेगी। कमजोर के आगे कोई नहीं झुकता। हम जब अधूरी बात कहते हैं तो वह अर्थ का अनर्थ करती है, इसलिए पूरी बात कहना सीखें। भारत की ऋषि परंपरा प्रेरणा देती है कि 'अहिंसा परमो धर्मः, धर्म हिंसा तथैव च' यानी सामान्य जीवन में अहिंसा ही सर्वोच्च धर्म होना चाहिए।

सैनिकों के प्रति सम्मान का भाव रखें

सीएम योगी ने कहा कि सुरक्षा के बेहतर माहौल में ही जन कल्याण एवं विकास योजनाएं प्रभावी ढंग से आगे बढ़ सकती हैं। सन 2017 के पहले उत्तर प्रदेश में रोज कर्फ्यू लगता था, पेशेवर माफिया और अपराधियों ने जीना हराम कर दिया था। असुरक्षित वातावरण में विकास और निवेश की संभावनाएं क्षीण हो गई थीं। लेकिन जब हमारे सैनिक सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता के साथ कर्तव्यों का निर्वहन करते हैं तो नागरिकों का भी कर्तव्य है कि वे सैनिकों के प्रति सम्मान का भाव रखें।

गौरव की अनुभूति कराती है नौसेना वाटिका

सीएम योगी ने कहा कि लखनऊ आने वाला हर व्यक्ति भारत की परंपरा, विरासत, सुरक्षा से जुड़ी इस नौसेना वाटिका का भ्रमण कर गौरव की अनुभूति कर सकता है। यह केंद्र प्रदेश के युवाओं को नई सोच के साथ देखने, सुनने व जानने का अवसर प्रदान कर रहा है। आईएनएस गोमती ने लंबे समय तक भारतीय नौसेना के माध्यम से भारत की समुद्री सीमा की रक्षा की। 2022 में उसे नौसेना से निवृत्त किया गया और उसका बेहतरीन उपयोग करते हुए लखनऊ की जीवनदायिनी गोमती नदी के तट पर स्थापित किया गया।

रिशुश्री प्रकरण में सम्राट सरकार का एक्शन

अनुचित लाभ लेने के आरोप में 2 आईएएस अफसर निलंबित

एजेंसी ▶▶ पटना

पटना के टेंडर फिक्सिंग खिलाड़ी रिशुश्री पर स्पेशल विजिलेंस यूनिट की कार्रवाई के बाद सम्राट चौधरी सरकार ने बड़ा एक्शन लिया है। बिहार कैडर के कई आईएएस अधिकारियों के रिशुश्री से सांठगांठ और अनुचित लाभ लेने के आरोपों की चर्चा के बीच आईएएस अभिलाषा कुमारी शर्मा और योगेश कुमार सागर को सस्पेंड कर दिया गया है। सामान्य प्रशासन विभाग के आधिकारिक सूत्रों ने इसकी पुष्टि की और बताया कि कागजी प्रक्रिया की जा रही है।

योगेश कुमार समाज कल्याण विभाग में निदेशक : योगेश कुमार 2017 बैच के अधिकारी हैं और वर्तमान में समाज कल्याण विभाग में निदेशक हैं। 2014 बैच की अधिकारी अभिलाषा कुमारी शर्मा जीविका परियोजना की निदेशक की जिम्मेदारी निभा रही थी। 27 मई को एसवीयू ने ठेकेदार रिशुश्री के पटना स्थित आवास पर छापेमारी में अकूत संपत्ति की बरामदगी के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया था। टेंडर माफिया के घर से दो करोड़ के सोना, चांदी, हीरा, लाखों कैश और प्रॉपर्टी के 61 डीड बरामद किए गए थे। सारण जिले का निवासी रिशुश्री पटना में रहकर सरकारी विभागों के टेंडर कमीशन लेकर मैनेज करता था। इसमें आईएएस लॉबी उसका मदद करती थी जिसके लिए रिशु उन्हें अनुचित लाभ पहुंचाता था।

मनी लाउंड्रिंग के मामले में आ सकते हैं बड़े चेहरे: इन दोनों अधिकारियों के खिलाफ रिशु से सांठगांठ के आरोप में ईडी भी पहले से कार्रवाई कर रही है। उस केस को स्पेशल विजिलेंस यूनिट को ट्रांसफर कर दिया गया है। आरोप है कि रिशु की कंपनी ने इनके परिवार के लोगों को विदेश यात्रा करवाई और उनके कई बड़े खर्चे उठाए। चर्चा है कि रिशुश्री से मिलीभगत कर सरकारी राशि का घपला करने और मनी लाउंड्रिंग के मामले में अभी कई बड़े चेहरे सामने आ सकते हैं। ठेकेदार रिशु की काफी पैठ है। वह पटना में बैठकर पूरे राज्य में सरकारी टेंडर से खेलता था । अपने चहेतों को 8 से 9 परसेंट कमीशन लेकर बड़े बड़े टेंडर दिलवाता था।

झारखंड पुलिस को मिली बड़ी कामयाबी

पकड़ी गई सवा करोड़ की अवैध शराब, चालक फरार

एजेंसी ▶▶ लातेहार

झारखंड के लातेहार अवैध शराब पकड़ी गई है। यहां के चंदवा थाना पुलिस ने अवैध अंग्रेजी शराब की बड़ी खेप पुलिस ने जब्त की, जिसकी कीमत लगभग सवा करोड़ रुपए आंकी गई है। अवैध शराब कारोबार के खिलाफ इस कार्रवाई से शराब माफियाओं के पूरे नेटवर्क में हड़कंप मचा दिया।

सासंग मोड़ के समीप शुक्रवार को पुलिस ने फिल्मी अंदाज में घेराबंदी कर करोड़ों रुपये की अवैध अंग्रेजी शराब से लदे 12 चक्का ट्रक, स्कॉर्पियो और क्रेटा कार को जब्त कर लिया। शराब की यह खेप रांची से पलामू-गढ़वा की ओर भेजी जा रही थी। पुलिस ने मौके से पांच तस्करों को गिरफ्तार किया, जबकि गिरोह का मुख्य सरगना और ट्रक चालक अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए।

ट्रक को एस्कॉर्ट कर रही थीं दो कार

चंदवा थाना परिसर में एसडीपीओ संदीप कुमार गुप्ता ने बताया कि लातेहार पुलिस अधीक्षक को गुप्त सूचना मिली थी कि एक 12 चक्का ट्रक (आरजे 19 जीके 7002) में भारी मात्रा में अवैध शराब छिपाकर ले जाई जा रही है। एसपी के निर्देश पर विशेष टीम गठित की गई। सासंग मोड़ पर वाहन जांच अभियान शुरू किया गया। इसी दौरान आगे-आगे स्कॉर्पियो (ओडी 23 एच 7878) और क्रेटा कार (जेएच 1 जीए 4979) और पीछे ट्रक आता दिखाई दिया। पुलिस को शक हुआ कि दोनों गाड़ियां ट्रक को सुरक्षित रास्ता देने के लिए एस्कॉर्ट कर रही थीं। जैसे ही पुलिस ने बैरिकेडिंग कर तीनों वाहनों को रोका, तस्करों के चेहरे उतर गए। तलाशी के दौरान ट्रक में धान की भूसी से भरे 200 बोरों के बीच शराब की बड़ी खेप छिपाकर रखी गई थी। वहीं स्कॉर्पियो और क्रेटा की डिक्की से भी अंग्रेजी शराब बरामद हुई।

बनेगी वैदिक लाइब्रेरी और ओपन थिएटर

काशी-अयोध्या की तर्ज पर संवरेगा बरेली का धोपेश्वर नाथ

एजेंसी ▶▶ बरेली

उत्तर प्रदेश की 'नाथ नगरी' को वैश्विक स्तर पर धार्मिक पर्यटन का बड़ा केंद्र बनाने की दिशा में एक और ऐतिहासिक कदम उठाया गया है।

बरेली कैंट क्षेत्र में स्थित सदियों पुराना और ऐतिहासिक श्री बाबा धोपेश्वर नाथ मंदिर अब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की महत्वाकांक्षी 'नाथ कॉरिडोर' परियोजना के तहत एक आधुनिक आध्यात्मिक और सांस्कृतिक केंद्र के रूप में तब्दील होने जा रहा है। काशी विश्वनाथ और अयोध्या धाम की तर्ज पर विकसित हो रहे इस पावन धाम में प्राचीन विरासत को सहेजने के साथ-साथ श्रद्धालुओं के लिए आधुनिक सुविधाओं का ऐसा ताना-बाना बुना जा रहा है, जो आने वाले दिनों में देश-दुनिया के पर्यटकों को आकर्षित करेगा।

नाथ कॉरिडोर: सीएम योगी की प्राथमिकताओं में शामिल

नाथ कॉरिडोर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की विशेष प्राथमिकताओं में शामिल है। इस परियोजना का उद्देश्य बरेली के प्राचीन नाथ मंदिरों को एक भव्य धार्मिक स्वरूप में विकसित करना है, ठीक उसी तरह जैसे काशी विश्वनाथ कॉरिडोर और अयोध्या धाम का विकास किया गया है। सदियों पुराने इस मंदिर को भगवान शिव की महान शक्तिस्थली माना जाता है और यह बरेली के सात प्रमुख नाथ मंदिरों में से एक है। सरकार और कैंटोनमेंट बोर्ड की ओर से यहां कई बड़े विकास कार्यों की योजना बनाई जा रही है।

जिंदा जल गया राज, लोगों में रोष

ट्रैक्टर से जा रहा था खेत, 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइन की चपेट में आ गया

एजेंसी ▶▶ कासगंज

यूपी के कासगंज स्थित सहावर थाना क्षेत्र के गांव नगला भम्मा में शनिवार सुबह एक दिल दहला देने वाला हादसा हो गया। ट्रैक्टर से खेत समतल करने वाला कंप्यूटर पाखी लेकर जा रहा एक युवक 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइन की चपेट में आ गया। हाईटेंशन तार छूते ही पूरे ट्रैक्टर में करंट दौड़ गया, जिससे चालक झुलस कर नीचे जा गिरा और जिंदा जलने लगा। यह देखकर आसपास मौजूद लोगों के होश उड़ गए।

मिट्टी डालकर लोगों ने की आग बुझाने की कोशिश

हादसे के बाद ग्रामीणों ने तुरंत बिजली घर फोन कर विद्युत आपूर्ति बंद कराई। फिर मिट्टी डालकर आग बुझाई। घटना की जानकारी मिलते ही सहावर थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। युवक की मौत की खबर परिजन का रो-रोकर बुरा हाल हो गया।

फॉर्च्यून इंटरनेशनल लिमिटेड
सीआईएन: L52324DL1981PLC012033
पंजीकृत कार्यालय: जी–4, सामुदायिक केंद्र, नारायणा विहार, नई दिल्ली–110028
निवेशकों के लिए ई–मेल आईडी: rekha.srivastava2016@gmail.com टेलीफोन: 011–25774212–214

31 मार्च, 2026 को समाप्त तिमाही/वर्ष के लिए लेखापरीक्षित एकल और समेकित वित्तीय परिणामों का सारांश

(आंकड़े लाख में)

विवरण	स्टैंडअलोन परिणाम					समेकित परिणाम				
	31.03.2026 को समाप्त तिमाही (अ-लेखापरीक्षित)	31.12.2025 को समाप्त तिमाही (अ-लेखापरीक्षित)	31.03.2025 को समाप्त तिमाही (लेखापरीक्षित)	31.03.2026 को समाप्त वर्ष (अलेखापरीक्षित)	31.03.2025 को समाप्त वर्ष (लेखापरीक्षित)	31.03.2026 को समाप्त तिमाही (अ-लेखापरीक्षित)	31.12.2025 को समाप्त तिमाही (अ-लेखापरीक्षित)	31.03.2025 को समाप्त तिमाही (लेखापरीक्षित)	31.03.2026 को समाप्त वर्ष (अलेखापरीक्षित)	31.03.2025 को समाप्त वर्ष (लेखापरीक्षित)
परिचालन से कुल आय (शुद्ध)	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
अवधि के लिए शुद्ध लाभ/(हानि) (कर से पहले, असाधारण और/या असाधारण मदें)	–11.29	33.99	–2.04	22.70	79.23	–8.86	–1.96	–2.04	–13.25	–10.65
कर से पहले अवधि के लिए शुद्ध लाभ/(हानि) (असाधारण और/या असाधारण मदों के बाद)	–11.29	33.99	–2.04	22.70	79.23	–8.86	–1.96	–2.04	–13.25	–10.65
कर के बाद अवधि के लिए शुद्ध लाभ/(हानि) (असाधारण और/या असाधारण मदों के बाद)	–9.06	26.05	–1.53	16.99	59.29	–6.63	–9.90	–1.53	–18.96	–30.59
अवधि के लिए कुल व्यापक आय [अवधि के लिए लाभ/(हानि) सहित (कर के बाद) और अन्य व्यापक आय (कर के बाद)]	–9.06	26.05	–1.53	16.99	59.29	172.41	58.32	58.06	446.81	426.66
प्रदत्त इक्विटी शेयर पूंजी	704.00	704.00	704.00	704.00	704.00	704.00	704.00	704.00	704.00	704.00
आरक्षित निधि (पिछले वर्ष की बैलेंस शीट में दर्शाए अनुसार पुनर्मूल्यांकन आरक्षित निधि को छोड़कर)	–	–	–	–215.64	–232.63	–	–	–	4079.27	3632.46
प्रति शेयर आय (निरंतर और बंद परिचालनों के लिए)										
मूल:	–0.13	0.37	–0.02	0.24	0.84	2.45	0.83	0.73	6.42	5.96
तनुकृत:	–0.13	0.37	–0.02	0.24	0.84	2.45	0.83	0.73	6.42	5.96

परिसंपत्तियों और देनदारियों का लेखापरीक्षित विवरण

क्र. स.	विवरण	स्टैंडअलोन 31 मार्च, 2026 तक राशि लाखों में	स्टैंडअलोन 31 मार्च, 2025 तक राशि लाखों में	समेकित 31 मार्च, 2026 तक राशि लाखों में	समेकित 31 मार्च, 2025 तक राशि लाखों में
I.	परिसंपत्तियाँ				
1	गैर–चालू परिसंपत्तियाँ				
	(क) संपत्ति, संयंत्र और उपकरण	–	–	–	–
	(ख) पूंजीगत कार्य प्रगति पर	4.29	4.29	4.29	4.29
	(ग) वित्तीय परिसंपत्तियाँ				
	(I) निवेश	370.31	370.31	466.23	4235.41
	(घ) अन्य गैर–चालू परिसंपत्तियाँ	–	–	–	–
		374.6	374.6	470.52	4239.7
2	चालू परिसंपत्तियाँ				
	(क) वित्तीय परिसंपत्तियाँ				
	(I) नकद और नकद समकक्ष	149.22	134.78	149.22	134.78
	(ii) अन्य वित्तीय संपत्तियाँ	1.39	0.16	1.39	0.16
	(ख) चालू कर परिसंपत्तियाँ (शुद्ध)	3.61	1.99	3.61	1.99
	(ग) अन्य चालू परिसंपत्तियाँ	4.85	4.8	4.85	4.8
		159.07	141.73	159.07	141.73
	कुल	533.67	516.33	629.59	4381.43
II.	इक्विटी और देयताएँ				
	इक्विटी				
	(क) इक्विटी शेयर पूंजी	704	704	704	704
	(ख) अन्य इक्विटी	–215.64	–232.63	4079.27	3632.46
	कुल इक्विटी	488.36	471.37	4783.27	4336.46
	देयताएँ				
1	गैर–चालू देयताएँ				
	(क) वित्तीय देयताएँ				
	(I) उधार	0	0	0	0
2	चालू देयताएँ				
	(क) वित्तीय देयताएँ				
	(i) व्यापार देय	–	–	–	–
	क) कुल बकाया एमएसई के अलावा अन्य लेनदारों की देय राशि	1.89	1.53	1.89	1.53
	(ii) अन्य वित्तीय देयताएँ	43	43	43	43
	(ख) अन्य चालू देयताएँ	0.43	0.43	0.43	0.43
		45.32	44.96	45.32	44.96
	कुल	533.67 516.33	4828.59	4381.42	

विस्तृत वित्तीय परिणामों के लिए QR कोड स्कैन करें

नोट: ऊपर दिया गया विवरण सेबी (सूचीकरण एवं अन्य प्रकटीकरण आवश्यकताएँ) विनियम, 2015 के विनियम 33 के अंतर्गत स्टॉक एक्सचेंजों में दाखिल तिमाही/अर्धवार्षिक वित्तीय परिणामों के विस्तृत प्रारूप का एक अंश है। त्रैमासिक/वार्षिक वित्तीय परिणामों का पूरा प्रारूप स्टॉक एक्सचेंज की वेबसाइट: http://www.bseindia.com और कंपनी की वेबसाइट: http://www.fortuneinternational.in पर भी उपलब्ध है।

फॉर्च्यून इंटरनेशनल लिमिटेड के लिए
हस्ता./–
(निवेदन भारद्वाज)
प्रबंध निदेशक
(डीआईएन: 00040191)
स्थान: नई दिल्ली
दिनांक: 30.05.2026

स्टांप लेने जा रहे युवक से झपटा बैग

बंदर ने पेड़ से बरसाए दो लाख रुपए के नोट, लोग बटोरने दौड़े

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

यूपी के बुलंदशहर में बंदरों का उत्पात लोगों ने लिए मुसीबत बन गया है। शनिवार को बैनामा कराने के लिए स्टांप लेने जा रहे युवक से दो लाख रुपयों से भरी पिन्नी लेकर बंदर पेड़ पर चढ़ गया और नोट फेंकने लगा। जब लोगों ने बैग छुड़ाने की कोशिश की तो बंदर ने नोट फेंकना शुरू कर दिया। इससे कई लोग नोट बीनने में जुट गए। दो लाख रुपये में एक लाख 98 हजार रुपये ही बच पाए।

बैनामा कराने गया था युवक

कचहरी स्थित अधिवक्ता सोहनपाल व आमिर खान के चैंबर पर एक युवक बैनामा कराने के लिए आया हुआ था। बैनामा से पूर्व स्टांप लेने के लिए अधिवक्ता ने रविंद्र लोधी उर्फ राजू को दो लाख रुपये एक पिन्नी में रखकर दिए। पिन्नी को हाथ में लटकाकर रविंद्र स्टांप लेने के लिए जैसे ही चैंबर से निकला। तभी एक बंदर रुपयों से भरी पिन्नी को छीनकर भागने लगा।

पैसों की पिन्नी मुंह में दबाकर पेड़ पर चढ़ा बंदर

प्रत्यक्षदर्शी जीएस वर्मा बताया कि पिन्नी में रखे दो लाख रुपये को बंदर ने मुंह में दबा लिए और पेड़ पर ऊपर पहुंच गया। रविंद्र व अन्य लोगों ने बंदर का पीछा किया। इस पर बंदर ने कुछ नोट पेड़ से नीचे फेंक दिए। वहां मौजूद कई लोगों ने इन नोटों को बीनना शुरू कर दिया। इस दौरान रुपये लेकर आया युवक यह नजारा देख परेशान हो गया।

पेज एक का शेष

भारत बना दुनिया की...

नवाचार क्षमता में सुधार का परिणाम है। दुनिया की जीडीपी के 96% को कवर करने वाले 71 देशों में की गई स्टडी से यह पता चला है कि भारत डिजिटल प्रदर्शन के मामले में जर्मनी, फ्रांस, जापान और कनाडा सहित प्रमुख विकसित अर्थव्यवस्थाओं से बहुत आगे निकल रहा है। भारत ने डिजिटल रूप से प्रदान की जाने वाली सेवाओं के माध्यमों से करीब 31 लाख करोड़ रुपए का ट्रेड किया। भारत अब दुनिया के दूसरे सबसे बड़े एआई टैलेंट पूल का घर बन चुका है।

अकेले भारत में 26 ...

कुल निजी एआई निवेश का केवल 1% हिस्सा ही भारत को मिल पाता है। क्योंकि, एडवांस चिप्स, सुपरकंप्यूटिंग क्षमता और बड़े एआई मॉडल का निर्माण और नियंत्रण अभी भी दुनिया के चुनिंदा विकसित देशों के पास ही सीमित है।

जीटी की 'सीटी'...

उठाने के लिए अपनी तरह से रणनीति बनाई है। गिल की टीम की एक रणनीति आरआर के साथ मैच में दिखी थी।

1947 में संघ मजबूत ...

दत्तात्रेय होसबोले के बयान पर उन्होंने कहा कि होसबोले के बयान को पूरी गंभीरता और गहराई से समझने की जरूरत है। संघ हमेशा यह मानता रहा है कि लोगों के बीच संवाद और संपर्क बने रहने से लंबे समय में समस्याओं को सुलझाने में मदद मिलती है। आंबेकर ने स्पष्ट किया कि सरकारों के बीच होने वाली बातचीत एक राजनीतिक और कूटनीतिक विषय है। ऐसे मामलों में संघ न तो सरकार को सलाह देता है और न ही फैसले करता है।

सभी हाईकोर्ट को..

गया। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि किसी पीठ द्वारा फैसला सुरक्षित करने के बाद चार महीने तक निर्णय नहीं दिया जाता, तो पक्षकार हाईकोर्ट के सीजेआई के समक्ष आवेदन देकर मामला दूसरी पीठ को स्थानांतरित कराने का अनुरोध कर सकता है।

विशेषः विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून

यह चिंताजनक बात है कि प्रकृति की निकटता का महत्व समझते हुए भी आज के समय में अधिकांश लोग उससे दूर होकर दिन के कई घंटे विभिन्न डिजिटल स्क्रीन के साथ बिताते हैं। इससे कई समस्याएं पैदा होती हैं। इनसे बचने के लिए हमें प्रकृति के सान्निध्य में रहना चाहिए। साथ ही उसे स्वच्छ और सुरक्षित बनाए रखने का संकल्प भी हमें लेना चाहिए।

प्रकृति से जुड़ाव सुधारेगा स्वास्थ्य
बेहतर होगा पर्यावरण

कवर स्टोरी / स्नेहा सिंह

आज हम सब तकनीक के उन्नत दौर में जी रहे हैं। स्मार्टफोन, लैपटाप, टैबलेट और टेलीविजन जैसे उपकरणों ने हमारे जीवन को सुविधाजनक तो बनाया है, लेकिन इसी सुविधा ने हमें धीरे-धीरे प्रकृति से दूर भी कर दिया है। सुबह आंख खुलते ही हाथ मोबाइल तक पहुंचता है और रात में नींद आने तक स्क्रीन हमारी आंखों के सामने रहती है। ऐसा लगता है मानो आधुनिक जीवन का हर पल किसी न किसी डिजिटल उपकरण से जुड़ गया हो।

तकनीक का नकारात्मक प्रभावः तकनीक ने संचार, शिक्षा, व्यापार और मनोरंजन के क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन कर दिया है, लेकिन इसका दूसरा पक्ष भी उतना ही गंभीर है। लगातार स्क्रीन के सामने रहने की आदत ने हमारे शरीर और मन दोनों पर गहरा नकारात्मक प्रभाव डालना शुरू कर दिया है। यही कारण है कि आज पूरी दुनिया में डिजिटल डिटॉक्स की अवधारणा तेजी से बढ़ रही है। इसका सीधा अर्थ है, कुछ समय के लिए डिजिटल उपकरणों से दूरी बनाकर प्रकृति के करीब जाना जरूरी है।

बहुत कारगर है नेचर हीलरः आज विज्ञान भी यह स्वीकार कर चुका है कि प्रकृति केवल सौंदर्य निहारने का माध्यम नहीं, बल्कि एक प्रभावशाली चिकित्सक की तरह भी होती है। पेड़, हरियाली, खुला आकाश, मिट्टी और ताजी हवा हमारे शरीर और मानसिक स्वास्थ्य के लिए किसी औषधि से कम नहीं होते हैं। जब कोई व्यक्ति प्रकृति के बीच समय बिताता है, तब उसके शरीर में कई सकारात्मक जैव-रासायनिक परिवर्तन शुरू हो जाते हैं। वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि बगीचे में घास पर नंगे पैर चलना अत्यंत लाभदायक है। इस प्रक्रिया को अर्थिंग या ग्राउंडिंग कहा जाता है। आधुनिक जीवनशैली ने मनुष्य का पृथ्वी से सीधा संपर्क लगभग समाप्त कर दिया है। डामर की सड़कें, सीमेंट के फर्श और रबर के जूते हमें प्रकृति से अलग कर चुके हैं। जबकि हमारे पैरों के तलवों में शरीर के विभिन्न अंगों से जुड़े तंत्रिका बिंदु होते हैं। घास और मिट्टी पर चलने से इन बिंदुओं पर प्राकृतिक दबाव पड़ता है, जिससे रक्त संचार बेहतर होता है और शरीर में ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है।

प्रकृति केवल मानसिक शांति ही नहीं देती, बल्कि शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता को भी मजबूत बनाती है। पेड़-पौधे वातावरण में फाइटोनसाइड्स नामक जैविक रसायन छोड़ते हैं। ये तत्व मनुष्य के शरीर में जाकर श्वेत रक्त कोशिकाओं की सक्रियता बढ़ाते हैं, जिससे रोगों से लड़ने की क्षमता मजबूत होती है। नीम, पीपल, बरगद और अन्य विशाल वृक्ष केवल छाया देने का काम नहीं करते, बल्कि वे वातावरण को शुद्ध बनाकर हमारे स्वास्थ्य की रक्षा भी करते हैं। यही कारण है कि गांवों और हरियाली वाले क्षेत्रों में रहने वाले लोगों का मानसिक संतुलन और शारीरिक स्वास्थ्य अकसर बेहतर पाया जाता है।

स्क्रीन की लत से बिगड़ता स्वास्थ्यः अगर आप वर्किंग हैं तो ऑफिस का ज्यादातर काम कंप्यूटर पर होता है, खाली समय मोबाइल पर स्क्रॉल करते बीतता है और मनोरंजन टेलीविजन या ओटीटी प्लेटफॉर्म के जरिए होता है। परिणामस्वरूप शरीर लगातार कृत्रिम रोशनी के संपर्क में रहता है। मोबाइल और कंप्यूटर स्क्रीन से निकलने वाली ब्लू लाइट आंखों पर सबसे अधिक दुष्प्रभाव डालती है। इससे आंखों में जलन, सूखापन और धुंधलापन बढ़ने लगता है। लंबे समय तक स्क्रीन देखने से सिरदर्द, गर्दन और कंधों में दर्द तथा मांसपेशियों में जकड़न जैसी समस्याएं होने लगती हैं। बच्चे हों या बड़े, लगभग हर आयु वर्ग इसके दुष्प्रभावों का सामना कर रहा है।

सबसे गंभीर प्रभाव हमारी नींद पर पड़ता है। रात में देर तक मोबाइल देखने से शरीर में मेलाटोनिन हार्मोन का उत्पादन बाधित होता है, जो नींद को नियंत्रित करता है। परिणामस्वरूप अनिद्रा, बेचैनी और मानसिक थकान बढ़ने लगती है। धीरे-धीरे यह स्थिति तनाव, अवसाद और चिड़चिड़ेपन का कारण बन जाती है।

आंखों-मस्तिष्क को मिले आरामः लगातार स्क्रीन देखने से आंखों की मांसपेशियां थक जाती हैं। हमारा ध्यान केवल नजदीकी वस्तुओं पर केंद्रित रहता है, जिससे आंखों पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। इसके विपरीत जब व्यक्ति हरियाली और दूर तक फैले प्राकृतिक दृश्यों को देखता है, तो आंखों को आराम मिलता है।

हरा रंग आंखों के लिए सबसे आरामदायक माना जाता है। प्रकृति की हरियाली आंखों की थकान कम करती है और मानसिक तनाव को भी घटाती है। यही कारण है कि पार्क में कुछ समय बिताने के बाद व्यक्ति स्वयं को अधिक शांत और ताजगी से भरा महसूस करता है।

पौधों के संग बिताएं समयः आज के दौर में लोग अधिकांश समय डिजिटल दुनिया से जुड़े रहते हैं। आधुनिक जीवन की भाग-दौड़ में यदि हम प्रतिदिन कुछ समय प्रकृति के साथ बिताएं तो अपने शरीर और मस्तिष्क को पुनः ऊर्जावान बना सकते हैं। इसके लिए हम रोज कुछ समय अपने गार्डन में या बालकनी के गमलों में लगे पौधों की देखभाल कर सकते हैं। सुबह-शाम उनको पानी दे सकते हैं। उनकी मिट्टी की गुड़ाई कर सकते हैं, उसकी सफाई कर सकते हैं। इससे आपको पेड़-पौधों के करीब रहने का अवसर मिलेगा। यही नहीं आप रोज सुबह-शाम अपने आस-पास के किसी पार्क में वॉक करने जा सकते हैं। कुछ देर वहां की ताजी हवा में सांस ले सकते हैं। पेड़ों के झुरमुट में पक्षियों के कलरव को सुन सकते हैं। यकीन मानिए, पूरे दिन में से प्रकृति के करीब बिताए गए कुछ मिनट आपको न केवल ताजगी से भर देंगे, आपको प्रकृति की महत्ता का अहसास भी कराएंगे। जाहिर है, इससे आप प्रकृति के प्रति, अपने आस-पास के वातावरण के प्रति संवेदनशील बनेंगे। आप उसको स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए भी प्रेरित होंगे। *

विशेषः विश्व साइकिल दिवस 3 जून

साइकिलिंग का डबल फायदा
स्वस्थ शरीर-शुद्ध वातावरण

भले ही आज की फास्ट लाइफ में साइकिल चलाना कम ही लोग पसंद करते हैं। लेकिन इसे चलाने से न केवल स्वास्थ्य संबंधी अनेक फायदे मिलते हैं, पर्यावरण को शुद्ध रखने में भी यह मददगार है। इससे होने वाले तमाम फायदों पर एक नजर।

अवेयरनेस / नम्रता नदीम

आज के दौर में खान-पान में होने वाले बदलाव, निष्क्रिय जीवनशैली और जीवन में बढ़ते तनाव के कारण कम उम्र में ही लोग गंभीर बीमारियों का शिकार हो रहे हैं। इसीलिए डॉक्टर्स स्वस्थ रहने के लिए फिजिकल एक्टिविटी को बेहद जरूरी मानते हैं। इन एक्टिविटीज में साइकिलिंग को बहुत कारगर माना जाता है, जिसे करके हम न केवल वजन घटा सकते हैं, कई बीमारियों के जोखिम को कम कर सकते हैं, साथ ही अपने आस-पास के वातावरण को भी प्रदूषणमुक्त रखने में अपना योगदान दे सकते हैं।

वातावरण को लाभः साइकिल में पेट्रोल, डीजल या किसी अन्य प्रकार का ईंधन इस्तेमाल नहीं होता है। इसलिए इससे वायु प्रदूषण बिल्कुल नहीं होता है। इसमें बिजली का भी यूज नहीं होता, इस तरह एनर्जी की बचत होती है। इसमें तेज आवाज वाले हॉर्न नहीं होते हैं, इससे ध्वनि प्रदूषण भी नहीं होता है। इसका आकार छोटा होता है, इससे ट्रैफिक जाम की स्थिति उत्पन्न नहीं होती है।

उपयुक्त समय-स्थानः साइकिल चलाने के लिए सुबह का समय सबसे उपयुक्त होता है, क्योंकि खाली पेट साइकिल चलाने से बॉडी फैट जल्दी बर्न होता है। शुरुआती दौर में सीधी सपाट रोड पर साइकिलिंग और बाद में ज्यादा कैलोरीज बर्न करने के लिए, वजन घटाने के लिए चढ़ाई पर भी साइकिलिंग की जा सकती है। जिस समय साइकिल चला रहे हों, अपने पोस्चर पर फोकस करें। साइकिल चलाते समय एक ही पोस्चर में न रहकर उसमें बदलाव करते रहें ताकि शरीर के दूसरे हिस्सों पर भी जोर पड़े।

पैडलिंगः साइकिलिंग के रुटीन को शुरू करने से पहले कहां से पैडलिंग करनी है और कहां आराम से राइड करना है, यह ध्यान रखना जरूरी है। पैरों की मदद से जब पैडलिंग की जाती है तो पैर ऊपर से नीचे की तरफ एक्टिविटी करते हैं। इससे पैरों की मसल्स से लेकर शरीर के निचले हिस्से और ऊपर के हिस्से की मसल्स मजबूत होती हैं और शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ती है।

होने वाले स्वास्थ्य लाभः साइकिलिंग दिल के स्वास्थ्य के लिए बहुत बेहतर एक्सरसाइज है। इससे ब्लड सर्कुलेशन से जुड़े जोखिम को कम कर सकते हैं। जो लोग ऑफिस या किसी दूसरे स्थान पर दिन भर बैठकर काम करते हैं, उनके लिए साइकिलिंग इसलिए भी बेहतरीन एक्सरसाइज है, क्योंकि इससे डायबिटीज का खतरा कम होता है। साइकिल चलाने से इंसुलिन लेवल कम होता है। प्रतिदिन एक घंटे अगर साइकिलिंग की जाए तो 500 कैलोरी बर्न होती है और इससे वजन भी जल्दी कम होता है। विभिन्न शोध इस बात की ओर इशारा करते हैं कि पुरुषों ही नहीं महिलाओं के लिए भी साइकिलिंग एक फायदेमंद एक्सरसाइज है। यह उनमें ब्रेस्ट कैंसर के जोखिम को कम करती है। जोड़ों से जुड़ी समस्याओं की रोकथाम करने के लिए भी साइकिलिंग काफी फायदेमंद होती है। अर्थराइटिस में भी यह एक अच्छी एक्सरसाइज है। इससे मसल्स मजबूत होती हैं और एनर्जी लेवल भी बढ़ता है। साइकिलिंग से हमें डिप्रेशन और टेंशन कम होता है।

बुजुर्गों के लिए फायदेमंदः जैसे-जैसे हमारी उम्र बढ़ती है, हमारी हड्डियां और मांसपेशियां कमजोर हो जाती हैं, जिसके कारण व्यायाम करना मुश्किल होता है। लेकिन उम्र बढ़ने के बावजूद साइकिल चलाना एक ऐसा व्यायाम है, जो आसानी से हो सकता है और जिसके कई फायदे हैं। विभिन्न अध्ययन इस बात की पुष्टि करते हैं कि साइकिल चलाने से उम्र बढ़ने की प्रक्रिया धीमी होती है। साइकिल चलाने से ओल्ड एज में भी निरोगता बढ़ती है। नियमित रूप से साइकिल चलाने वालों में कैंसर, हृदय रोग और समय पूर्व मृत्यु की आशंका कम होती है। साइकिलिंग से पहले अतिरिक्त कार्बोहाइड्रेट डाइट लें। इस दौरान आप स्नैक्स भी ले सकते हैं। साइकिलिंग करते समय हाइड्रेट रहें। जो लोग सामाजिक रूप से दूसरों से अलग रह रहे हैं, इस उम्र में उनमें अवसाद की आशंका रहती है। इसलिए फ्रेंड्स के साथ साइकिलिंग करने से न केवल आत्मविश्वास बढ़ता है बल्कि आप खुशमिजाज जीवन जी सकते हैं। *

प्रिकॉशन

लोकमित्र गौतम

विशेषः तंबाकू निषेध दिवस 31 मई

इसलिए नहीं छूटती तंबाकू की लत

किसी भी रूप में तंबाकू का सेवन बेहद खतरनाक होता है। ऐसे में केवल एक दिन ही नहीं हर रोज अनेक स्तरों पर प्रयास करने, लोगों को जागरूक किए जाने की जरूरत है।

हर साल 31 मई को दुनिया भर में 'वर्ल्ड नो टोबेको-डे' यानी विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया जाता है। लेकिन हैरानी की बात ये है कि यह दिवस जोर-शोर से मनाए जाने के बावजूद आखिरकार दुनिया तंबाकू की जानलेवा गिरफ्त से बाहर क्यों नहीं आ पा रही है?

चिंता बढ़ाते आंकड़ेः दुनिया भर में तंबाकू का सेवन लगातार बढ़ रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक हर साल दुनिया में 70 लाख से ज्यादा लोग सीधे तंबाकू सेवन के कारण मौत का शिकार हो रहे हैं, जबकि 12 से 13 लाख लोग परोक्ष धूम्रपान यानी धूम्रपान करने वाले लोगों के साथ रहने के कारण अपनी जान गंवा रहे हैं।

कई बीमारियों की वजहः कुछ लोगों को लगता है कि तंबाकू केवल फेफड़ों को नुकसान पहुंचाता है, लेकिन सच्चाई यही नहीं है। सच यह है कि तंबाकू सबसे ज्यादा तरह के कैंसर होने का कारण है। तंबाकू के सेवन से फेफड़ों का कैंसर होता है, मुंह का कैंसर, गले और जीभ का कैंसर, स्वर यंत्र का कैंसर, अन्न नली, पेट और अग्नयाशय का कैंसर, ये सभी तरह के कैंसर विशेषकर भारत में गुटखा, खैनी और जर्दा खाने के कारण हो रहे हैं। इसके अलावा भी तंबाकू के सेवन से हार्ट अटैक, स्ट्रोक, उच्च रक्तचाप और हृदय की धमनियों का संकुचन जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। तंबाकू के लगातार सेवन से रोग प्रतिरोधक क्षमता बहुत कमजोर हो जाती है और टाइप-2 डायबिटीज का खतरा भी बढ़ जाता है। घाव मुश्किल से भरते हैं। अगर गर्भवती महिलाएं तंबाकू का सेवन करती हैं, तो समय से पहले प्रसव की समस्या पैदा हो जाती है, पैदा होने वाले बच्चे का वजन बहुत कम रह जाता है, गर्भपात का खतरा 30 फीसदी ज्यादा बढ़ जाता है और नवजात की मृत्यु का जोखिम सामान्य से कई गुना ज्यादा हो जाता है। इस तरह देखें तो तंबाकू के सेवन से एक नहीं अनेक तरह के स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं पैदा होती हैं।

युवाओं में बढ़ा ट्रेंडः दुनिया में तंबाकू का कारोबार लगातार बढ़ रहा है। अगर विशेष तौर पर युवाओं की बात करें तो वे फिटनेस एप डाउनलोड कर रहे हैं, जिम जा रहे हैं, ऑर्गेनिक भोजन पर जोर दे रहे हैं, लेकिन सिगरेट, गुटखा और विभिन्न निकोटिन उत्पादनों की लत से निकल नहीं पा रहे। पहले जहां बीड़ी और सिगरेट ही युवाओं को गिरफ्त में लेने के दो बड़े तंबाकू उत्पाद थे, वहीं अब फ्लेवर्ड वेप, ई-सिगरेट, निकोटिन पाउच और न जाने कितने आकर्षक पैकेजिंग वाले तंबाकू उत्पाद बाजार में आ गए हैं, जिनके मोहजाल से युवा तो छोड़िए, किशोर भी नहीं छूट पा रहे। कंपनियां इन्हें कूल, स्टाइलिश और तनाव दूर करने वाला बताकर पेश करती हैं। सोशल मीडिया पर फिल्मों, वेब सीरीज और इंफ्लूएंसर संस्कृति ने भी धूम्रपान को एक नई तरह के ग्लैमर से जोड़ दिया है। इसलिए यंगस्टर्स इसकी गिरफ्त में बढ़ते जा रहे हैं।

कारगर नीति की है कमीः भारत की स्थिति तो विशेष रूप से चिंताजनक है, क्योंकि भारत दुनिया के सबसे बड़े तंबाकू उपभोक्ता देशों में शामिल है। यहां धूम्रपान के अलावा चबाने वाले तंबाकू का भी एक भारी-भरकम बाजार है। गुटखा, खैनी, जर्दा, पान मसाला और सुगंधित निकोटिन उत्पाद, गांवों से लेकर महानगरों तक युवाओं की कमजोरी बनकर रह गए हैं। सरकार एक तरफ तो तंबाकू के सेवन पर बहुत चिंतित होती है, दूसरी तरफ हर तरह के तंबाकू उत्पाद गांवों से लेकर शहरों तक हर जगह इतनी आसानी और इफरात में उपलब्ध हैं कि जरा-सा इनकी तरफ कोई फिसला नहीं कि हमेशा के लिए इसके चक्रव्यूह में फंसकर रह जाता है।

हद तो यह है कि जैसे-जैसे विकास के नाम पर, आधुनिकीकरण के नाम पर, तेज रफ्तार लाइफस्टाइल के नाम पर, लोग स्मार्ट हो रहे हैं, वैसे-वैसे तंबाकू उत्पादन के सेवन को सामान्य आदत मानते जा रहे हैं। इसीलिए हर साल 'नो टोबेको-डे' की रस्म अदायगी के बावजूद तंबाकू का सेवन पूरी दुनिया में दिन दूनी, रात चौगुनी रफ्तार से बढ़ रहा है। इसलिए विशेषज्ञ मानते हैं कि केवल प्रतिबंध से बात नहीं बनने वाली बल्कि धूम्रपान के विरुद्ध एक जन सांस्कृतिक अभियान की जरूरत है, तब कुछ असर होगा। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

विडंबनाओं पर कटाक्ष

वरिष्ठ साहित्यकार ज्ञान चतुर्वेदी के व्यंग्यों का नया संग्रह 'बाराखड़ी' हाल में छपकर आया है। इसमें कुल 61 व्यंग्य संकलित हैं। पुस्तक की भूमिका में उन्होंने लिखा है कि पिछली सदी की तुलना में इस सदी के तेजी से बदलते दौर में व्यंग्य लेखन की शैली का बदलना भी जरूरी है। इस संग्रह के व्यंग्यों से गुजरते हुए, उनकी यह बात सही साबित होती है। विभिन्न प्रकार के संक्रमणों से ग्रस्त समाज की विडंबनाओं के नए-नए चेहरों को लेखक ने नए अंदाज में व्यंग्यों में अनावृत्त किया है। 'घोटालातुर' व्यंग्य में वे आम लोगों की मानसिकता पर सटीक कटाक्ष करते हुए कहते हैं, 'सभी कर रहे हैं, सब तरफ हो रहा है तो समय रहते मैं भी कर डालूं, यह सोचा है।' राजनीति किस तरह भोले-भाले इंसान के भरोसे के साथ खिलवाड़ करती है, और फिर वह हतप्रभ होकर अपना मार्ग बदल लेता है, इसे 'नारा रिपेयरिंग सेंटर' में पढ़ा जा सकता है। 'वह सालों तक खुशफहमी पाले रहा कि नारों पर अमल करके एक दिन यह देश बदल जाएगा, यहां क्रांति होगी।' पुस्तक के लगभग सभी व्यंग्य हमें झिंझोड़कर हमारी वह तस्वीर दिखाते हैं, जिन्हें देखने से हम बचना चाहते हैं। *

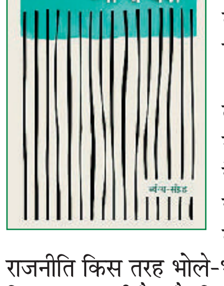

पुस्तकः बाराखड़ी (व्यंग्य-संग्रह), **लेखकः** ज्ञान चतुर्वेदी, **मूल्यः** 395 रुपए, **प्रकाशकः** राजपाल एंड संस, दिल्ली

कहानी / रश्मि वैभव गर्ग

मन का पर्यावरण

सोमेश जी को जब मालूम हुआ कि घर के नवीनीकरण के लिए उनका पुराना साथी नीम का पेड़ कटने वाला है तो वे बहुत बेचैन हो गए। अपनी मनोदशा उन्होंने अपने पौत्र से साझा की। फिर जो हुआ, वे सुखद एहसास से भर गए।

सोमेश जी का मन आज कुछ व्याकुल-सा था। आज सुबह, उनका पुत्र राहुल और उनकी पुत्रवधु, घर के नवीनीकरण का प्रस्ताव लेकर उनके पास आए थे। दोनों ही पति-पत्नी नवीनीकरण को लेकर काफी उत्साहित थे, तकरीबन सब कुछ तय करके ही आए थे। बस सोमेश जी की सहमति की मुहर लगवाना चाहते थे।

अपने बेटे-बहू का उत्साह देखकर सोमेश जी भी खुश थे, लेकिन एक बात जो उनके मन को कचोट रही थी, वह यह थी कि उनके कमरे के बाहर बगीचे में एक पुराना नीम का पेड़ था, उसके कटवाए जाने की बात की जा रही थी।

सोमेश जी के जीवन पर्यंत का साथी, नीम का पेड़, जिसकी टहनियां अकसर उनके कमरे की खिड़की से अंदर आ जाती थीं, जिससे उन्हें लगता था मानो वो उनसे गलबहियां करना चाहती हों। पत्नी सुधा के निधन के बाद, वो नीम ही उनके अकेलेपन का साथी था, जो उनके जीवन के हर सुख और दुःख का साक्षी था। कभी-कभी जीवन में ऐसे सान्निध्य मिल जाते हैं, जो न केवल हमारे दिल के करीब होते हैं, वरन् उनसे भावनात्मक जुड़ाव, खून के रिश्तों से भी गहन हो जाता है।

सोमेश जी कभी बच्चों की खुशी से खिला चेहरा देखते, जिसमें घर के नवीनीकरण की तस्वीर सज रही थी, तो कभी अपना नीम के साथ बिताया एकाकीपन। अपने पिता की स्मृति को वो यूं भी खोना नहीं चाहते थे। बचपन से उस नीम की छांव तले ही तो बड़े हुए थे वे।

सोमेश जी चाहते थे कि घर के नवीनीकरण में उनका पुरातन साथी नीम का पेड़ भी बना रहे, जिससे वो अपना सुख-दुःख बांट सकें।

सोमेश जी अपनी दुविधा अपने बेटे-बहू से कह नहीं पा रहे थे। शायद दुविधायुक्त मन अपने करीबी लोगों को ढूंढ़ ही लेता है, इसलिए, सोमेश जी को अपने पौत्र पलाश की याद आई। पलाश इसी वर्ष इंजीनियरिंग की पढ़ाई के लिए दूसरे शहर में चला गया था। सोमेश जी ने पलाश को अपनी भावनाएं व्यक्त करने का सही साथी माना, लेकिन अपनी बात उन्हें फोन पर कहना उचित नहीं लगा। उन्होंने पलाश को एक पत्र लिखा।

प्रिय बेटा पलाश,

स्नेहाशीष

आशा है तुम कुशल होगे। शायद यह तुम्हारे जीवन का पहला खत होगा, आज की डिजिटल दुनिया में खतों का अस्तित्व मिट-सा गया है। लेकिन आज भी मुझे यह ही अभिव्यक्ति का सर्वोत्तम माध्यम लग रहा है, जिसमें मैं अपने आप को सहज महसूस कर रहा हूं। मेरे मन में एक कसक है, जिसको मैं तुमसे बांटना चाहता हूं। तुम्हारे माता-पिता घर का नवीनीकरण करवाना चाहते हैं, जिसमें वो नीम के पेड़ को कटवाना चाहते हैं। तुम जानते हो इस नीम से मुझे गहरा लगाव है, उसकी जड़ें मेरे जीवन की जड़ों से जुड़ी हैं। वो मेरे अकेलेपन का साथी है, साथ ही मेरे पिता द्वारा लगाया गया स्नेह भी है, जिसकी छाया में मैं बड़ा हुआ हूं। इस स्नेह को मैं भावी पीढ़ियों को भी हस्तांतरित करना चाहता हूं। मुझे उस पेड़ से भावनात्मक प्रेम है। आशा है तुम मेरे एहसास समझोगे बेटा और कोई उपयुक्त हल निकालोगे। यह पेड़ न केवल मेरी आत्मा से जुड़ा है वरन् हमारे घर के पर्यावरण और सकारात्मकता का प्रतिबिंब भी है।

असीम स्नेह के साथ

तुम्हारा दादा जी

सोमेश जी ने अपने मन के भाव खत में उकेर कर उसकी फोटो लेकर, पलाश को भेज दिया। सोमेश जी, बेसब्री से पलाश की प्रतिक्रिया का इंतजार कर रहे थे। सृष्टि में एकाकी कोई नहीं, आज सोमेश जी को नीम का पेड़ अपने अकेलेपन का साथी लग रहा था, जिसके बचाव के लिए उन्होंने अपने दूसरे साथी पलाश को चुना। जीवन यात्रा में हर पड़ाव पर मन का साथी चाहिए।

कुछ समय पश्चात ही पलाश का व्हाट्सएप पर मैसेज आया, सोमेश जी ने तुरंत अपना फोन खोला और बेसब्री से उसे पढ़ना शुरू किया-

आदरणीय दादा जी

सादर अभिवादन

मैं कितना भाग्यशाली हूं कि जीवन में पहली चिट्ठी मुझे आपकी मिली, जिससे मुझे न केवल पत्रों का वजूद पता चला, बल्कि आपके स्नेहपूर्ण जज्बात भी पता चले। आप घर में सबसे बड़े हैं, आपकी भावनाएं घर के नवीनीकरण से कहीं ज्यादा महत्त्वपूर्ण हैं। नीम का पेड़ न केवल आपके जीवन का साक्षी है, बल्कि मेरे और मेरे पापा के जीवन का भी साक्षी है, तो ऐसे पेड़ को हम कैसे कटवा सकते हैं? साथ ही नीम रात्रि में ऑक्सीजन छोड़ने वाला पेड़ है, जो पर्यावरण की दृष्टि से अत्यंत लाभदायक भी है। मैं तीन दिन बाद घर आ रहा हूं। आकर मां, पापा से पेड़ को नहीं काटने की बात कर लूंगा, उन्हें कहूंगा कि मैं नहीं चाहता कि यह पेड़, जिसकी छांव में मैं बड़ा हुआ हूं, काटा जाए। उन्हें नीम का पर्यावरण में महत्त्व भी बताऊंगा। आप निश्चिंत रहें, और हां दादा जी, हम एक नया पौधा भी लगाएंगे, जिसके छांव तले हमारी भावी पीढ़ियां पल्लवित हों, ताकि उनसे मैं कह सकूं कि यह मेरे दादा जी की अमानत है, जो मेरे घर के पर्यावरण के साथ मेरे जीवन के सभी सुख-दुःख का भी साक्षी रहा है।

आपका सबसे छोटा दोस्त

पलाश

पलाश का ऐसा भावपूर्ण पत्र पढ़कर सोमेश जी की आंखें स्नेह से भर आईं। सोमेश जी सोच रहे थे कि जिस पेड़ की जड़ों में भावों का इतना अकूत खजाना हो, उसकी परवरिश कमतर कैसे हो सकती है। सोमेश जी का सीना गर्व से फूल गया कि पलाश आखिर इसी नीम की छांव में बड़ा जो हुआ है। यह सब सोचकर सोमेश जी मंद-मंद मुस्कुराते हुए सोच रहे थे। पेड़ न केवल पर्यावरण का संतुलन रखते हैं, वरन् मन के आंगन के पर्यावरण का भी भावनात्मक संतुलन बनाए रखते हैं। *

राज्यसभा की तीसरी सीट के लिए मुकाबले के आसार खत्म, भाजपा ने दिए संकेत

भाजपा तीसरी सीट के लिए उम्मीदवार नहीं उतारेगी!

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन से मुलाकात के बाद संकेत मिले हैं कि अब पार्टी राज्यसभा की तीसरी सीट के लिए अपना उम्मीदवार नहीं उतारेगी।

इस संकेत के बाद राज्यसभा की इस सीट के लिए मुकाबले के आसार खत्म हो गए हैं। अब तक अटकलें लग रही थीं कि भाजपा द्वारा कांग्रेस के 6-7 विधायक तोड़ कर तीसरी सीट पर भी कब्जे की कोशिश करेगी। इस खबर से कांग्रेस में बेचैनी थी और भाजपा में तीसरी सीट के लिए संभावित प्रत्याशी को लेकर चर्चा तेज थी। अब ऐसी चर्चाओं पर विराम लग गया। प्रदेश से राज्यसभा की तीन सीटें खाली हो रही हैं।

इनमें दो भाजपा और एक कांग्रेस के पास है। चुनाव के बाद भी यह स्थिति बरकरार रहने की संभावना है। विधानसभा में सदस्य संख्या के लिहाज से भाजपा को दो और कांग्रेस को एक सीट ही मिल सकती है।

कांग्रेस में भी चल रहा मंथन, कमलनाथ का नाम आगे

भाजपा ने केंद्रीय नेतृत्व के पास भेजा दावेदारों का पैनल

खबर है कि प्रदेश भाजपा की ओर से राज्यसभा के लिए दावेदारों का पैनल बनाकर केंद्रीय नेतृत्व के पास भेजा जा चुका है। वहां से हरी झंडी के बाद प्रत्याशी घोषित हो जाएंगे। पैनल में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, पूर्व मंत्री अरविंद भदौरिया, नरोत्तम मिश्रा, सुरेश पचौरी, राम निवास रावत, पूर्व सांसद जीएस डामोर, महिला कोटे से पूर्व मंत्री रंजना बघेल, दीनदयाल शोध संस्थान के अध्यक्ष अभय महाजन, झाबुआ के जनजातीय क्षेत्र में संघ का काम संभालने वाले महेश शर्मा, भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लाल सिंह आर्य के नाम बताए जा रहे हैं। सुमेर सिंह सोलंकी और केंद्रीय राज्यमंत्री जॉर्ज कुरियन का कार्यकाल खत्म हो रहा है। इनका नाम भी दावेदारों में शामिल बताया जा रहा है।

कांग्रेस में कमलनाथ, नकुल के नाम पर विचार

कांग्रेस में एक सीट के लिए जम कर माथापच्ची चल रही है। खबर है कि पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ को राज्यसभा उम्मीदवार बनाने को लेकर दिल्ली में कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व के बीच गंभीर विचार-मंथन हुआ है। मध्य प्रदेश के आगामी चुनावी और राजनैतिक समीकरणों को साधने के लिए पार्टी एक बार फिर अपने सबसे अनुभवी चेहरे पर दांव लगा सकती है। कमलनाथ का राजनीतिक कद और सूबे की राजनीति पर उनकी पकड़ को देखते हुए पार्टी के भीतर उनके नाम पर सहमति बनती दिख रही है। पिछले दिनों कमलनाथ ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात की थी। दोनों नेताओं के बीच हुई इस बैठक के बाद से उनके नाम पर मुहर लगने की खबरों को और मजबूती मिली है। कमलनाथ अभी विधायक हैं। उनके राज्यसभा जाने पर बेटे नकुलनाथ विधानसभा का चुनाव लड़ सकते हैं। हालांकि भविष्य की राजनीति को देखते हुए नकुलनाथ को राज्यसभा भेजने पर भी चर्चा हुई है।

पटेल व अहिरवार के नाम चर्चा में

कांग्रेस में अन्य कई दावेदारों पर भी विचार

कांग्रेस में अकेले कमलनाथ और नकुलनाथ ही दावेदार नहीं हैं। दिग्विजय सिंह राज्यसभा में न जाने का ऐलान पहले ही कर चुके हैं, फिर भी समर्थक उनका नाम आगे बढ़ा रहे हैं। अन्य दावेदारों में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, पूर्व मंत्री कमलेश्वर पटेल, पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव, पूर्व सांसद मीनाक्षी नटराजन, दलित नेता सज्जन सिंह वर्मा और प्रदीप अहिरवार शामिल है। हालांकि पटवारी भी कह चुके हैं कि वे राज्यसभा के लिए दावेदार नहीं हैं।

राज्यसभा चुनाव का शेड्यूल

राज्यसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान पहले ही हो चुका है। आयोग की अधिसूचना के मुताबिक, 1 जून से नामांकन की प्रक्रिया शुरू होगी। उम्मीदवार 8 जून तक नामांकन पत्र दाखिल कर सकेंगे। नामांकन पत्रों की जांच 9 जून को होगी। 11 जून को नाम वापस की अंतिम तारीख निर्धारित की गई है। वहीं 18 जून को सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक वोटिंग होगी। इसी दिन शाम 5 बजे से मतगणना शुरू होगी।

सिख गुरुओं की महान विरासत और बलिदान पर देश को गर्व : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने हरियाणा निवास में सिख संगत के धन्यवाद कार्यक्रम को संबोधित किया

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ चंडीगढ़

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सिख समाज की वीरता, त्याग और धर्म की रक्षा के लिए दिए गए बलिदानों पर पूरे देश को गर्व है।

- गुरुओं के आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध

सिख गुरुओं ने सेवा, समानता और साहस का जो मार्ग दिखाया, वह आज भी समाज को प्रेरणा दे रहा है। उन्होंने कहा कि सिख समाज ने धर्म और राष्ट्र की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर किया, लेकिन कभी अन्याय के सामने झुका नहीं। मुख्यमंत्री शनिवार को हरियाणा निवास, चंडीगढ़ में सिख संगत द्वारा आयोजित धन्यवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर सिख संगत ने उन्हें कृपाण और सरोपा भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि गुरु नानक देव से लेकर गुरु गोबिंद सिंह तक सभी गुरुओं ने मानवता को सेवा, भाईचारे और साहस का संदेश दिया। गुरु तेग बहादुर और चारों साहिबजादों का बलिदान भारतीय इतिहास की अमूल्य धरोहर है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण के लिए ऐतिहासिक कार्य किए जा रहे हैं। केंद्र सरकार ने स्वदेश दर्शन योजना के तहत सिख विरासत सर्किट के विकास को मंजूरी दी है। इसके अलावा करतारपुर कॉरिडोर का उद्घाटन, अमृतसर से नांदेड़ साहिब के लिए हवाई सेवा और हर वर्ष 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस का आयोजन सिख इतिहास और परंपराओं के सम्मान का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार भी सिख समाज के सम्मान और गुरुओं की शिक्षाओं के प्रचार-प्रसार के लिए लगातार कार्य कर रही है। इसी कड़ी में यमुनानगर में बनने वाले मेडिकल कॉलेज और अंबाला के राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज का नाम गुरु तेग बहादुर के नाम पर रखा गया है। वहीं टोहाना-जींद-धमतान साहिब रोड का नाम श्री गुरु तेग बहादुर मार्ग रखा गया है।

29 जून को भिवानी में मनाई जाएगी संत कबीर

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री के कुशल मार्गदर्शन में डबल इंजन सरकार धानक समाज के सम्मान की प्रहरी है। समाज के अधिकारों की रक्षा करना, बच्चों को बेहतर भविष्य देना और समाज को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री शनिवार को चंडीगढ़ में धानक समाज के प्रतिनिधियों के साथ आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। इसमें हरियाणा, चंडीगढ़ के अलावा पंजाब के प्रतिनिधि भी शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने कहा कि 29 जून को भिवानी में संत कबीरदास जयंती मनाई जाएगी। इसी तरह पंजाब के अबोहर और लुधियाना में भी आयोजित की जाने वाली जयंती समारोह में शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में उनकी हर समस्या का निराकरण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि 2029 तक भाजपा सरकार द्वारा किए गए सभी वादे पूरे किए जाएगें। अब तक 63 संकल्प पूरे किए जा चुके हैं तथा 153 संकल्पों पर गति से कार्य चल रहा है।

- मुख्यमंत्री ने धानक समाज के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की

लोक भवन में मातृ शक्ति सम्मान समारोह

कुरुक्षेत्र बाईपास मंजूर करने पर सीएम ने केंद्र का आभार जताया

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी का आभार और धन्यवाद किया है, जिन्होंने कुरुक्षेत्र के नागरिकों को बाईपास देकर एक जीवन रेखा की सौगात देने का काम किया है। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि कुरुक्षेत्र को 27.9 किलोमीटर लंबी बाईपास परियोजना की सौगात मिली है। यह बाइपास कुरुक्षेत्र के दक्षिणी भाग से होकर निकाला जाएगा जो कुरुक्षेत्र पिहोवा मार्ग पर ज्योतिसर के पास इंदबरी से शुरू होकर स्टेट हाईवे नंबर 6, एमडीआर-119, किरमच रोड, अमीन रोड व नेशनल हाईवे -44 को जोड़ता हुआ मथाना (स्टेट हाईवे-6) पर समाप्त होगा। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि इस परियोजना से पिपली चौक पर ट्रैफिक का दबाव कम होगा और कुरुक्षेत्र शहर को जाम नहीं लगेगा।

जयपुरिया स्कूल ऑफ बिजनेस ने 15वें दीक्षांत समारोह का आयोजन किया

गाजियाबाद। जयपुरिया स्कूल ऑफ बिजनेस (जेएसबी), गाजियाबाद ने 30 मई 2026 को अपना 15वाँ दीक्षांत समारोह आयोजित किया। इस अवसर पर वर्ष 2024-26 के पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मैनेजमेंट (पीजीडीएम) बैच के 224 छात्रों को उनकी डिग्री प्रदान की गई। यह समारोह केवल उनकी शैक्षणिक सफलता का उत्सव नहीं था, बल्कि उनके जीवन की एक नई और उज्ज्वल शुरुआत का भी प्रतीक था। अब ये छात्र नए सपनों, आत्मविश्वास और उद्देश्य के साथ अपने भविष्य की ओर कदम बढ़ाने के लिए तैयार हैं।दीक्षांत समारोह में सोमानी सेरामिक्स लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री श्रीकांत सोमानी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अपने संबोधन में उन्होंने छात्रों को जीवनभर सीखते रहने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि ज्ञान की कोई सीमा नहीं होती और निरंतर सीखना ही सफलता और विकास का आधार है।उन्होंने छात्रों से कहा, "आज जब आप इस संस्थान से बाहर निकल रहे हैं, तो यह याद रखें कि आप केवल नौकरी की दुनिया में प्रवेश नहीं कर रहे हैं, बल्कि देश के भविष्य को आकार देने जा रहे हैं। आपके हर निर्णय और आपके द्वारा स्थापित हर मानक से दुनिया में भारत की पहचान और मजबूत होगी।

रेलयात्री कृपया ध्यान दें!

परीक्षा विशेष रेलगाड़ियाँ–2026

सर्व संबंधित को सूचित किया जाता है कि उत्तर रेलवे द्वारा उत्तर प्रदेश बी.एड. प्रवेश परीक्षा–2026 में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए दिनांक 31.05.2026 (रविवार) को निम्नलिखित परीक्षा विशेष रेलगाड़ियां चलाई जायेंगी:–

64567/64568 तिलक ब्रिज – सहारनपुर – तिलक ब्रिज अनारक्षित विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी — 02 फेरे

गाड़ी सं. 64567 आगमन	गाड़ी सं. 64567 प्रस्थान	स्टेशन	गाड़ी सं. 64568 आगमन	गाड़ी सं. 64568 प्रस्थान
---	09:45	तिलक ब्रिज	18:00	---
09:51	09:53	आनंद विहार टर्मिनल	17:28	17:29
09:58	09:59	साहिबाबाद	17:22	17:23
10:08	10:10	गाज़ियाबाद	17:10	17:12
10:14	10:15	न्यू गाज़ियाबाद	16:48	16:49
10:19	10:20	गुलधर	16:42	16:43
10:24	10:25	दुहाई	16:36	16:37
10:30	10:31	मुराद नगर	16:30	16:31
10:39	10:40	मोदी नगर	16:21	16:22
10:47	10:48	मोहिउद्दीनपुर	16:15	16:16
10:53	10:54	परतापुर	16:09	16:10
11:18	11:20	मेरठ सिटी	16:01	16:03
11:26	11:27	मेरठ कैंट	15:54	15:55
11:32	11:33	पाबली खास	15:48	15:49
11:40	11:41	दौराला	15:40	15:41
11:48	11:49	सकौती टाँडा	15:32	15:33
11:57	11:58	खतौली	15:23	15:24
12:06	12:07	मंसूरपुर	15:14	15:15
12:13	12:14	जड़ौदा नारा	15:07	15:08
12:21	12:22	मुज़फ्फ़र नगर	14:59	15:00
12:27	12:28	बामनहेरी	14:53	14:54
12:35	12:36	रोहाना	14:45	14:46
12:45	12:46	देवबंद	14:36	14:37
12:54	12:55	तलहेड़ी बुजुर्ग	14:27	14:28
13:02	13:03	नागल	14:19	14:20
13:21	13:22	टपरी	14:10	14:11
13:40	---	सहारनपुर	---	14:00

चलने के दिन : 64567 तिलक ब्रिज से तथा 64568 सहारनपुर से दिनांक 31.05.2026 को।
स्थान : सामान्य।

64555/64556 मेरठ सिटी – सहारनपुर – मेरठ सिटी अनारक्षित विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी — 02 फेरे

गाड़ी सं. 64555 आगमन	गाड़ी सं. 64555 प्रस्थान	स्टेशन	गाड़ी सं. 64556 आगमन	गाड़ी सं. 64556 प्रस्थान
---	10:25	मेरठ सिटी	15:00	---
10:31	10:32	मेरठ कैंट	14:45	14:46
10:37	10:38	पाबली खास	14:39	14:40
10:45	10:46	दौराला	14:31	14:32
10:53	10:54	सकौती टाँडा	14:23	14:24
11:02	11:03	खतौली	14:14	14:15
11:11	11:12	मंसूरपुर	14:05	14:06
11:20	11:21	जड़ौदा नारा	13:58	13:59
11:27	11:28	मुज़फ्फ़र नगर	13:50	13:51
11:35	11:38	बामनहेरी	13:44	13:45
11:43	11:44	रोहाना	13:36	13:37
11:51	11:52	देवबंद	13:26	13:27
12:01	12:02	तलहेड़ी बुजुर्ग	13:17	13:18
12:10	12:11	नागल	13:09	13:10
12:19	12:20	टपरी	13:00	13:01
12:35	---	सहारनपुर	---	12:50

चलने के दिन : 64555 मेरठ सिटी से तथा 64556 सहारनपुर से दिनांक 31.05.2026 को।
स्थान : सामान्य।

रेलयात्रियों से अनुरोध है किसी भी जानकारी के लिए कृपया रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.govin अथवा NTES ऐप देखें।

रेलमदद वेबसाइट देखें:- www.railmadad.indianrailways.gov.in रेलमदद ऐप डाउनलोड करें

हमें फॉलो करें

उत्तर रेलवे
आपकी सुविधा – हमारा ध्येय
हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें
1832/2026
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

खबर संक्षेप

एक लाख 10 हजार किसानों को मिला पांच रुपए में पंप कनेक्शन

भोपाल। राज्य शासन द्वारा घोषित 'किसान कल्याण वर्ष 2026' के अंतर्गत मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा भोपाल, नर्मदापुरम, ग्वालियर एवं चंबल संभाग के अंतर्गत आने वाले 16 जिलों में किसानों को अब मात्र पांच रुपए में नए बिजली कनेक्शन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। अब तक एक लाख 10 हजार 478 कृषि पंप कनेक्शन उपलब्ध करा दिए गए हैं।

संपर्क अभियान में किया 40 हजार लोगों की शिकायतों का निराकरण

भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा संचालित 'संपर्क अभियान 2026' को सफलता मिली है। 14 मई से शुरू हुए इस विशेष अभियान के तहत भोपाल और ग्वालियर रीजन के 16 जिलों में व्यापक स्तर पर एक हजार 422 विशेष शिविर आयोजित किए गए, जिनमें 40 हजार 460 उपभोक्ताओं की शिकायतों का मौके पर निराकरण किया गया। भोपाल रीजन में सबसे अधिक 112 शिविर भोपाल में आयोजित किए गए, जिसमें दो हजार 647 उपभोक्ताओं की शिकायतों का निराकरण किया गया।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

उरगा थाना क्षेत्र का मामला, आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

प्रेमिका से किया शादी का वादा, पीड़िता के गर्भवती होने पर कर लिया दूसरा विवाह

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कोरबा

जिले के उरगा थाना क्षेत्र में प्यार में धोखे का सनसनीखेज मामला सामने आया है। शादी का झांसा देकर एक युवक ने युवती को 7 महीने तक पत्नी बनाकर अपने घर रखा।

इस दौरान युवती 5 माह की गर्भवती हो गई। गर्भवती होने के बाद आरोपी ने उसे आराम करने के बहाने मायके भेज दिया और खुद दूसरी युवती से शादी रचा ली। मामले का खुलासा होने पर पीड़िता आरोपी के घर पहुंची, जहां पति-पत्नी और युवती के बीच जमकर विवाद हुआ। पीड़िता की शिकायत पर उरगा पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 376 के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। जानकारी के अनुसार, आरोपी कृष्णा खन्ना, उम्र 26 वर्ष, उरगा थाना क्षेत्र के खोडल गांव का निवासी है और पेशे से ड्राइवर है। पीड़िता की मुलाकात आरोपी से मंदिर में दर्शन के दौरान हुई थी। वहीं बातचीत के दौरान युवक ने युवती का मोबाइल नंबर ले लिया। इसके बाद दोनों के बीच फोन पर बात होने लगी। बातचीत दोस्ती में बदली, दोस्ती प्यार में और फिर युवक ने शादी का झांसा दिया। आरोपी युवती को अपने घर ले आया और पत्नी की तरह 7 महीने तक साथ रखा। इस दौरान युवती गर्भवती हो गई। जब वह 5 महीने की गर्भवती हुई तो आरोपी ने उसे आराम करने की बात कहकर मायके भेज दिया।

पति-पत्नी और पीड़िता के बीच जमकर हुआ विवाद

कुछ दिन बाद युवती को पता चला कि आरोपी ने दूसरी लड़की से शादी कर ली है। यह सुनकर पीड़िता सीधे आरोपी के घर पहुंच गई। वहां आरोपी, उसकी नई पत्नी और पीड़िता के बीच जमकर कहासुनी और विवाद हुआ। पीड़िता ने पूरे मामले की शिकायत उरगा थाने में दर्ज कराई। कोरबा सीएसपी प्रतीक चतुर्वेदी ने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर आरोपी कृष्णा खन्ना के खिलाफ धारा 376 के तहत अपराध दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी को कोर्ट में पेश कर जेल दाखिल कर दिया गया है। सीएसपी प्रतीक चतुर्वेदी ने बताया कि इसी तरह का एक मामला बालको थाना क्षेत्र में भी सामने आया है। वहां भी एक युवती की शिकायत पर शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने वाले युवक के खिलाफ 376 का मामला दर्ज कर उसे जेल भेज दिया गया है। पुलिस दोनों मामलों में जांच कर रही है।

जल्द हो सकती है 40 कंप्यूटर ऑपरेटरों की भर्ती

भोपाल। भोपाल क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ) में जल्द ही परिवहन विभाग करीब 40 कंप्यूटर ऑपरेटर के पदों पर आउटसोर्स कर्मियों की भर्ती करेगा। इससे आरटीओ में आवेदकों के लाइसेंस, रजिस्ट्रेशन के पेंडिंग मामले निपटेंगे। उल्लेखनीय है कि हर साल जहां कर्मचारियों के रिटायरमेंट होने व करीब तीन साल पहले स्मार्ट चिप कंपनी का टेंडर खत्म होने से कंपनी को हटा दिया था।

PUBLICE NOTICE

Notice is hereby given to the general public that my client **Shri Lakshay Bansal** S/o - Ajay Bansal, R/o - K-306, KW Srishti, Raj Nagar Extension, Dist-Ghaziabad, U.P. - 201017, have completely severed all his social, personal, and financial relations with his father **Shri Ajay Bansal** 'Present whereabouts unknown'. He is no longer associated with my client in any manner. Henceforth, he is disinherited and disowned from all self-acquired and ancestral movable and immovable properties of my client. My client shall not be responsible or liable for any of his acts, debts, liabilities, or financial transactions. If any person, bank, or organization deals with him, they will be doing so entirely at their own risk, cost, and responsibility.

Gaurav Sadana Advocate
Enrl No. D/6524/2021

सूर्या इंडिया लिमिटेड

पंजीकृत. कार्यालयः बी–1/एफ–12, मोहन को–ऑपरेटिव इंडस्ट्रियल एस्टेट, मथुरा रोड, नई दिल्ली– 110044
सीआईएनः L74899DL1985PLC019991, दूरभाषः +91 11 45204115, फैक्सः +91 11 28898016
ईमेलः cs@haldiram.com, वेबसाइटः www.suryaindialtd.com

31 मार्च, 2026 को समाप्त तिमाही और वित्तीय वर्ष के वित्तीय परिणामों के अंश
(लाख रुपये में) ईपीएस को छोड़कर

क्र. सं.	विवरण	तिमाही समाप्ति 31.03.2026 अलेखापरीक्षित	तिमाही समाप्ति 31.03.2025 अलेखापरीक्षित	वर्ष समाप्ति 31.03.2026 लेखापरीक्षित	वर्ष समाप्ति 31.03.2025 लेखापरीक्षित
1	परिचालन से कुल आय (शुद्ध)	187.74	1473.94	737.53	1895.28
2	कर, असाधारण और/या अपवाद मदों से पहले की अवधि के लिए शुद्ध लाभ/(हानि)।	75.56	1401.83	358.20	1,540.61
3	असाधारण और/या विशिष्ट मदों के बाद कर से पूर्व अवधि के लिए शुद्ध लाभ/(हानि)	75.56	1401.83	358.20	1,540.61
4	कर और असाधारण मदों के बाद की अवधि के लिए शुद्ध लाभ/(हानि)।	58.29	1146.3	268.01	1250.32
5	अवधि के लिए कुल व्यापक आय [जिसमें अवधि के लिए लाभ/(हानि) (कर के बाद) और अन्य व्यापक आय (कर के बाद) शामिल हैं]	-800.4	-463.06	-586.65	-356.29
6	भुगतानित इक्विटी शेयर पूंजी (प्रत्येक शेयर का अंकित मूल्य 10/– रुपये)	698.58	698.58	698.58	698.58
7	आरक्षित निधि (पिछले वर्ष की लेखापरीक्षित बैलेंस शीट में दर्शाए गए पुनर्मूल्यांकन आरक्षित निधि को छोड़कर)	-	-	10,668.51	11,255.15
8	प्रति शेयर आय (ईपीएस) (प्रत्येक 10/– रुपये के लिए) (निरंतर और बंद किए गए परिचालनों के लिए)				
	1. मूलः	0.83	16.41	3.84	17.90
	2. तनुकृतः	0.83	16.41	3.84	17.90

टिप्पणियाँ:
1) उपरोक्त, सेबी (लिस्टिंग दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएँ) नियम, 2015 के विनियम 33 के तहत स्टॉक एक्सचेंज में दाखिल किए गए तिमाही और वार्षिक वित्तीय परिणामों के विस्तृत प्रारूप का एक अंश है, जैसा कि समय–समय पर संशोधित किया गया है। तिमाही और वार्षिक वित्तीय परिणामों का पूर्ण प्रारूप स्टॉक एक्सचेंज की वेबसाइट (www.bseindia.com) और कंपनी की वेबसाइट (www.suryaindialtd.com) पर उपलब्ध है। इसे नीचे दिए गए क्यूआर कोड को स्कैन करके भी प्राप्त किया जा सकता है।
2) उपरोक्त वित्तीय परिणामों की समीक्षा लेखापरीक्षा समिति द्वारा की गई और 30–05–2026 को आयोजित निदेशक मंडल की बैठक में इन्हें अनुमोदित किया गया।
3) परिचालन से कुल आय (शुद्ध) में अन्य आय शामिल नहीं है।
4) पिछले तिमाही/वर्ष के आंकड़ों को, जहां भी आवश्यक समझा गया, वर्तमान तिमाही/वर्ष के वर्गीकरण के अनुरूप पुनर्गठित और व्यवस्थित किया गया है।

स्थानः नई दिल्ली
दिनांकः 30.05.2025

सूर्या इंडिया लिमिटेड के लिए
हस्ताक्षरित/–
प्रीति अग्रवाल
प्रबंध निदेशक
डीआईएनः 00011450

न्यायालय में पारिवारिक विवाद ने लिया हिंसक रूप

कोर्ट में पेशी पर पहुंचे दो भाइयों के बीच मारपीट, धारदार हथियार से किया हमला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

जिला न्यायालय परिसर में शनिवार को एक पारिवारिक विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। कोर्ट में पेशी के लिए पहुंचे दो भाइयों के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि एक ने दूसरे पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। घटना के बाद न्यायालय परिसर में अफरा-तफरी मच गई और लोगों की भीड़ जमा हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, दोनों भाई किसी मामले में अदालत पहुंचे थे। इसी दौरान उनके बीच कहासुनी हुई, जो देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गई। आरोप है कि एक भाई ने अचानक धारदार हथियार निकालकर दूसरे पर हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के तुरंत बाद घायल को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों की निगरानी में उसका इलाज जारी है। उसकी हालत चिंताजनक बताई जा रही है।

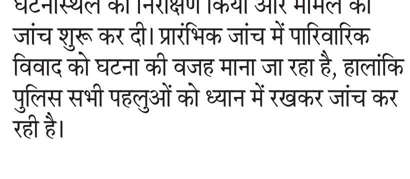

पुलिस कर रही मामले की जांच

वारदात की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों की टीम मौके पर पहुंची। सुरक्षा व्यवस्था को संभालते हुए पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और मामले की जांच शुरू कर दी। प्रारंभिक जांच में पारिवारिक विवाद को घटना की वजह माना जा रहा है, हालांकि पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है।

अल नीनो एक मौसमी घटना है जो प्रशांत महासागर में समुद्र की सतह के गर्म होने से उत्पन्न होती है। यह आमतौर पर भारतीय मानसून को कमजोर करती है, जिससे बारिश कम होने की आशंका बनी रहती है। दक्षिण-पश्चिम मानसूनी हवाएं कमजोर होने से भयानक सूखा आता है। स्वाभाविक ही खरीफ की फसलों जैसे धान, सोयाबीन, मक्का आदि को भारी नुकसान होता है। इस कारण खाद्यान्न की कमी और इसके साथ सब्जियां, फल आदि महंगे होते हैं। अर्थशास्त्र में इसे खाद्य मुद्रास्फीति का बढ़ना कहा जाता है। हालांकि, हाल के वर्षों में अन्य मौसमी कारकों (जैसे 'इंडियन ओशन डायपोल') की सक्रियता के कारण भारत पर अल नीनो का सीधा और विनाशकारी प्रभाव कम हो गया है। फिर भी हमें इसके दुष्प्रभावों के प्रति सचेत रहना होगा। रासायनिक खाद और कीटनाशकों के उपयोग वाली फसलों को पानी की ज़्यादा आवश्यकता होती है। ऐसी फसलों से बचना होगा और जैविक खाद एवं प्राकृतिक कीटनाशकों के इस्तेमाल पर ध्यान केंद्रित करना होगा। जल संरक्षण, पौधरोपण और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार बनना होगा। *इन्हीं हालातों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

अल नीनो : भारत पर प्रभाव की आशंका कम

विश्लेषण

अवधेश कुमार

वरिष्ठ स्तंभकार

हमारे देश में अल-नीनो प्रभाव की आशंकाएं पैदा हुई है। पश्चिम एशिया तनाव के कारण पहले से ही समस्या है और अल नीनो आ गया तो कृषि पर दोहरी मार पड़ सकती है। मौसम वैज्ञानिक इसका विश्लेषण इस तरह करते हैं कि अल-नीनो से पूरब में ऊपर उठती और पश्चिम में नीचे बैठती हवा की प्रक्रिया से भारत पर निचला दबाव बढ़ता है। इससे बादल नहीं बन पाते, लेकिन जब इसकी दिशा दक्षिण-पूर्व की ओर हो जाए तो भारत पर प्रभाव ज्यादा नहीं होता। वैसे भी वायुमंडल की गर्मी के कारण मौसम की स्थितियां बदल रही हैं और यह कब कहां क्या रूप लेगा इसकी सटीक भविष्यवाणी पहले से ज्यादा कठिन हो गई है, लेकिन इस तरह हवा पानी की धारा में परिवर्तन और उनसे गर्मी और ठंड क्यों उत्पन्न होती है, इसका विश्लेषण कोई नहीं करता।

फिर एक बार हमारे देश में अल-नीनो प्रभाव की आशंकाएं पैदा हुई है। पश्चिम एशिया तनाव के कारण पहले से ही समस्या है और अल नीनो आ गया तो कृषि पर दोहरी मार पड़ सकती है। हालांकि जैसा कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि अभी मौसम विभाग का अंतिम अनुमान नहीं आया है, लेकिन अल नीनो से फसलों पर कोई बुरा असर न पड़े, इसको लेकर पूरी तैयारी की जा रही है। इसके अनुसार हम बीज की व्यवस्था कर रहे हैं। यानी जिस राज्य की जैसी आवश्यकता होगी, जो स्थिति होगी, उनके अनुसार काम किया जाएगा। कृषि मंत्री के आश्वासन से निश्चित रूप से देश को थोड़ी राहत मिली है। किंतु मनुष्य की कोई भी व्यवस्था प्रकृति के प्रकोप के समक्ष कमजोर होती है, इसलिए सबकी कामना होगी कि भारत अल नीनो के नकारात्मक प्रभाव से मुक्त रहे।

पहले समझें कि अल नीनो है क्या? अल नीनो स्पेनिश भाषा का शब्द है जिसका अर्थ है, छोटा बच्चा। इसके अर्थ पर मत जाइए। सामान्य भाषा में कहें तो अल-नीनो प्रशांत महासागर के मध्य और पूर्वी उष्णकटिबंधीय क्षेत्र पर फैली गर्मी के कारण होता है। यानी प्रशांत महासागर के मध्य और पूर्वी भाग या पेरू के निकट समुद्री तट और पानी असामान्य रूप से गर्म हो जाता है। यानि समान तापमान से चार-पांच डिग्री अधिक। यही अल नीनो है।

मौसम प्रणालियों का संतुलन

इस गर्मी से समुद्र में चल रही हवाओं के रास्ते और रफ्तार में बदलाव आता है और विश्व भर की मौसम प्रणालियों का संतुलन बिगड़ जाता है। इससे भारत में मानसून कमजोर होने, कम बारिश और भीषण गर्मी की स्थिति उत्पन्न होती है। हम न भूलें कि वैज्ञानिक को जो कुछ उस दौरान अध्ययनों से दिखाई देता है, केवल उसे सामने लाते हैं। प्रकृति के संपूर्ण रहस्य को न कोई समझ पाया और न समझ सकता है। इसीलिए विश्व में अब नास्तिकों और अनिश्वरवादियों की संख्या कम हो चुकी है। सभी प्राकृतिक घटनाओं के पीछे केवल वैज्ञानिक कारण देखने की जगह अधिकांश ब्रह्मांड के नियंता के प्रभाव के रूप में देखते-समझते हैं। वर्तमान मानव सभ्यता के सच्चे इतिहास को देखते हुए यही दिशा उचित है। अल नीनो कैसे प्रभाव डालता है? वस्तुतः व्यापारिक हवाएं समान्यतः पूर्व से पश्चिम की ओर चलती हैं और गर्म पानी को ऑस्ट्रेलिया और एशिया की तरफ ले जाती रहती है। अल नीनो के समय ये हवाएं या तो कमजोर हो जाती हैं या उल्टी दिशा में बहने के कारण, गर्म पानी वापस अमेरिका और पेरू के तटों की ओर जाती हैं। इस कारण पूर्वी प्रशांत महासागर का तापमान सामान्य से 3 से 4 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ जाता है। प्रशांत महासागर के तापमान से वैश्विक मौसम प्रभावित होता है।

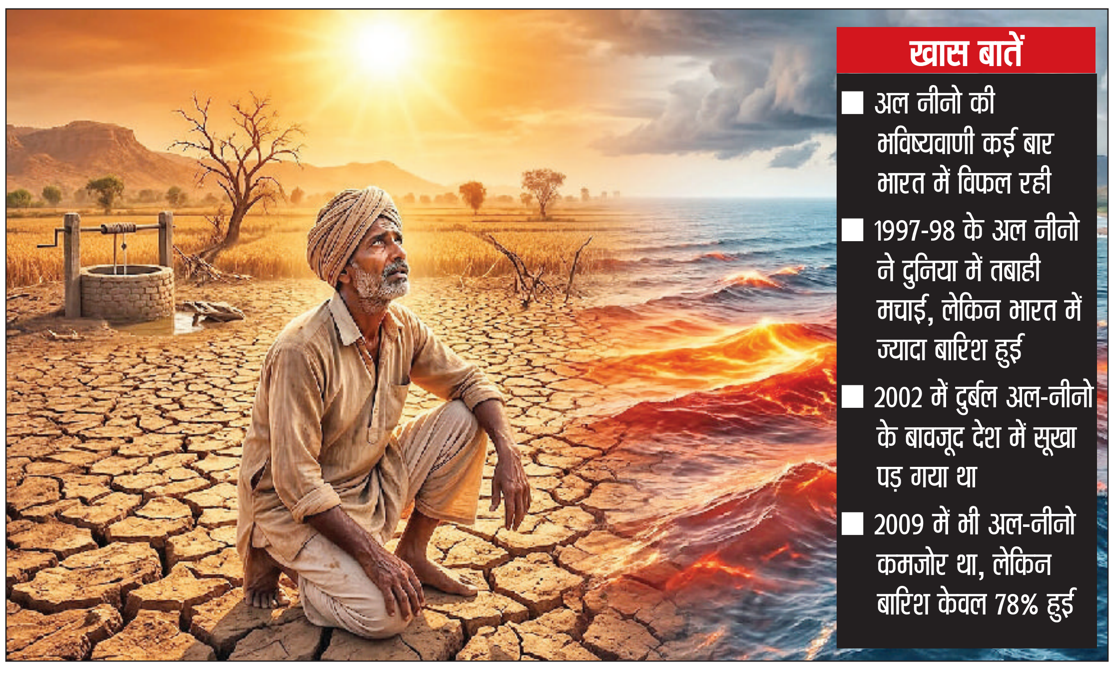

खरीफ फसलों को नुकसान

इससे गर्मी बढ़ने और उसके परिणामस्वरूप कहीं भयंकर सूखा तो कहीं अत्यधिक बारिश और बाढ़ होती है। ऑस्ट्रेलिया, इंडोनेशिया, और भारत सहित दक्षिणी एशिया के कुछ क्षेत्रों में वर्षा कम होती है और सूखे की स्थिति बनती है। दूसरी ओर दक्षिण अमेरिकी क्षेत्र के तटीय इलाके यानी पेरू जैसे देश में अत्यधिक बारिश और बाढ़ जैसी स्थितियां पैदा हो जाती हैं। भारत की दृष्टि से विचार करें तो अल नीनो के कारण दक्षिण-पश्चिम मानसूनी हवाएं कमजोर हो जाने से भयानक सूखा आता है। स्वाभाविक ही खरीफ की फसलों जैसे धान, सोयाबीन, मक्का आदि को भारी नुकसान होता है। इस कारण खाद्यान्न की कमी और इसके साथ सब्जियां, फल आदि महंगे होते हैं। अर्थशास्त्र में इसे खाद्य मुद्रास्फीति का बढ़ना कहा जाता है। गर्मी के समय तापमान बढ़ जाए तो फिर इसकी चपेट में मनुष्य, पशु-पक्षी और वनस्पति सब आते हैं। अल नीनो के विपरीत भी स्थिति होती है जिसे ला नीना कहा जाता है। इसमें प्रशांत महासागर का जल सामान्य से अधिक ठंडा हो जाता है और भारत में जबरदस्त बारिश की स्थिति बनती है। भारत में दक्षिण-पश्चिम मॉनसून ही अर्थव्यवस्था और कृषि का आधार है। 1951 से 2022 के बीच के आंकड़े बताते हैं कि अपवादों को छोड़ अल नीनो वाले वर्षों में बारिश औसत से 60% तक कम हुई।

कई बार विफल रहीं भविष्यवाणी

1871 के बाद से जब-जब भयंकर सूखा पड़ा, अल नीनो उसके साथ जुड़ा था। हालांकि कई बार सशक्त अल नीनो के बावजूद हमारे देश में सामान्य या औसत से अधिक बारिश भी हुई। वास्तव में अल नीनो की भविष्यवाणी कई बार भारत में विफल रही। कम से कम 1997-98, 1983 और 1994 में मजबूत अल-नीनो होने के बावजूद मौसम को लेकर वैज्ञानिकों की भविष्यवाणी सही साबित नहीं हुई। 1997-98 के अल नीनो ने दुनिया भर में तबाही मचाई, लेकिन हमारे यहां मानसून में औसत से ज्यादा बारिश हुई।

मौसम वैज्ञानिक इसका कारण सकारात्मक हिन्द महासागर द्विध्रुव या पॉजिटिव इंडियन ओशन डिपोल आईओडी बताते। इसमें पश्चिमी हिंद महासागर गर्म और पूर्वी भाग ठंडा होता है, तो यह अल-नीनो के नकारात्मक प्रभाव को कम कर देता है। यही हुआ। इसके पहले 1983 में भी अल-नीनो ने विश्व के लिए समस्याएं पैदा की लेकिन भारत में औसत से अधिक बारिश हुई। यही स्थिति 1994 और 2006 में हुई। हालांकि 2006 में अल-नीनो काफी दुर्बल था। इस मामले में भी विपरीत स्थितियां हुई। उदाहरण के लिए 2002 में दुर्बल अल-नीनो के बावजूद सूखा पड़ गया। 2009 में भी अल-नीनो कमजोर था, लेकिन बारिश केवल 78% हुई और सूखा पड़ा।

हमें रहना होगा अलर्ट

कारण वही, जिसकी हमने ऊपर चर्चा की। यानी प्रशांत महासागर का पूर्वी हिस्सा ठंडा होने और अन्य मौसमी स्थितियों ने मानसून को ताकत दी। पिछले सात दशकों में 17 प्रमुख अल-नीनो में से 5 में भारत में सामान्य या सामान्य से अधिक वर्षा हुई। सभी अल नीनो में सूखे की भविष्यवाणी की गई थी। मौसम वैज्ञानिक कहते हैं कि अल-नीनो से पूरब में ऊपर उठती और पश्चिम में नीचे बैठती हवा की प्रक्रिया से भारत पर निचला दबाव बढ़ता है। इससे बादल नहीं बन पाते, लेकिन जब इसकी दिशा दक्षिण-पूर्व की ओर हो जाए तो भारत पर प्रभाव ज्यादा नहीं होता। हमारे सामने अल नीनो के बीच सामान्य बारिश होने और बेहतर फसल का रिकॉर्ड है तो कुछ सूखे का भी। सूखे का रिकॉर्ड हमारा कम है। बावजूद निश्चयात्मक रूप से नहीं कह सकते कि अल नीनो आया तो क्या होगा? सरकार के साथ सेवा क्षेत्र में काम करने वाले संगठन समूह भी अपनी तैयारी रखें।

ड्रिप और स्प्रिंकलर जैसी सिंचाई व्यवस्था जरूरी

चुनौती

उमेश चतुर्वेदी

स्वतंत्र पत्रकार

साल 2026 में प्रशांत महासागर में सक्रिय 'अल नीनो' का साया भारत के कृषि क्षेत्र के लिए बड़ी चुनौती बनकर उभर रहा है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने अपने संशोधित पूर्वानुमान के अनुसार, इस वर्ष मानसून सामान्य से कम रहने की आशंका जताई है। नए पूर्वानुमान के अनुसार, इस साल औसत से करीब दस फ़ीसद कम बारिश होने की आशंका है। भारत में, जहां कृषि अभी- भी काफी हद तक मानसून पर निर्भर है, उसके लिए मानसूनी बारिश की कमी और भीषण सूखा एक तरह से विपत्ति का ही द्योतक है। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि सिंचाई का भी प्रबंधन किया जाए। भारत की करीब साठ प्रतिशत आबादी अब भी सीधे तौर पर खेती-किसानी पर निर्भर है। सूखे की मार की वजह से इस बड़ी आबादी के सामने सहज तरीके से रोजी-रोटी का संकट उठ खड़ा होगा। इससे बचाव के लिए जरूरी होगा कि सिंचाई के ऐसे साधनों और तकनीक को अपनाया जाए, जिनके ज़रिए पानी को बचाया जा सके और तुलनात्मक रूप से ज़्यादा पैदावार ली जा सके।

भारत में भूजल का पुनर्भरण यानी रिचार्ज कम

अल नीनो का दूसरा अर्थ है, कम वर्षा और भीषण सूखा। इस परिस्थिति में भारत में सिंचाई साधनों की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है, जिनसे न केवल फसलों का बचाव हो सके, बल्कि खाद्य सुरक्षा को भी सुनिश्चित किया जा सके। जहां तक भारत में सिंचाई व्यवस्था की बात है, तो मुख्य रूप से यह भूजल और सतही जल यानी नहरों और तालाबों पर आधारित है। चूंकि इस साल अल नीनो के कारण कम बारिश होने की आशंका है, इसलिए इन साधनों पर दबाव बढ़ना स्वाभाविक है। वर्षा की कमी के कारण भूजल का पुनर्भरण यानी रिचार्ज कम होता है, जिससे भूजल स्तर और नीचे चला जाता है। वैसे भी उत्तर भारत के कई हिस्सों में पहले से ही भूजल स्तर काफ़ी नीचे चला गया है। इसलिए सूखे की स्थिति विशेषकर उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत के लिए बहुत खतरनाक है। अल नीनो के चलते इस साल वर्षों पहले बने बांधों और जलाशयों में पानी का भंडारण सामान्य से कम होने की आशंका है। इस पानी का इस्तेमाल ज्यादातर रबी फसलों के लिए होता है।

जहां तक भारत में सिंचाई व्यवस्था की बात है, तो मुख्य रूप से यह भूजल और सतही जल यानी नहरों और तालाबों पर आधारित है। चूंकि इस साल अल नीनो के कारण कम बारिश होने की आशंका है, इसलिए इन साधनों पर दबाव बढ़ना स्वाभाविक है।

पैदावार पर बुरा असर पड़ना तय

जब पानी कम होगा तो रबी फसलों की सिंचाई के लिए कम उपलब्ध होगा। अल नीनो के कारण देश के ज्यादातर हिस्सों के सूखे की चपेट में आना स्वाभाविक है। इसकी वजह से पैदावार पर बुरा असर पड़ना तय है। इससे फसलों की बुवाई में देरी हो सकती है और फसलों की बुआई के लिए अतिरिक्त सिंचाई की आवश्यकता पड़ेगी। इसके लिए भूजल की आवश्यकता होगी और उसे चूंकि ट्यूबवेल से निकाला जाएगा, लिहाजा बिजली की मांग बढ़ेगी। इसके लिए सिंचाई के दृष्टिकोण में बदलाव की आवश्यकता है। इसके लिए जरूरी हो जाता है कि किसानों को कम पानी की जरूरत वाली फसलों, जैसे बाजरा, मूँग, अरहर, मक्का आदि को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। इसे कृषि और किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इस उपाय को अपनाने की बात भी की है। सरकार की ओर से इस संबंध में किसानों को तैयार भी किया जा रहा है। इसके तहत मिट्टी की नमी बनाए रखने के लिए पौधों की जड़ों के आसपास सूखी पत्तियों या प्लास्टिक की शीट की परत बिछाने का सुझाव दिया जा रहा है। कृषि वैज्ञानिकों के अनुसार, देशी पौधों को आमतौर पर बढ़ने के लिए कम पानी की आवश्यकता होती है या वे अन्य प्रकार की घासों, पेड़ों और झाड़ियों की तुलना में उपलब्ध पानी का बेहतर उपयोग कर सकते हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि किसान और बागवानी करने वाले लोग अपने बगीचों या यहां तक कि अपने व्यवसायों के सामने भी पत्थरों या अन्य प्रकार के भू-आवरण का उपयोग करके रचनात्मक तरीके से पानी को बचा सकते हैं ।

रासायनिक खाद के उपयोग वाली फसलों से बचें

कृषि वैज्ञानिकों के अनुसार शुष्क बागवानी के मूल सिद्धांत हैं कि पौधों की आवश्यकता के अनुसार ही पानी का उपयोग किया जाए और ऐसी बागवानी डिजाइन और पौधों का चयन किया जाए जो उपलब्ध वर्षा जल का उपयोग कर सकें। इसके साथ ही ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई व्यवस्था को भी अपनाने के लिए किसानों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। इससे पानी की खपत को कम किया जा सकता है। इसके साथ ही खेत के तालाबों और जल संचयन को प्राथमिकता दी जानी चाहिए, जो सूखे की हालत में सिंचाई की सुविधा प्रदान कर सकते हैं। किसानों को जरूरत के हिसाब से खेत के उन क्षेत्रों में सिंचाई किया जाना होगा, जिसे पानी की जरूरत ज़्यादा हो। रासायनिक खाद और कीटनाशकों के उपयोग वाली फसलों को पानी की ज़्यादा आवश्यकता होती है। ऐसी फसलों से बचना होगा और जैविक खाद एवं प्राकृतिक कीटनाशकों के इस्तेमाल पर ध्यान केंद्रित करना होगा।

जलसंरक्षण और पौधरोपण पर दें ध्यान

व्यवस्था

विवेक शुक्ला

वरिष्ठ पत्रकार

कल्पना कीजिए, मानसून आया ही नहीं। खेत सूखे पड़े हैं, किसान चिंतित हैं और बाजार में सब्जियों-अनाज के दाम आसमान छू रहे हैं। यह कोई फिल्मी सीन नहीं, बल्कि अल नीनो के दौरान भारत में कई बार हो चुकी सच्चाई है। अल नीनो एक प्राकृतिक घटना है। इसमें प्रशांत महासागर के मध्य और पूर्वी हिस्से में समुद्र का पानी अचानक गर्म हो जाता है। भारत में इसका सबसे ज्यादा असर दक्षिण-पश्चिम मानसून पर पड़ता है। बारिश कम होती है, सूखा पड़ता है, फसलें बर्बाद होती हैं और गर्मी और बढ़ जाती है। 2015-16 में जब मजबूत अल नीनो आया था, तब देश के कई राज्यों में भारी सूखा पड़ा। किसानों की फसलें सूख गईं, पानी की किल्लत हुई और खाद्य सुरक्षा पर संकट आ गया। अब जलवायु परिवर्तन के कारण अल नीनो और भी ताकतवर हो सकता है। ऐसे में सवाल यह है कि इसके असर को कैसे कम किया जाए?

चेतावनी पहले, नुकसान बाद में

सबसे जरूरी है सही समय पर चेतावनी मिलना। भारतीय मौसम विभाग अमेरिका के राष्ट्रीय समुद्री एवं वायुमंडलीय प्रशासन के साथ मिलकर अल नीनो की निगरानी करता है। सैटेलाइट, समुद्र में लगे बुओय और कंप्यूटर मॉडल की मदद से कई महीने पहले पता चल जाता है कि अल नीनो आ रहा है या नहीं। बुओय समुद्र में तैरने वाला एक विशेष उपकरण होता है। यह एक प्रकार की 'तैरती निगरानी मशीन' है जो महासागर के बीच में लगाई जाती है। अगर किसान को पहले पता चल जाए कि इस साल बारिश कम होगी, तो वह अपनी फसल की योजना बदल सकता है।

भारत में आधी से ज्यादा आबादी अभी भी खेती पर निर्भर है। इसलिए कृषि को अल नीनो की मार से बचाना सबसे बड़ा चुनौती है। किसान सूखा सहन करने वाली फसलें बो सकते हैं। जैसे बाजरा, रागी, ज्वार और कुछ खास किस्मों के चावल व गेहूं। एक ही फसल पर निर्भर रहने की बजाय कई तरह की फसलें उगानी चाहिए। ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई से पानी की बचत 40 से 60 प्रतिशत तक हो सकती है। खेतों में वर्षा जल संचयन, चेक डैम और फार्म पॉन्ड बनाकर पानी को रोकना और भूजल बढ़ाना चाहिए। अल नीनो सूखे का सबसे बड़ा कारण बनता है। इसलिए जल प्रबंधन को लेकर अब गंभीर कदम उठाने पड़ेंगे। नदियों के पूरे क्षेत्र में पानी का बेहतर प्रबंधन, भूजल का संरक्षण और गंदे पानी का दोबारा इस्तेमाल जरूरी है। शहरों में वर्षा जल संचयन को कानून से अनिवार्य बनाना चाहिए। वन और पर्यावरण विशेषज्ञों का कहना है कि पेड़ लगाना अल नीनो से लड़ने का सबसे सस्ता और असरदार तरीका है। पेड़ हवा में नमी बढ़ाते हैं, स्थानीय बारिश को बढ़ावा देते हैं और मिट्टी को कटने से बचाते हैं।

किसान सूखा सहन करने वाली फसलें बो सकते हैं। जैसे बाजरा, रागी, ज्वार और कुछ खास किस्मों के चावल व गेहूं। एक ही फसल पर निर्भर रहने की बजाय कई तरह की फसलें उगानी चाहिए। इसके अतिरिक्त, ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई से पानी की बचत 40 से 60 प्रतिशत तक हो सकती है।

आपदा से पहले तैयारी जरूरी

अल नीनो सिर्फ सूखा नहीं लाता, बल्कि कभी-कभी भारी बारिश, बाढ़, जंगल की आग और बीमारियां (मलेरिया, डेंगू) भी बढ़ा देता है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण को और मजबूत बनाने की जरूरत है। गांव-गांव में समुदाय आधारित प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली होनी चाहिए। हर गांव में सूखा प्रबंधन योजना, फसल बीमा और आपात अनाज भंडारण तैयार रखना चाहिए। सरकार को लंबी अवधि की नीतियां बनानी होंगी। कृषि, जल संसाधन और विज्ञान मंत्रालयों के बीच बेहतर तालमेल जरूरी है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) और विश्व मौसम संगठन (डब्ल्यूएमओ) जैसे मंचों पर सहयोग बढ़ाना चाहिए।विकसित देशों से बेहतर तकनीक और फंडिंग भी लानी होगी। छोटे किसानों को सब्सिडी, सस्ता कर्ज और प्रशिक्षण देना जरूरी है। मनरेगा को जल संरक्षण के कामों से जोड़ें। महिलाओं और आदिवासी समुदायों को खास ध्यान देने की जरूरत है, क्योंकि वे सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, बिग डेटा और स्मार्ट सेंसर वाली खेती भविष्य की राह हो सकती है।

पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार बनें

अल नीनो को पूरी तरह रोका नहीं जा सकता, लेकिन इसके असर को निश्चित रूप से कम किया जा सकता है। एक बात जाने लें कि हर नागरिक को पानी बचाने, पेड़ लगाने और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार बनना होगा। अगर आज हम सही कदम उठाएंगे, तो कल हमारे बच्चे अल नीनो जैसी चुनौतियों से कम डरेंगे।

आधुनिक कृषि तकनीकों से बढ़ेगी पैदावार

उत्पादन

सुशील देव

स्वतंत्र पत्रकार

भीषण गर्मी के लंबे दौर के बाद देश के कुछ हिस्सों में भले ही छिटपुट बारिश शुरू हो गई हो, लेकिन लगातार बढ़ते तापमान ने कृषि क्षेत्र की चिंताओं को कम नहीं किया है। कई राज्यों में जमीन की नमी तेजी से घट रही है और कुछ क्षेत्रों में सूखे जैसी परिस्थितियां बनने लगी हैं। मौसम वैज्ञानिकों का मानना है कि यदि यही स्थिति आगे भी बनी रही, तो इसका सीधा असर खेती-किसानी, जल संसाधनों और प्राकृतिक हरियाली पर पड़ सकता है। भारत भी इससे अछूता नहीं रहता। यहां अल नीनो का संबंध अक्सर कमजोर मानसून और कम वर्षा से जोड़ा जाता है। यही वजह है कि जब भी अल नीनो सक्रिय होता है, किसानों और कृषि विशेषज्ञों की चिंता बढ़ जाती है। भारत एक कृषि प्रधान देश है, जहां आज भी करोड़ों लोगों की आजीविका खेती पर निर्भर है। हालांकि सिंचाई सुविधाओं का विस्तार हुआ है, लेकिन देश का एक बड़ा कृषि क्षेत्र अब भी मानसून की बारिश पर ही निर्भर है।

अच्छी बरसात पर निर्भर फसलें

ऐसे में मानसून का सामान्य रहना किसानों के लिए जीवन-रेखा के समान है। यदि समय पर पर्याप्त वर्षा हो जाए तो फसलों की पैदावार अच्छी होती है, लेकिन बारिश कम होने पर उत्पादन प्रभावित होना तय है। भारत में सामान्य रूप से जून से सितंबर के बीच दक्षिण-पश्चिम मानसून सक्रिय रहता है और इसी अवधि में देश की अधिकांश वार्षिक वर्षा होती है। धान, मक्का, सोयाबीन, कपास, गन्ना और विभिन्न प्रकार की दालें जैसी प्रमुख फसलें मानसूनी बारिश पर काफी हद तक निर्भर करती हैं। यदि मानसून कमजोर पड़ जाए या बारिश का वितरण असमान हो, तो फसलों की वृद्धि प्रभावित होती है और उत्पादन में गिरावट आने लगती है। इसका सीधा असर किसानों की आय पर पड़ता है। अल नीनो को आसान भाषा में समझें तो मान लीजिए आपके घर में एक बड़ा पानी का टैंक है। यदि उसका पानी अचानक सामान्य से अधिक गर्म हो जाए, तो उसके आसपास का वातावरण भी प्रभावित होने लगेगा। ठीक इसी तरह जब समुद्र का पानी गर्म होता है, तो हवा, बादलों और वर्षा के तौर-तरीके में बदलाव आने लगता है।

फलस्वरूप, कई क्षेत्रों में बारिश कम हो जाती है और तापमान बढ़ जाता है। यही स्थिति मानसून को कमजोर कर सकती है। इसका प्रभाव केवल खेतों तक सीमित नहीं रहता। यदि किसी क्षेत्र में सामान्य वर्षों की तुलना में कम बारिश होती है, तो मिट्टी में नमी की कमी हो जाती है। किसानों को बुवाई में देरी करनी पड़ सकती है या कई बार दोबारा बुवाई करनी पड़ती है। इससे उनकी लागत बढ़ती है और जोखिम भी। जलाशयों, तालाबों और भूजल स्तर पर भी इसका असर दिखाई देता है।

कृषि उत्पादन में कमी

कई इलाकों में पशुपालन और पेयजल व्यवस्था तक प्रभावित हो सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि अल नीनो वाले वर्षों में कृषि उत्पादन में कमी आने की आशंका बढ़ जाती है। जब पैदावार घटती है तो खाद्यान्न की उपलब्धता भी प्रभावित होती है। इसका असर बाजार पर पड़ता है और खाद्य वस्तुओं की कीमतें बढ़ने लगती हैं। महंगाई बढ़ने से आम उपभोक्ता प्रभावित होते हैं, जबकि गरीब और ग्रामीण परिवारों पर इसका प्रभाव अपेक्षाकृत अधिक पड़ता है। इस प्रकार अल-नीनो का असर केवल किसानों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरी अर्थव्यवस्था और समाज पर दिखाई देता है। हालांकि राहत की बात यह है कि मौसम विज्ञान और जलवायु विज्ञान के क्षेत्र में भारत ने पिछले कुछ वर्षों में उल्लेखनीय प्रगति की है। आज वैज्ञानिक और मौसम विभाग अल-नीनो की संभावित स्थिति का पहले से अनुमान लगाने में काफी हद तक सक्षम हैं। इससे सरकारों, कृषि विभागों और किसानों को आवश्यक तैयारियां करने का अवसर मिलता है। निस्संदेह भारत की कृषि व्यवस्था आज भी मानसून पर काफी हद तक निर्भर है।

मौसम और जलवायु विज्ञान के क्षेत्र में भारत ने पिछले कुछ वर्षों में उल्लेखनीय प्रगति की है। आज वैज्ञानिक और मौसम विभाग अल-नीनो की संभावित स्थिति का पहले से अनुमान लगाने में काफी हद तक सक्षम हैं। निस्संदेह भारत की कृषि व्यवस्था आज भी मानसून पर काफी हद तक निर्भर है।

वैकल्पिक संसाधनों का विकास

यदि इस वर्ष अल-नीनो का प्रभाव अपेक्षा से अधिक रहा, तो कृषि उत्पादन पर इसका असर दिखाई दे सकता है। इसलिए समय की मांग है कि हम केवल अच्छी बारिश की प्रतीक्षा करने के बजाय जल प्रबंधन, आधुनिक कृषि तकनीकों और वैकल्पिक संसाधनों के विकास पर गंभीरता से काम करें।

चूरू में तेज आंधी का कहर

70 की रफ्तार से चली हवाएं, रेत से आसमान पीले रंग में रंग गया

एजेंसी

राजस्थान के चूरू जिले में शनिवार दोपहर अचानक मौसम ने करवट ले ली है। चूरू शहर के साथ-साथ तारानगर क्षेत्र और मेहरी गांव समेत आसपास के इलाकों में तेज हवाओं के साथ धूल का गुबार छा गया। हवा की रफ्तार बने कुछ ही देर में आसमान धूल की परत से ढंक गया। कई स्थानों पर धूल घरों और दुकानों के भीतर तक पहुंच गई। लोगों को कुछ समय के लिए आवाजाही में भी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

कई जिलों में दिन के समय भी अंधेरा हो गया

श्रीगंगानगर, बीकानेर और सीकर जिलों में धूल और रेत का जबरदस्त बवंडर देखने को मिला। आसमान में धूल छाने से दिन के समय भी अंधेरा महसूस हुआ। सड़कों पर चल रहे वाहनों को हेडलाइट का सहारा लेना पड़। बवंडर के चलते जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया।

ओलावृष्टि और बिजली गिरने की संभावना

मौसम विभाग के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से बीकानेर, जयपुर, अजमेर, भरतपुर, कोटा, जोधपुर और उदयपुर संभाग के कुछ क्षेत्रों में तेज आंधी चलने की आशंका है। इसके अलावा कुछ इलाकों में गरज-चमक, ओलावृष्टि और आकाशीय बिजली गिरने की भी संभावना व्यक्त की है।

उधर, नोएडा में धूल भरी आंधी, दिल्ली-हरियाणा में झमाझम

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में भीषण गर्मी के बीच शनिवार दोपहर को मौसम का मिजाज बदल गया। हरियाणा के सोनीपत और गुरुग्राम में तेज हवा के साथ बारिश शुरू हो गई। बताया गया कि दोपहर को आसमान में बादल छाए और धूल भरी आंधी के साथ बारिश शुरू हो गई। बारिश से तापमान में गिरावट आई है। लोगों को गर्मी से राहत मिली। राजधानी दिल्ली और नोएडा में भी बारिश शुरू हो गई है।

खबर संक्षेप

परभणी में निजी बस व बाइक की टक्कर, 4 मरे

मुंबई। महाराष्ट्र के परभणी जिले में एक निजी बस और बाइक की टक्कर हो जाने से दोपहिया वाहन पर सवार चार लोगों की मौत हो गई। पुलिस अधिकारी ने बताया मानवथ कस्बे के पास शुक्रवार रात हुए हादसे के बाद गुस्साई भीड़ ने निजी बस में तोड़फोड़ की। पुणे जा रही बस सामने से आ रही बाइक से टकराई।

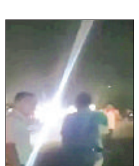

हाइवे पर ट्रक ने गाड़ी को 500 मीटर घसीटा

भुवनेश्वर। भुवनेश्वर में कटक हाइवे से एक रोंगटे खड़े कर देने वाला दृश्य सामने आया है। यहां भुवनेश्वर से कटक की ओर जा रहे एक ट्रक ने कार को टक्कर मारी और फिर उसे करीब 500 मीटर तक सड़क पर घसीटता ले गया। हाईटेक चौराहे के पास हुई इस घटना से अफरा तफरी मच गई। कार में लोग सवार थे जो बाल बाल बच गए।

आम, लीची, लड्डू लेकर सिंगापुर पहुंचे लालू

नई दिल्ली। राजद के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव सिंगापुर पहुंच गए हैं। एयरपोर्ट पर उन्हें बेटी रोहिणी आचार्या ने रिसीव किया। अपने पिता से मिलते ही वह उनसे गले लग गईं। लालू अपनी बेटी के लिए घर से आम, लीची, लड्डू समेत अन्य चीजें लेकर पहुंचे। महीनों बाद अपने पिता से मिलने पर रोहिणी आचार्या भावुक हो गईं।

गोवा स्थापना दिवस पर देशभर से शुभकामनाएं

पणजी। गोवा राज्य स्थापना दिवस पर केंद्रीय मंत्रियों और प्रमुख भाजपा नेताओं ने राज्यवासियों को शुभकामनाएं दीं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा समेत कई केंद्रीय मंत्रियों ने 'एक्स' पर विरासत की सराहना की।

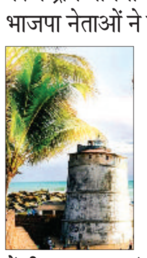

कार में जले मिले 4 शव बेटे ने ही की हत्या

अजमेर। अजमेर जिले के बोराड़ा में स्कॉर्पियो में 4 लोगों के जले हुए शव मिलने का मामला पारिवारिक हत्याकांड के रूप में सामने आया है। पुलिस ने साक्ष्यों के आधार पर कुछ ही घंटों में मामले का खुलासा कर दिया। मृतक पूर्व सरपंच रामसिंह चौधरी के 17 वर्षीय बेटे ने मां और बहन के साथ अंजाम दिया था।

आरोप...अब सीयूईटी को लेकर राहुल ने प्रधानमंत्री पर कसा तंज

दावे विश्वगुरु के, एक भी परीक्षा ईमानदारी से नहीं करा सकते, किसे 'बचाया' जा रहा?

नीट, सीबीएसई समेत कई परीक्षाओं में लापरवाही की गई

एजेंसी नई दिल्ली

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर देश की शिक्षा व्यवस्था को पूरी तरह बर्बाद करने का आरोप लगाया है। उन्होंने शनिवार को एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि विश्वगुरु बनने के बड़े-बड़े दावे करने वाली सरकार एक भी परीक्षा को ठीक से आयोजित कराने में सक्षम नहीं है। राहुल की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है, जब नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने बताया कि शनिवार को देश भर के स्नातक डिग्री कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए आयोजित सीयूईटी-यूजी 2026 परीक्षा कुछ केंद्रों पर तकनीकी खराबी के कारण देरी से शुरू हुई। राहुल ने 'एक्स' पर कहा, नीट, सीबीएसई, एसएससी और आज सीयूईटी। 4 परीक्षाएं। एक भी ईमानदारी से नहीं हो पाई। उन्होंने कहा कि देश के अंदर एक भी परीक्षा ढंग से आयोजित नहीं हो पा रही है। वहीं, 'विश्वगुरु' बनने के दावे किए जा रहे हैं।

देश के अंदर एक भी परीक्षा ढंग से नहीं हुई

प्रधानमंत्री पर निशाना साधा

उन्होंने प्रधानमंत्री पर निशाना साधा। राहुल ने कहा कि पीएम मोदी ने पूरी शिक्षा व्यवस्था को तबाह कर दिया है।जिस पीढ़ी का भविष्य आप बर्बाद कर रहे हैं, वही पीढ़ी आपका हिसाब करेगी। राहुल ने शुक्रवार को यह भी कहा था कि सीबीएसई की परीक्षा में हुई गड़बड़ी पर प्रधानमंत्री का मौन और शिक्षा मंत्री के खिलाफ कोई कार्रवाई न होना, यह दर्शाता है कि उन्हें केवल अपनी सरकार बचाने की चिंता है, न कि लाखों छात्रों के भविष्य की।

वे किसे बचा रहे हैं, और क्यों? न्यायिक जांच की जाए

राहुल ने एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए सार्थक के दावों का जिक्र किया और मामले में स्वतंत्र न्यायिक जांच की मांग की। छात्र सार्थक सिद्धांत ने अपने ब्लॉग में दावा किया है कि सीबीएसई ने चयन प्रक्रिया के दौरान नियमों में बदलाव कर सीओईएमपीटी को फायदा पहुंचाया। सार्थक ने कथित तौर पर सीबीएसई के आधिकारिक दस्तावेजों का हवाला दिया है।

परीक्षाएं कराने में विफल रही सरकार

राहुल ने आरोप लगाया कि सरकार नीट, सीबीएसई, एसएससी और सीईयूटी से जुड़े विवादों का हवाला देते हुए बड़ी राष्ट्रीय परीक्षाओं को निष्पक्ष और कुशलता से आयोजित करने में विफल रही है। मोदी जी ने पूरी शिक्षा व्यवस्था को पूरी तरह बर्बाद कर दिया है। जिस पीढ़ी का भविष्य आप तबाह कर रहे हैं।

राहुल के तंज पर भड़की भाजपा

राहुल गलत बयानबाजी कर रहे

राहुल गांधी के बयान के बाद भाजपा ने उन पर जमकर हमला बोला। पार्टी का कहना है कि विपक्ष के नेता ने जिम्मेदारी दिखाने के बजाय सनसनी फैलाने का रास्ता चुना है। भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया कि राहुल तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश कर रहे हैं और छात्रों के गंभीर मुद्दे पर राजनीति कर रहे हैं।

ऐसे बयान गैरजिम्मेदाराना: शेखावत

केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने राहुल के बयान को 'बेतुका' करार दिया। उन्होंने एक्स पर लिखा, उनके बयान दिखाते हैं कि वे युवाओं से जुड़े संवेदनशील मुद्दों को कितनी गैर-जिम्मेदारी से देखते हैं।

इसलिए गंभीरता से नहीं लिया जाता: मालवीय

भाजपा नेता अमित मालवीय ने भी राहुल पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यह कहना कि प्रधानमंत्री ने नीट पेपर लीक की व्यक्तिगत निगरानी की, पूरी तरह बेतुका, चौंकाने वाला और तर्क से परे है। मालवीय ने कहा कि राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर राहुल को गंभीरता से न लिए जाने की यही वजह है।

इश्यू को न पढ़ पा रहे न समझ: सुधांशु

भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि राहुल की समस्या है कि पहले वह 'इश्यू' को समझ नहीं पाते थे और अब 'इश्यू' शब्द पढ़ भी नहीं पा रहे हैं। त्रिवेदी ने एक्स पर लिखा, राहुल गांधी सिर्फ 'पेपर लीक' पढ़ते हैं, 'इश्यू' शब्द नहीं पढ़ते। इससे साफ है कि वे बिना पूरी बात समझे बयान दे रहे हैं।

कर्नाटक में नई सरकार जल्द बनेगी

शिवकुमार बने विधायक दल के नेता, 3 जून को लेंगे शपथ

एजेंसी बेंगलुरु

बेंगलूरू के विधानसधा में कांग्रेस विधायक दल की बैठक संपन्न हो गई, जिसमें उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार को विधायक दल का नेता चुन लिया गया। कर्नाटक कांग्रेस के मुताबिक निवर्तमान मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने पहला प्रस्ताव रखा। इस प्रस्ताव का समर्थन डॉ. जी. परमेश्वर ने किया। बैठक में इसे सर्वसम्मति से पारित कर दिया गया। नई सरकार के गठन को लेकर जारी राजनीतिक गतिविधियों के बीच कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल और पार्टी के कर्नाटक प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला भी मौजूद रहे।

शिवकुमार ही होंगे अगले मुख्यमंत्री: कांग्रेस

कांग्रेस नेता सतीश जारकीहोली ने स्पष्ट कहा है कि शिवकुमार ही राज्य के अगले मुख्यमंत्री होंगे। सिद्धारमैया के इस्तीफे के बाद इस बात को लेकर कोई संदेह नहीं रह गया है। हाईकमान ने फैसला कर लिया है कि शिवकुमार हमारे अगले मुख्यमंत्री होंगे। इसकी घोषणा पहले ही हो चुकी है। सिद्धारमैया भी इसका ऐलान कर चुके हैं। हमें उम्मीद है कि सिद्धारमैया सरकार के दौरान हुए अच्छे काम आगे भी जारी रहेंगे। यह एक बड़ी जिम्मेदारी है और हमारे नए मुख्यमंत्री इसे निभाएंगे।

राज्यपाल से मिले शिवकुमार

शिवकुमार शनिवार को राज्यपाल थावरचंद गहलोत से मुलाकात के बाद अपने आवास लौट आए। उन्होंने दिन में लोक भवन पहुंचकर राज्यपाल से भेंट की थी। यह मुलाकात नई सरकार के गठन और शपथ ग्रहण पर आधारित थी।

उप मुख्यमंत्री पद को लेकर दलित और लिंगायत समुदाय ने बनाया दबाव

नई सरकार में कितने उपमुख्यमंत्री होंगे, इस पर राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। दलित समुदाय के नेताओं ने शनिवार को केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर विरोध प्रदर्शन किया और मांग की कि पूर्व मंत्री केएच मुनियप्पा को राज्य का उपमुख्यमंत्री नियुक्त किया जाए। मदारा महासभा और विभिन्न दलित संगठनों के नेताओं ने पोस्टर लेकर कांग्रेस नेतृत्व से मुनियप्पा को उपमुख्यमंत्री पद देने का आग्रह किया।

सुप्रीम कोर्ट की 9 जजों की पीठ सुनाएगी फैसला

धार्मिक अधिकारों और समानता का मामला

दूसरे धर्म में शादी करने वाली पारसी महिला को मंदिर जाने से ही रोका

एजेंसी नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने एक पारसी महिला के साथ कथित धार्मिक भेदभाव के मामले में कहा है कि वह इस मुद्दे पर फैसला देने से पहले 9 जजों की संविधान पीठ के निर्णय का इंतजार करेगा। मामला उस पारसी महिला से जुड़ा है जिसने दूसरे धर्म के व्यक्ति से शादी की, लेकिन अपना धर्म नहीं बदला। उसे नागपुर के अग्नि मंदिर में प्रवेश से रोक दिया गया। कोर्ट ने कहा कि यह मामला महिलाओं के धार्मिक अधिकारों और समानता से जुड़ा बड़ा संवैधानिक सवाल है।

सीजेआई की बेंच करेगी सुनवाई

पीठ में मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली शामिल थे। अदालत दीना बुधराजा की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। दीना ने एक हिंदू व्यक्ति से विवाह किया था, लेकिन उन्होंने पारसी धर्म नहीं छोड़ा। महिला ने कहा धार्मिक कार्यक्रमों और प्रार्थनाओं में शामिल होने की अनुमति दी जाए। नागपुर पारसी पंचायत का संविधान छूट नहीं देता है।

जरांगे ने शुरू की अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल

मुंबई। मराठा आरक्षण आंदोलन के नेता मनोज जरांगे पाटिल ने शनिवार को जालना जिले में भीषण गर्मी के बीच अपना नौवां अनिश्चितकालीन अनशन शुरू कर दिया। मुंबई से 400 किमी दूर स्थित अंतरवाली सराटी गांव में खुले मैदान में अनशन शुरू किया।मराठा आरक्षण मंत्रिमंडलीय उप-समिति अध्यक्ष-मंत्री ने मनाने की कोशिश की।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश ने कहा

मतदाता सूची में पात्र ही लोग, एसआईआर सुप्रीम कोर्ट की जांच में भी खरा उतरा

केवल अपात्रों को हटाया जा रहा

एजेंसी नई दिल्ली

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने शनिवार को कहा कि भारत के ऐसे सभी नागरिकों को मतदाता सूची में शामिल किया जा रहा है, जिनकी आयु 18 वर्ष पूरी हो चुकी है। जो लोग पात्र नहीं हैं उनके नाम व्यवस्थित रूप से हटाए जा रहे हैं। इनमें मृत, दोहराए गए नाम वाले, अनुपस्थित, स्थानांतरित और विदेशी मतदाता शामिल हैं। वे केंद्रीय निर्वाचन आयोग का प्रतिनिधित्व करने वाले वकीलों के दूसरे राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

एसआईआर में 11 लाख अधिकारी तैनात

उन्होंने कहा कि इस कार्य को 11 लाख से अधिक बूथ-स्तर के अधिकारी, सहायक निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी और अन्य अधिकारी पूरा कर रहे हैं। ये राज्य सरकारों के कर्मचारी हैं, जिन्हें प्रतिनियुक्ति पर लगाया गया है। सभी दुनिया की सबसे सटीक मतदाता सूचियों में से एक तैयार करने के लिए काम कर रहे हैं।

राबड़ी के आवास पहुंची पटना पुलिस

फोर्स बुला लो, बंगला खाली नहीं करेंगे, जो चाहे कर लो

एजेंसी पटना

बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के पटना स्थित आवास पर पुलिस पहुंच गई है। सरकार से नोटिस मिलने के बाद शनिवार को हुई राबड़ी ने कहा था कि वह बंगला खाली नहीं करेंगी। उन्होंने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को फोर्स बुलाकर आवास खाली कराने की खुली चुनौती भी दी। इसके कुछ घंटे बाद ही पटना पुलिस की टीम 10 सर्कुलर रोड स्थित राबड़ी देवी के आवास पर पहुंच गई। इससे बिहार का सियासी पारा गरमा गया है। बिहार विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष राबड़ी देवी को राज्य सरकार ने 39 हार्डिंग रोड स्थित नया सरकारी आवास आवंटित किया है। उन्हें कई बार 10 सर्कुलर रोड बंगला खाली करने का नोटिस दिया जा चुका है, जिसमें आरजेडी के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव का परिवार दो दशक से रह रहा है। चौधरी ने उनकी चुनौती को स्वीकार कर लिया है।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री चौहान ने घोषणा की

देशभर में आज से पूरे माह चलेगा 'खेत बचाओ अभियान'

इस दौरान संतुलित उर्वरक उपयोग पर रहेगा विशेष जोर

एजेंसी नई दिल्ली

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने घोषणा की है कि 1 जून से 30 जून तक पूरे देश में 'खेत बचाओ अभियान' चलाया जाएगा। इसका उद्देश्य किसानों को संतुलित उर्वरक उपयोग, मिट्टी संरक्षण, मौसम आधारित कृषि सलाह और सरकारी योजनाओं के लाभ से जोड़ना है। अभियान केवल जागरूकता कार्यक्रम नहीं, खेत, किसान और गांव को जोड़ने वाले राष्ट्रीय जनअभियान के रूप में विकसित करने की तैयारी की गई है।

उच्चस्तरीय बैठक में तैयार की रणनीति

नई दिल्ली मेंउच्चस्तरीय बैठक मेंचौहान ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अभियान का मुख्य फोकस खेतों की सेहत बचाने, कृषि लागत को नियंत्रित करने और किसानों को सही समय पर सही सलाह उपलब्ध कराने पर होना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह अभियान केंद्र, राज्य और पंचायतों की साझी भागीदारी के मॉडल पर संचालित होगा।

सभी किसानों को जागरूक किया जाएगा

शिवराज ने कहा कि रासायनिक उर्वरकों के असंतुलित उपयोग को कम करना अभियान का प्रमुख लक्ष्य होगा। किसानों को मृदा परीक्षण आधारित खेती, संतुलित खाद उपयोग, हरी खाद, जैविक उत्पादों और एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन के प्रति जागरूक किया जाएगा। विभिन्न क्षेत्रों में प्रदर्शन और प्रशिक्षण भी आयोजित किए जाएंगे।

पूसा सम्मेलन में कृषि क्रांति का रोडमैप तैयार किया

नई दिल्ली स्थित पूसा परिसर में 28 और 29 मई को राष्ट्रीय खरीफ कॉन्फ्रेंस में देश के इतिहास में पहली बार 22 राज्यों के कृषि मंत्री एक साथ एक मंच पर जुटे। इसमें कृषि को केवल उत्पादन का विषय नहीं, बल्कि मिट्टी, पर्यावरण, किसान आय और भविष्य की सुरक्षा से जोड़ते हुए एक राष्ट्रीय मिशन के रूप में देखने का संकल्प लिया। राज्यों के कृषि और बागवानी विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने चर्चा की।

निवेश : सहज पके सो मीठा होय, जल्दबाजी में घाटा

सुझाव | बिजनेस डेस्क

आज के समय में निवेश का सबसे लोकप्रिय तरीका एसआईपी यानी सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान बन चुका है। छोटी-छोटी रकम से निवेश शुरू करने की सुविधा और लंबी अवधि में बड़ा फंड बनाने की क्षमता ने इसे आम लोगों के बीच बेहद लोकप्रिय बना दिया है। खासकर नौकरीपेशा और मध्यम वर्ग के लोग एसआईपी को भविष्य की आर्थिक सुरक्षा का मजबूत साधन मान रहे हैं। हालांकि, कई निवेशक बाजार में गिरावट आते ही घबरा जाते हैं और जल्दी पैसा निकाल लेते हैं। यही जल्दबाजी उन्हें नुकसान पहुंचाती है। विशेषज्ञों का कहना है कि एसआईपी में असली मुनाफा धैर्य रखने वालों को मिलता है। हाल ही में सामने आई एक स्टडी भी यही साबित करती है कि जितनी लंबी अवधि तक निवेश जारी रखा जाए, जोखिम उतना कम होता जाता है और रिटर्न ज्यादा भरोसेमंद बनते हैं।

30 वर्ष की स्टडी में सामने आई बड़ी बात

एक स्टडी में अगस्त 1996 से अप्रैल 2024 तक के सेंसेक्स टीआरआई के आंकड़ों का विश्लेषण किया गया। इसमें मंथली एसआईपी निवेश के प्रदर्शन को अलग-अलग अवधियों में जांचा गया। स्टडी के मुताबिक कम समय के निवेश में रिटर्न काफी उतार-चढ़ाव वाला रहा, जबकि लंबी अवधि में यह अंतर कम हो गया। यानी जो निवेशक थोड़े समय के लिए एसआईपी करते हैं, उन्हें कभी बड़ा मुनाफा तो कभी बड़ा नुकसान देखने को मिल सकता है। लेकिन जो लोग लंबे समय तक निवेश में बने रहते हैं, उन्हें अपेक्षाकृत स्थिर और बेहतर रिटर्न मिलता है।

तीन साल की एसआईपी में बड़ा जोखिम

स्टडी के अनुसार, तीन साल की एसआईपी में रिटर्न का अंतर बहुत ज्यादा देखने को मिला। कुछ निवेशकों को जहां 55.6 प्रतिशत तक का शानदार मुनाफा मिला, वहीं कई मामलों में 24.6 प्रतिशत तक का नुकसान भी हुआ। यह आंकड़े बताते हैं कि कम समय में शेयर बाजार की अस्थिरता निवेश पर गहरा असर डालती है। यदि बाजार गिरावट के दौर में हो और निवेशक जल्दबाजी में पैसा निकाल ले, तो नुकसान होने की संभावना बढ़ जाती है। इसलिए विशेषज्ञ एसआईपी को शॉर्ट टर्म नहीं बल्कि लॉन्ग टर्म निवेश मानते हैं।

8 साल बाद घाटे की संभावना खत्म

स्टडी की सबसे महत्वपूर्ण बात यह रही कि जिन निवेशकों ने लगातार 8 साल या उससे ज्यादा समय तक एसआईपी जारी रखी, उन्हें किसी भी अवधि में नुकसान नहीं हुआ। यानी लंबे समय तक निवेश बनाए रखने पर बाजार के उतार-चढ़ाव का असर धीरे-धीरे कम हो जाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि लंबी अवधि में बाजार की गिरावट अस्थायी साबित होती है और अर्थव्यवस्था की ग्रोथ के साथ निवेश का मूल्य बढ़ता है। यही कारण है कि एसआईपी में समय सबसे बड़ा हथियार माना जाता है।

10 साल बाद बढ़ जाती है भरोसेमंद कमाई

स्टडी के मुताबिक, तीन साल की एसआईपी में 10 प्रतिशत से ज्यादा रिटर्न मिलने की संभावना 67 प्रतिशत रही। लेकिन जैसे-जैसे निवेश की अवधि बढ़ी, यह संभावना भी मजबूत होती गई। 10 साल के निवेश में 10 प्रतिशत से अधिक रिटर्न मिलने की संभावना 95 प्रतिशत तक पहुंच गई। वहीं 12 से 15 साल की एसआईपी में यह आंकड़ा 98 प्रतिशत रहा। इसका मतलब है कि लंबे समय तक निवेश करने वालों के लिए बेहतर रिटर्न की संभावना बेहद मजबूत हो जाती है।

15 वर्ष की एसआईपी ने दिया स्थिर रिटर्न

यदि 15 साल की एसआईपी का प्रदर्शन देखें तो रिटर्न का दायरा 7.3 प्रतिशत से 18.2 प्रतिशत के बीच रहा। यह अंतर तीन साल की तुलना में काफी कम है। लंबी अवधि में निवेश ज्यादा स्थिर और भरोसेमंद बन जाता है। विशेषज्ञ यह भी कहते हैं कि बहुत लंबी अवधि में रिटर्न थोड़ा औसत या संतुलित हो सकता है। यानी शुरुआती वर्षों की तरह बहुत अधिक तेजी नहीं दिखती, लेकिन जोखिम भी काफी कम हो जाता है। एसआईपी को सुरक्षित और अनुशासित निवेश का तरीका माना जाता है।

लंबी अवधि ही सफलता की कुंजी

स्टडी संकेत देती है कि एसआईपी में जल्दबाजी नुकसान पहुंचा सकती है, जबकि धैर्य रखने वाले निवेशकों को बेहतर और स्थिर रिटर्न मिलता है। कम समय में जोखिम ज्यादा रहता है, लेकिन 8 से 10 साल के बाद घाटे की संभावना कम हो जाती है। एसआईपी का बड़ा फायदा कंपाउंडिंग होता है।

निवेश मंत्रा | बिजनेस डेस्क

- कंपाउंडिंग की ताकत भविष्य बना सकती है आर्थिक रूप से मजबूत
- निवेश से पूरे हो सकते हैं घर, शिक्षा और रिटायरमेंट के सपने
- एसआईपी और म्यूचुअल फंड युवाओं की पहली पसंद बन रहे

समय पर निवेश ही बनाता है आर्थिक सुरक्षा की मजबूत नींव, छोटी बचत और लंबी अवधि से तैयार हो सकती है बड़ी पूंजी

आज का निवेश, कल की सुरक्षा पेड़ की तरह छाया देता है पैसा

बच्चों की पढ़ाई, घर खरीदना, रिटायरमेंट, मेडिकल सुरक्षा, विदेश यात्रा या आर्थिक स्वतंत्रता। जब लक्ष्य स्पष्ट होते हैं, तो निवेश की रणनीति बनाना आसान हो जाता है। इसके साथ ही निवेश में सबसे महत्वपूर्ण चीज है अनुशासन। बहुत से लोग शुरुआत तो कर देते हैं, लेकिन कुछ समय बाद निवेश बंद कर देते हैं। यह सबसे बड़ी गलती मानी जाती है। निवेश को नियमित आदत बनाना जरूरी है।

आज के दौर में आर्थिक सुरक्षा हर व्यक्ति की सबसे बड़ी जरूरत बन चुकी है। बढ़ती महंगाई, अनिश्चित नौकरियां, महंगी शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं ने लोगों को भविष्य को लेकर अधिक गंभीर बना दिया है। ऐसे समय में निवेश केवल अमीर लोगों की आदत नहीं, बल्कि हर व्यक्ति की जरूरत बन गया है। विशेषज्ञ मानते हैं कि निवेश एक पेड़ की तरह होता है। यदि आज इसके बीज बोए जाएं और समय-समय पर इसकी देखभाल की जाए, तो यही पेड़ भविष्य में छाया, फल और सुरक्षा प्रदान करता है। यही कारण है कि वित्तीय योजनाकार युवाओं को कम उम्र से ही निवेश की शुरुआत करने की सलाह देते हैं। अक्सर लोग सोचते हैं कि निवेश का मतलब केवल शेयर बाजार में पैसा लगाना है, जबकि ऐसा नहीं है। निवेश का अर्थ है अपने पैसे को ऐसे साधनों में लगाना, जहां वह समय के साथ बढ़ सके और भविष्य में आर्थिक मजबूती दे सके। यह शेयर बाजार, म्यूचुअल फंड, फिक्स्ड डिपॉजिट, बॉन्ड, पीपीएफ, सोना, रियल एस्टेट या किसी व्यवसाय में निवेश के रूप में हो सकता है। हर निवेश का उद्देश्य भविष्य में बेहतर रिटर्न और आर्थिक सुरक्षा प्राप्त करना होता है।

विशेषज्ञों के अनुसार निवेश की शुरुआत हमेशा स्पष्ट लक्ष्य के साथ करनी चाहिए। बिना लक्ष्य के किया गया निवेश अक्सर बीच रास्ते में रुक जाता है या सही दिशा नहीं पकड़ पाता। इसलिए पहले यह तय करना जरूरी है कि निवेश किस उद्देश्य से किया जा रहा है।

निवेश के प्रमुख प्रकार

निवेश मुख्य रूप से तीन प्रकार के होते हैं। पहला वित्तीय निवेश, जिसमें शेयर, बॉन्ड, म्यूचुअल फंड, एसआईपी और बैंकिंग योजनाएं शामिल हैं। दूसरा वास्तविक निवेश, जिसमें जमीन, मकान, सोना और अन्य भौतिक संपत्तियां आती हैं। तीसरा व्यावसायिक निवेश, जिसमें किसी कारोबार में पूंजी लगाई जाती है। आज युवाओं के बीच एसआईपी यानी सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान तेजी से लोकप्रिय हो रहा है।

कंपाउंडिंग की ताकत बदल सकती है भविष्य

निवेश की दुनिया में कंपाउंडिंग को सबसे बड़ा जादू माना जाता है। इसका अर्थ है कि निवेश पर मिलने वाला रिटर्न भी आगे चलकर कमाई करना शुरू कर देता है। यही कारण है कि छोटी-छोटी रकम भी लंबे समय में बड़ी पूंजी में बदल सकती है। उदाहरण के लिए यदि कोई व्यक्ति 25 वर्ष की उम्र से हर महीने पांच हजार रुपये निवेश करना शुरू करता है और उसे औसतन 12 प्रतिशत वार्षिक रिटर्न मिलता है, तो 60 वर्ष की उम्र तक वह करोड़ों रुपये का फंड तैयार कर सकता है। वहीं यदि यही निवेश 40 वर्ष की उम्र से शुरू किया जाए, तो अंतिम राशि काफी कम रह जाएगी।

निवेश क्यों जरूरी है

महंगाई धीरे-धीरे पैसे की कीमत कम करती रहती है। आज जो चीज 100 रुपये में मिलती है, वह कुछ वर्षों बाद 200 या 300 रुपये की हो सकती है। यदि पैसा केवल बचत खाते में पड़ा रहे, तो उसकी वास्तविक वैल्यू घटती जाती है। निवेश इस नुकसान से बचाने का माध्यम बनता है। सही निवेश न केवल पूंजी बढ़ाता है, बल्कि अतिरिक्त आय का जरिया भी बन सकता है। कुछ निवेश साधन टैक्स बचाने में भी मदद करते हैं। इसके अलावा निवेश आर्थिक आत्मनिर्भरता देता है, जिससे व्यक्ति भविष्य की जरूरतों के लिए दूसरों पर निर्भर नहीं रहता।

जोखिम को समझना भी बेहद जरूरी

हर निवेश के साथ कुछ न कुछ जोखिम जुड़ा होता है। शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव, आर्थिक मंदी, महंगाई और वैश्विक घटनाएं निवेश को प्रभावित कर सकती हैं। इसलिए निवेश करने से पहले अपनी जोखिम उठाने की क्षमता को समझना जरूरी है। यदि कोई व्यक्ति जोखिम कम लेना चाहता है, तो उसे सुरक्षित निवेश विकल्प चुनने चाहिए। वहीं युवा निवेशक लंबी अवधि के कारण थोड़ा अधिक जोखिम लेकर बेहतर रिटर्न हासिल कर सकते हैं। लेकिन किसी भी निवेश में बिना जानकारी और बिना रिसर्च के पैसा लगाना खतरनाक हो सकता है। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि निवेश हमेशा विविध होना चाहिए। यानी सारा पैसा एक ही जगह नहीं लगाना चाहिए। यदि निवेश अलग-अलग क्षेत्रों में किया जाए, तो जोखिम कम हो जाता है। यही कारण है कि कहा जाता है कि "सभी अंडे एक टोकरी में नहीं रखने चाहिए।"

डिजिटल दौर में सावधानी भी जरूरी

आज ऑनलाइन निवेश तेजी से बढ़ रहा है। मोबाइल ऐप और डिजिटल प्लेटफॉर्म ने निवेश को आसान बना दिया है। लेकिन इसके साथ साइबर ठगी और फर्जी निवेश सलाह का खतरा भी बढ़ा है। सोशल मीडिया पर कई लोग खुद को निवेश गुरु बताकर लोगों को गुमराह कर रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि निवेश हमेशा विश्वसनीय और रजिस्टर्ड प्लेटफॉर्म के जरिए ही करना चाहिए। किसी भी "गारंटीड रिटर्न" या "दोगुना पैसा" जैसी योजनाओं से दूरी बनाकर रखनी चाहिए। निवेश से पहले पूरी जानकारी लेना बेहद जरूरी है।

ऐसे करें निवेश की शुरुआत

निवेश शुरू करने के लिए सबसे पहले अपनी आय और खर्च का आकलन करें। इसके बाद हर महीने एक निश्चित राशि निवेश के लिए अलग रखें। इमरजेंसी फंड तैयार करना भी जरूरी है, ताकि अचानक जरूरत पड़ने पर निवेश तोड़ना न पड़े। इसके अलावा बाजार और निवेश साधनों के बारे में लगातार सीखते रहना चाहिए। अखबार पढ़ना, वित्तीय किताबें समझना और विशेषज्ञों की सलाह लेना फायदेमंद हो सकता है।

संयम के साथ किया गया एसआईपी में निवेश बना सकता है करोड़पति

बिना लोन के भी पूरा हो सकता है कार और मकान का सपना

जानकारी | बिजनेस डेस्क

अगर आपको पूरी तरह से लार्ज-कैप इंडेक्स में ही निवेश करना है, तब तो आपके लिए सिर्फ निफ्टी 50 इंडेक्स फंड ही काफी है। या फिर आप निफ्टी 100 इंडेक्स फंड को भी देख सकते हैं, जिसका 85 फीसदी एलोकेशन निफ्टी 50 में और बाकी 15 फीसदी निफ्टी नेक्स्ट 50 में होता है, लेकिन अगर आप पैसिव फंड्स के जरिए मिड-कैप में निवेश करना चाहते और बेहतर रिटर्न की उम्मीद में ज्यादा रिस्क लेने को तैयार हैं, तो नेक्स्ट 50 और मिडकैप 150 इंडेक्स फंड के बीच किसी एक का चुनाव कर सकते हैं।

आज के समय में कार या मकान खरीदना हर व्यक्ति का सपना होता है। लेकिन बढ़ती कीमतों और महंगे लोन के कारण यह सपना कई लोगों के लिए बोझ बन जाता है। अधिकतर लोग घर या कार खरीदने के लिए बैंक से लोन लेते हैं और फिर वर्षों तक ईएमआई चुकाते रहते हैं। खासकर होम लोन में ब्याज इतना ज्यादा होता है कि कई बार व्यक्ति मूल रकम से लगभग दोगुनी राशि चुका देता है। ऐसे में यदि सही समय पर निवेश की योजना बना ली जाए तो बिना लोन लिए भी कार या मकान खरीदा जा सकता है। वित्तीय विशेषज्ञों का मानना है कि यदि कोई व्यक्ति 10 से 15 साल पहले से योजना बनाकर म्यूचुअल फंड में एसआईपी यानी सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान शुरू करे तो वह बड़ा फंड तैयार कर सकता है। यही फंड भविष्य में कार या मकान खरीदने में मदद कर सकता है। एसआईपी न केवल निवेश की आदत विकसित करती है बल्कि लंबे समय में कंपाउंडिंग का लाभ भी देती है। लोन लेने का सबसे बड़ा नुकसान ब्याज होता है। उदाहरण के लिए यदि कोई व्यक्ति 50 लाख रुपये का होम लोन लेता है तो 20 से 25 वर्षों में उसे लगभग 90 लाख से 1 करोड़ रुपये तक चुकाने पड़ सकते हैं। यानी आधे से ज्यादा पैसा केवल ब्याज के रूप में चला जाता है। कार लोन में भी स्थिति कुछ ऐसी ही रहती है। नई कार खरीदने समय डाउन पेमेंट के बाद कई वर्षों तक ईएमआई भरनी पड़ती है। इससे मासिक बजट पर दबाव बढ़ता है और बचत की क्षमता कम हो जाती है। इसलिए जो लोग भविष्य की योजना पहले से बनाते हैं, उनके लिए एसआईपी बेहतर विकल्प साबित हो सकती है।

मकान खरीदने के लिए कितनी एसआईपी जरूरी?

अगर लक्ष्य मकान खरीदने का है तो निवेश की राशि बढ़ानी होगी। उदाहरण के तौर पर यदि कोई व्यक्ति हर महीने 30 हजार रुपये की एसआईपी करता है और उसे 12 प्रतिशत का औसत रिटर्न मिलता है, तो 10 वर्षों में करीब 67 लाख रुपये का फंड तैयार हो सकता है। इसमें लगभग 36 लाख रुपये का निवेश और 31 लाख रुपये का रिटर्न शामिल होगा। वहीं यदि निवेश की अवधि 15 वर्ष कर दी जाए तो यही फंड करीब 1.4 करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। इतनी रकम में व्यक्ति बिना लोन के घर खरीदने का सपना पूरा कर सकता है।

जल्दी शुरुआत करना क्यों जरूरी?

एसआईपी में सबसे बड़ा फायदा समय का होता है। जितनी जल्दी निवेश शुरू किया जाता है, उतना ज्यादा फायदा कंपाउंडिंग का मिलता है। कंपाउंडिंग का मतलब है कि आपके निवेश पर मिलने वाला रिटर्न भी आगे रिटर्न कमाने लगता है। यदि कोई व्यक्ति 25 वर्ष की उम्र में निवेश शुरू करता है तो उसे कम रकम निवेश करनी पड़ेगी। वहीं 35 या 40 वर्ष की उम्र में वही लक्ष्य पाने के लिए अधिक निवेश करना होगा। इसलिए विशेषज्ञ हमेशा जल्दी शुरुआत करने की सलाह देते हैं।

एसआईपी कैसे करती है मदद

एसआईपी के जरिए हर महीने एक निश्चित रकम म्यूचुअल फंड में निवेश की जाती है। यह निवेश बाजार के उतार-चढ़ाव के बावजूद नियमित रूप से जारी रहता है। लंबी अवधि में यही छोटी-छोटी रकम बड़ा फंड बन जाती है। विशेषज्ञों के अनुसार इक्विटी म्यूचुअल फंड लंबे समय में औसतन 10 से 15 प्रतिशत तक रिटर्न दे सकते हैं। यदि कोई व्यक्ति अनुशासन के साथ लगातार निवेश करता रहे तो 10 से 15 वर्षों में लाखों या करोड़ों रुपये का फंड तैयार हो सकता है।

20 हजार की एसआईपी से बन सकता है बड़ा फंड

यदि कोई व्यक्ति हर महीने 20 हजार रुपये की एसआईपी शुरू करता है और उसे औसत 12 प्रतिशत वार्षिक रिटर्न मिलता है, तो 10 वर्षों में उसके पास लगभग 45 लाख रुपये का फंड तैयार हो सकता है। इसमें करीब 24 लाख रुपये उसका कुल निवेश होगा, जबकि लगभग 21 लाख रुपये केवल रिटर्न या ब्याज के रूप में मिलेंगे। इतनी रकम में व्यक्ति आसानी से एक अच्छी और प्रीमियम कार खरीद सकता है।

उतार-चढ़ाव के बीच दमदार साबित हुए फ्लेक्सी कैप फंड

बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड निवेशकों के बीच फ्लेक्सी कैप फंड तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। बाजार में अनिश्चितता और उतार-चढ़ाव के दौर में ये फंड निवेशकों के लिए "ऑल वेदर" विकल्प माने जाते हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि फंड मैनेजर को बड़ी, मिड और स्मॉल कैप कंपनियों में बिना किसी तय सीमा के निवेश करने की आजादी होती है। यानी बाजार की स्थिति, आर्थिक हालात और वैल्यूएशन के हिसाब से फंड मैनेजर पोर्टफोलियो का संतुलन बदल सकते हैं। तेजी के दौर में मिड और स्मॉल कैप में अधिक निवेश किया जा सकता है, जबकि गिरावट के समय बड़े और मजबूत शेयरों का सहारा लिया जाता है। यही लचीलापन फ्लेक्सी कैप फंड को अन्य इक्विटी फंड्स से अलग बनाता है। जोखिम के मुकाबले बेहतर रिटर्न देने वाले फ्लेक्सी कैप फंड का विश्लेषण किया गया, जिसमें 6 महीने, 1 साल, 3 साल और 5 साल के रोलिंग रिटर्न के साथ शार्प, सॉर्टिनो और स्टैंडर्ड डिविएशन जैसे जोखिम संकेतकों को आधार बनाया गया।

एचडीएफसी फ्लेक्सी कैप फंड

जनवरी 1995 में शुरू हुआ यह फंड लंबे समय से निवेशकों के बीच भरोसेमंद माना जाता है। फंड की रणनीति मजबूत कंपनियों को चुनकर लंबे समय तक बनाए रखने की रही है। पिछले तीन वर्षों में इस फंड ने लगभग 23.2 प्रतिशत सीएजीआर रिटर्न दिया, जबकि इसी अवधि में निफ्टी-500 टीआरआई का रिटर्न करीब 17 प्रतिशत रहा। फंड की खास बात यह है कि इसने कम उतार-चढ़ाव के साथ बेहतर रिटर्न दिया। फंड के प्रमुख निवेशों में आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक, एसबीआई और एसबीआई लाइफ शामिल हैं। सेक्टर के लिहाज से बैंकिंग, ऑटो और हेल्थकेयर में इसका बड़ा निवेश है। पिछले एक साल में फंड ने करीब 75 प्रतिशत निवेश लार्ज कैप में रखा।

पराग पारिख फ्लेक्सी कैप फंड

यह फंड निवेशकों के बीच सबसे चर्चित फ्लेक्सी कैप फंड में गिना जाता है। मई 2013 में लॉन्च हुए इस फंड की रणनीति वैल्यू इन्वेस्टिंग पर आधारित है। फंड मजबूत कंपनियों में निवेश करता है और विदेशी शेयरों में भी एक्सपोजर देता है। एल्फाबेट, अमेजन, माइक्रोसॉफ्ट, और मेटा जैसी वैश्विक कंपनियां इसके पोर्टफोलियो में शामिल हैं। पिछले तीन वर्षों में फंड ने करीब 21.6 प्रतिशत सीएजीआर रिटर्न दिया। सबसे खास बात यह रही कि इसकी वोलैटिलिटी कैटेगरी में सबसे कम रही। शार्प और सॉर्टिनो रेशियो के मामले में भी यह फंड सबसे आगे रहा। फंड का लगभग 64 प्रतिशत हिस्सा लार्ज कैप में, जबकि कुछ हिस्सा इंटरनेशनल इक्विटी और डेट इंस्ट्रूमेंट्स में निवेशित है।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल फ्लेक्सी कैप फंड

जुलाई 2021 में शुरू हुआ यह फंड अपेक्षाकृत नया है, लेकिन कम समय में मजबूत प्रदर्शन के कारण तेजी से लोकप्रिय हुआ है। फंड की रणनीति मजबूत बिजनेस और उचित वैल्यूएशन वाली कंपनियों में निवेश करने की है। पिछले तीन वर्षों में इस फंड ने करीब 20.4 प्रतिशत सीएजीआर रिटर्न दिया। इसकी वोलैटिलिटी कैटेगरी औसत के बराबर रही, लेकिन जोखिम के मुकाबले रिटर्न बेहतर रहा। फंड के प्रमुख निवेशों में टीवीएस मोटर, आईसीआईसीआई बैंक, मारुति सुजुकि और एवेन्यू सुपरमार्ट शामिल हैं। वर्तमान में इसका करीब 61 प्रतिशत निवेश लार्ज कैप व करीब 25 प्रतिशत स्मॉल कैप में है।

क्यों खास हैं फ्लेक्सी कैप फंड

फ्लेक्सी कैप फंड की सबसे बड़ी ताकत उनकी लचीलापन वाली रणनीति है। बाजार में तेजी हो या गिरावट, फंड मैनेजर बाजार की स्थिति के अनुसार पोर्टफोलियो में बदलाव कर सकते हैं। इसी वजह से इन्हें लंबी अवधि के निवेश के लिए अच्छा विकल्प माना जाता है। विशेषज्ञ मानते हैं कि ये फंड निवेशकों के पोर्टफोलियो का "कोर" हिस्सा बन सकते हैं।

डिजिटल ठगी के जाल से रहें अलर्ट, वरना हो सकता है भारी नुकसान

फर्जी ट्रेडिंग टिप्स से मिनटों में खाली हो सकता है अकाउंट

सावधानी | बिनेस डेस्क

आज के दौर में शेयर बाजार में निवेश करने वालों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। मोबाइल ऐप और डिजिटल प्लेटफॉर्म ने निवेश को आसान बनाया है, लेकिन इसके साथ ही ऑनलाइन ठगी और फर्जी निवेश सलाह का खतरा भी कई गुना बढ़ गया है। खासकर इंस्टाग्राम, टेलीग्राम, व्हाट्सएप और फेसबुक जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर चल रहे ट्रेडिंग चैनल और टिप्स ग्रुप लाखों लोगों को आसान कमाई का सपना दिखाकर जाल में फंसा रहे हैं। कई लोग बिना रिसर्च किए इन प्लेटफॉर्म पर बताए गए शेयरों में पैसा लगा देते हैं और बाद में भारी नुकसान उठाते हैं। हाल ही में एनएसई और सेबी ने निवेशकों को ऐसे फर्जी सोशल मीडिया हैंडल्स और टेलीग्राम चैनलों से सावधान रहने की सलाह दी है। एक्सचेंजों ने स्पष्ट किया है कि कई लोग खुद को ट्रेडिंग एक्सपर्ट, मार्केट गुरु या निवेश सलाहकार बताकर निवेशकों के अकाउंट तक एक्सेस मांगते हैं और बाद में रकम गायब कर देते हैं। कई मामलों में 'डबल पैसा', 'गारंटीड प्रॉफिट', '100 प्रतिशत सटीक कॉल' और 'इंट्राडे में लाखों कमाएं' जैसे झूठे दावे किए जाते हैं।

सोशल मीडिया पर निवेश सलाह के नाम पर बढ़ रहा फ्रॉड

डब्बा ट्रेडिंग बना बड़ा खतरा

डिजिटल फ्रॉड के साथ-साथ डब्बा ट्रेडिंग का नेटवर्क भी तेजी से फैल रहा है। यह पूरी तरह अवैध ट्रेडिंग व्यवस्था है, जिसमें लेन-देन आधिकारिक स्टॉक एक्सचेंज के बाहर किया जाता है। इसमें निवेशकों का पैसा सीधे ठगों के हाथ में चला जाता है और किसी प्रकार की कानूनी सुरक्षा नहीं मिलती। एनएसई ने कई ऐसे प्लेटफॉर्म और मोबाइल नंबरों के खिलाफ चेतावनी जारी की है जो फर्जी ट्रेडिंग सेवाएं चला रहे हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, छोटे शहरों और नए निवेशकों को सबसे ज्यादा निशाना बनाया जा रहा है।

एनएसई और सेबी ने जारी की चेतावनी, निवेशक भी बरतें सावधानी

बदल रहा निवेश का तरीका

भारत आज दुनिया का चौथा सबसे बड़ा शेयर बाजार बन चुका है। करोड़ों नए निवेशक हर महीने बाजार से जुड़ रहे हैं। डिजिटल इंडिया और ऑनलाइन ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म के विस्तार ने निवेश को घर-घर तक पहुंचा दिया है। लेकिन इसी का फायदा साइबर ठग भी उठा रहे हैं। अब ठगी केवल फोन कॉल तक सीमित नहीं रही, बल्कि एआई जनरेटेड वीडियो, फर्जी स्क्रीनशॉट, नकली प्रॉफिट रिपोर्ट और डीपफेक वीडियो के जरिए लोगों को भ्रमित किया जा रहा है।

पोंजी व पिरामिड स्कीम ऑनलाइन

पहले जहां पोंजी और पिरामिड योजनाएं ऑफलाइन चलाई जाती थीं, वहीं अब ये सोशल मीडिया और मोबाइल ऐप्स के जरिए फैल रही हैं। लोगों को कहा जाता है कि वे नए निवेशक जोड़ें और कमीशन कमाएं। शुरुआत में कुछ लोगों को लाभ देकर भरोसा पैदा किया जाता है, लेकिन बाद में पूरी योजना अचानक बंद हो जाती है और निवेशकों का पैसा डूब जाता है। पिछले कुछ वर्षों में देशभर में ऐसे कई ऑनलाइन निवेश घोटाले सामने आ चुके हैं।

क्रिप्टो व विदेशी निवेश के नाम पर ठगी

क्रिप्टोकरेंसी और विदेशी ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म भी ठगों का नया हथियार बन चुके हैं। "एक महीने में पैसा दोगुना", "विदेशी बाजार से रोज कमाई" और "एआई ट्रेडिंग बॉट" जैसे ऑफर देकर लोगों को निवेश के लिए उकसाया जाता है। कई प्लेटफॉर्म बिना किसी रेगुलेशन के काम कर रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर किसी निवेश योजना में अत्यधिक मुनाफे का दावा किया जा रहा है तो निवेशकों को तुरंत सतर्क हो जाना चाहिए।

कैसे बचें डिजिटल निवेश ठगी से

निवेश करने से पहले यह जरूर जांच लें कि सलाह देने वाला व्यक्ति या संस्था सेबी में रजिस्टर्ड है या नहीं। किसी भी अनजान टेलीग्राम चैनल या इंस्टाग्राम पेज पर भरोसा न करें। अपने ट्रेडिंग अकाउंट का पासवर्ड या ओटीपी किसी के साथ साझा न करें। "गारंटीड रिटर्न" और "जोखिम मुक्त निवेश" जैसे दावों से दूरी बनाकर रखें। निवेश हमेशा अपनी समझ और रिसर्च के आधार पर करें। विशेषज्ञ मानते हैं कि शेयर बाजार लंबी अवधि में संपत्ति बनाने का मजबूत माध्यम है, लेकिन बिना जानकारी और लालच में किया गया निवेश लोगों को आर्थिक संकट में भी डाल सकता है। इसलिए सोशल मीडिया के चमकदार विज्ञापनों और फर्जी ट्रेडिंग गुरुओं से सावधान रहना बेहद जरूरी है। समझदारी, धैर्य और सही जानकारी ही सुरक्षित निवेश की सबसे बड़ी कुंजी है।

कम उम्र में खेल का दबाव: बचपन और भविष्य दोनों दांव पर

- ओवर-ट्रेनिंग, मानसिक तनाव और पेरेंट्स का दबाव भी कर रहा खेल से दूर
- डॉक्टर्स और कोच बोले, सही उम्र में सही ट्रेनिंग ही बनाएगी सफल खिलाड़ी
- कम उम्र में एक ही खेल पर जोर से बढ़ रहीं चोटें, बर्नआउट और खेल छोड़ने की घटनाएं
- ग्रोथ प्लेट इंजरी, मानसिक दबाव और थकान बच्चों के करियर पर डाल रहे असर
- खेल को आनंद की तरह लें, बच्चों पर चैंपियन बनने का बोझ न डालें

विशेषज्ञों की चेतावनी: खेल के जुनून में बढ़ रहीं गंभीर चोटें, सावधानी जरूरी

13-15 साल से पहले अर्ली स्पेशलाइजेशन को विशेषज्ञों ने बताया नुकसानदेह

रोहित डागर ▶▶ रोहतक

आज के प्रतिस्पर्धी दौर में कम उम्र में बच्चों पर खेल में सफल होने का दबाव तेजी से बढ़ रहा है, जिसका असर उनके बचपन और भविष्य दोनों पर पड़ रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार, छोटी उम्र में एक ही खेल पर अत्यधिक फोकस और ओवर-ट्रेनिंग से बच्चों में गंभीर चोटें, मानसिक तनाव, थकान और खेल से दूरी जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। डॉक्टरों और कोचों का कहना है कि 13-15 साल से पहले अर्ली स्पेशलाइजेशन बच्चों के शारीरिक विकास के लिए नुकसानदेह हो सकता है। ग्रोथ प्लेट इंजरी, लिगामेंट डैमेज और बर्नआउट के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि बच्चों को पहले खेल का आनंद लेने दें, विविध खेलों का अनुभव दें और उम्र के अनुसार ही ट्रेनिंग कराएं। सही मार्गदर्शन, संतुलित आहार और पर्याप्त आराम ही बच्चों को लंबे समय तक सफल खिलाड़ी बना सकता है।

संडे स्पेशल

70% युवा खिलाड़ी 13 वर्ष की उम्र तक छोड़ देते हैं खेल

आंकड़ों के अनुसार अत्यधिक दबाव के कारण करीब 70% खिलाड़ी 13 वर्ष की उम्र तक खेल ही छोड़ देते हैं। लड़कियों में 13 से 15 वर्ष और लड़कों में 15 से 17 वर्ष की उम्र तक ग्रोथ प्लेट (हड्डियों के छोर पर बनी नरम उपास्थि) खुली रहती है। यह हिस्सा बेहद नाजुक होता है। कम उम्र में अत्यधिक अभ्यास से गंभीर चोटें देखी जा रही हैं। 5-6 वर्ष से पहले बच्चों पर सिर्फ 'फ्री प्ले' (दौड़ना, कूदना) का फोकस होना चाहिए। 6-9 वर्ष की आयु में सरल नियम वाले और 10-12 वर्ष के बाद ही जटिल रणनीति वाले टीम खेलों में बच्चों को डालना चाहिए। 13-15 वर्ष से पहले किसी एक खेल पर पूरा ध्यान केंद्रित करने की बजाय उन्हें विविध खेलों का अनुभव दें। ताकि वे बर्नआउट और मानसिक तनाव से बच सकें। -डॉ. राजेश रोहिल्ला, वरिष्ठ प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, खेल चिकित्या विभाग, पीजीआईएमएस रोहतक

एआई जेनरेटिड फोटो।

इन चोटों का खतरा अधिक

- **ग्रोथ प्लेट इंजरी:** हड्डियों के सिरों पर मौजूद नरम हिस्से पर दबाव पड़ने से ग्रोथ प्रभावित हो सकती है।
- **लिटिल लीगर शोल्डर:** तेज गेंदबाजी या ओवरहेड थ्रो से कंधे की ग्रोथ प्लेट में सूजन और दर्द।
- **जिमनास्ट्स रिस्ट:** कलाई पर लगातार दबाव पड़ने से सूजन और कमजोरी।
- **लिगामेंट इंजरी:** कुश्ती, कबड्डी और फुटबॉल जैसे खेलों में घुटने व कंधे के लिगामेंट फटने का खतरा।
- **ओसगुड-श्लैटर बीमारी:** घुटनों के नीचे दर्द और सूजन, जो तेजी से बढ़ते बच्चों में ज्यादा देखी जाती है।
- **मांसपेशियों में खिंचाव:** बिना आराम और ओवर-ट्रेनिंग से मसल स्ट्रेन।
- **स्ट्रेस फ्रैक्चर:** लगातार दबाव के कारण हड्डियों में महीन दरारें।
- **पीठ और रीढ़ की समस्या:** गलत तकनीक और भारी ट्रेनिंग से कमर दर्द व रीढ़ पर असर।
- **मानसिक बर्नआउट:** लगातार दबाव से तनाव, आत्मविश्वास में कमी और खेल छोड़ने की स्थिति।
- **लंबाई रुकने का खतरा:** गंभीर ग्रोथ प्लेट डैमेज होने पर शारीरिक विकास प्रभावित हो सकता है।

कुश्ती के लिए 7 से 8 साल की उम्र सही

कुश्ती की शुरुआत करने के लिए बच्चे की सही उम्र कम से कम 7 से 8 साल होनी चाहिए। इससे छोटे बच्चों को सीधे मैट या अखाड़े में उतारने के बजाय पहले जिम्नास्टिक करानी चाहिए। जिम्नास्टिक से बच्चों के शरीर में बेहतरीन लचीलापन (फ्लेक्सिबिलिटी) आता है, जिसकी कुश्ती में सबसे ज्यादा जरूरत होती है। अंडर-14 जैसे छोटे बच्चों को बड़ों की तरह हैवी ट्रेनिंग नहीं देनी चाहिए। मैदान पर वॉर्म-अप और कूल-डाउन का पूरा ध्यान रखना बेहद जरूरी है। इसके साथ ही अखाड़े या मैट की स्थिति (मिट्टी की नमी, मैट के बीच का गैप आदि) को जांचना आवश्यक है। बच्चों को जबरदस्ती बहुत ज्यादा खिलाने के बजाय प्रोटीन, विटामिन और मिनरल्स से भरपूर संतुलित आहार देना चाहिए। **-रणबीर ढाक**, कुश्ती कोच

बॉक्सिंग में हाइट सबसे पहला पैमाना

मुक्केबाजी शुरू करने की सही उम्र 6 से 12 साल के बीच है। बॉक्सिंग में लंबी हाइट (कद) वाले बच्चों के कामयाब होने के चांस सबसे ज्यादा होते हैं। अगर हाइट कम है, तो रिंग में आगे बढ़ना बेहद मुश्किल हो जाता है। खिलाड़ियों का चयन करने के लिए हाइट के बाद जंप (ब्रॉड जंप, हाई जंप) और स्पीड परखने के लिए शटल रनिंग करवाई जाती है। इस उम्र से खिलाड़ियों की स्ट्रेंथ ट्रेनिंग शुरू कर दी जाती है, क्योंकि 13 साल का बच्चा अपने पहले ऑफिशियल कॉम्पिटिशन में उतरने के लिए तैयार हो जाता है। आजकल पेरेंट्स का बढ़ता हस्तक्षेप ठीक नहीं है। इससे गेम डाउन आ रहा है। **-संजीव**, बॉक्सिंग कोच

छोटे बच्चों की स्ट्रेचिंग ज्यादा करवाएं

कबड्डी में आमतौर पर 12 साल की उम्र के बच्चे आते हैं। छोटे बच्चों की स्ट्रेचिंग ज्यादा करवाई जाती है। छोटे बच्चों के लिए एक्सरसाइज के रेपिटिटिशन कम रखे जाते हैं, जबकि बड़े खिलाड़ियों के लिए इसे बढ़ा दिया जाता है। शुरुआत में बच्चों को सीधे कठिन ट्रेनिंग देने के बजाय उनमें खेल के प्रति आदत डालना और रुचि पैदा करना मुख्य उद्देश्य होता है। बच्चे के शारीरिक ढांचे और बनावट के हिसाब से खेल का चयन किया जाता है। इसके लिए बैटरी टेस्ट लिया जाता है। इससे यह देखा जाता है कि बच्चा खड़े-खड़े कितनी दूर तक कूद सकता है, जिससे पैरों की ताकत का पता चलता है। **-दिनेश खर्ब**, कबड्डी कोच

शुरूआत में एक ही खेल पर फोकस न करें

क्रिकेट की शुरुआत 4 से 5 साल की उम्र में की जा सकती है। इस उम्र में इसे सिर्फ खेल की बुनियादी शुरुआत के तौर पर देखा जाना चाहिए। जिम्नास्टिक, स्विमिंग और एथलेटिक्स: ये ऐसे खेल हैं जो हर खिलाड़ी के लिए 'बेस' (आधार) का काम करते हैं। अगर शुरुआती स्तर पर बच्चे को इनमें से कुछ सिखाया जाए, तो आगे चलकर वह किसी भी खेल में बेहतर प्रदर्शन कर सकता है। 5 साल के बच्चे और 11-12 साल के बच्चे की ट्रेनिंग एक जैसी नहीं हो सकती। 5 साल के बच्चे की ट्रेनिंग भी 'प्ले स्कूल' की तरह होनी चाहिए। इसमें सिर्फ उठना-बैठना और खेल का आनंद लेना सिखाया जाता है। इस उम्र में उन पर भारी-भरकम नियमों या कठिन प्रैक्टिस का बोझ डालना गलत है। **-बबलू**, कोच क्रिकेट

ऑरेंज कैप — वैभव सूर्यवंशी — 776 रन — राजस्थान

पर्पल कैप — कगिसो रबाडा — 26 विकेट — गुजरात

अंडर-18 महिला एशिया कप

नौशीन के दो गोल से भारत ने मलेशिया को हराया

काकामिगहारा (जापान)। पंद्रह साल की नौशीन नाज की दो गोल की मदद से भारत ने शनिवार को यहां अंडर-18 महिला एशिया कप हॉकी चैंपियनशिप के पूल ए के एक मैच में मलेशिया को 2-1 से हराकर विजयी शुरुआत की। मैच के पहले क्वार्टर में कोई गोल नहीं हुआ, लेकिन नौशीन ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदल कर 19वें मिनट में भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। नौशीन ने इसके बाद 28वें मिनट में एक और शानदार गोल दागा। उन्होंने मलेशिया की गोलकीपर को चकमा देते हुए सटीक शॉट लगाया और भारत की बढ़त को 2-0 कर दिया जिससे मध्यांतर तक भारत मजबूत स्थिति में रहा।

उलटफेर का शिकार हुए जोकोविच, नया पुरुष चैंपियन बनना तय

पेरिस। विश्व नंबर-एक यानीक सिनर के बाहर होने के बाद अब दिग्गज नोवाक जोकोविच के भी उलटफेर का शिकार हो जाने से फ्रेंच ओपन में पुरुष एकल खिताब की दौड़ पूरी तरह खुल गई है और यह तय हो गया है कि रोलां गैरो को नया चैंपियन मिलेगा। ब्राजील के 19 वर्षीय खिलाड़ी जोआओ फोन्सेका ने तीसरे दौर में जोकोविच को पांच सेटों के रोमांचक मुकाबले में 4-6, 4-6, 6-3, 7-5, 7-5 से हराकर बड़ा उलटफेर किया। यह मुकाबला दो घंटे से अधिक समय तक चला और अंत तक बेहद संघर्षपूर्ण रहा।

मुकाबला आज अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में शाम 7:30 बजे से

बेंगलुरु दूसरी बार जीतना चाहेगी ट्रॉफी मजबूत गुजरात खिताब छीनने बेकरार

अहमदाबाद। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीम इंडियन प्रीमियर लीग में लगातार दूसरी बार खिताब जीतने के सपने को पूरा करने के लिए रविवार को मैदान में उतरेगी तो उसके सामने गुजरात टाइटंस की कड़ी चुनौती होगी जो किसी भी हालत में खिताब अपनी झोली में डालना चाहेगी। आरसीबी ने अपने आक्रामक और बेखौफ अंदाज से टूर्नामेंट में दबदबा कायम किया है, तो वहीं टाइटंस ने धैर्य और संयमित खेल से प्रभावित करते हुए पांच वर्षों में तीसरी बार फाइनल का टिकट पक्का किया है। कागजों पर मौजूदा चैंपियन आरसीबी को 2022 की विजेता टाइटंस के खिलाफ मजबूत दावेदार माना जा रहा है, क्योंकि इस पूरे टूर्नामेंट में उनका बेखौफ और जोखिम भरा खेल बेहद प्रभावशाली रहा है।

प्रतियोगिता जीतने मजबूत गेंदबाजी की जरूरत : रजत

कप्तान रजत पाटीदार को भरोसा है कि भुवनेश्वर कुमार की अगुवाई वाला रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का मजबूत गेंदबाजी आक्रमण टीम को लगातार दूसरी बार आईपीएल खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाएगा। आरसीबी रविवार को यहां आईपीएल 2026 के फाइनल में गुजरात टाइटंस से भिड़ेगी। पाटीदार ने खिताबी मुकाबले से पहले आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि किसी भी बड़ी प्रतियोगिता को जीतने के लिए मजबूत गेंदबाजी इकाई का होना बेहद जरूरी है।

बड़े स्कोर का बचाव अधिक मुश्किल काम

उन्होंने कहा, /"अगर आपको टूर्नामेंट जीतना है तो आपके पास मजबूत गेंदबाजी आक्रमण होना चाहिए। इस विकेट पर 200-220 रन बनाना अपेक्षाकृत आसान है, लेकिन इतने बड़े स्कोर का बचाव करना कहीं अधिक मुश्किल होता है। इसलिए बेहतर गेंदबाजी इकाई सफलता की कुंजी है।/"

गेंदबाजी की रीढ़ हैं भुवनेश्वर कुमार

पाटीदार ने इस सत्र में शानदार प्रदर्शन कर रहे अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार की जमकर सराहना की। उन्होंने 15 मैचों में 26 विकेट लेने वाले भुवनेश्वर को आरसीबी के गेंदबाजी आक्रमण की रीढ़ बताया।

भारत ने तीसरे दिन तीन स्वर्ण पदक जीते पदक तालिका में दूसरे स्थान पर कायम

भाषा ▶▶ हांगकांग

भारतीय खिलाड़ियों ने तीन स्वर्ण पदक जीतकर अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा और शनिवार को यहां एशियाई अंडर-20 चैंपियनशिप के तीसरे दिन पदक तालिका में दूसरा स्थान बनाए रखा। निखिल चंद्रशेखर (3000 मीटर स्टीपलचेज), बसंत (ऊंची कूद) और शाहनवाज खान (लंबी कूद) ने भारत के स्वर्ण पदक की संख्या को बढ़ाकर सात कर दिया। भारत ने शुक्रवार को चार स्वर्ण पदक जीते थे। निखिल चंद्रशेखर ने 9:25.44 सेकंड के समय से पहला स्थान हासिल किया। यह उनका अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन था। शाहनवाज खान ने दबदबा बनाते हुए दूसरा स्वर्ण पदक जीता। दिन की उनकी सबसे लंबी कूद 7.84 मीटर थी। उनके हमवतन जिथिन अर्जुनान रमन चंद्रशेखरन ने 7.66 मीटर की कूद से रजत पदक जीता। शनिवार को भारत का तीसरा स्वर्ण पदक बसंत ने 2.20 मीटर की ऊंची कूद लगाकर दिलाया। आरती ने पदक तालिका में एक कांस्य पदक जोड़ा। उन्होंने महिलाओं की 200 मीटर दौड़ में 24.12 सेकंड के समय के साथ तीसरा स्थान हासिल किया जो उनका अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन था। भूमिका संजय नेहते 24.13 सेकंड के समय के साथ बहुत कम अंतर से चौथे स्थान पर रहीं। चीन 10 स्वर्ण पदक के साथ पदक तालिका में सबसे आगे है। भारत सात स्वर्ण पदक के साथ फिलहाल पदक तालिका में दूसरे स्थान पर है।

मनु और राणा ने 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में रजत पदक जीता

म्यूनिख। भारतीय निशानेबाज मनु भाकर और सम्राट राणा ने शनिवार को यहां आईएसएसएफ विश्व कप में 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में रजत पदक जीता। ओलंपिक पदक विजेता मनु और राणा की जोड़ी ने फाइनल में 483.6 का स्कोर करके भारत के लिए पोडियम पर जगह पक्की की। चीन के कियानक्सुन याओ और काई हू ने कुल 483.9 के स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता जबकि चीन के ही शेन यियाओ और बू शुआईहांग ने 418.0 के स्कोर के साथ कांस्य पदक से संतोष किया। भारतीय जोड़ी 582 के कुल स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर रहकर पदक दौर के लिए क्वालीफाई किया। दो ओलंपिक पदक विजेता मनु ने 292-12 एक्स का जबकि मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन राणा ने 290-9 एक्स का स्कोर किया। इससे वे यियाओ और शुआईहांग की चीनी जोड़ी से ठीक पीछे रहे जिन्होंने 584 के स्कोर के साथ क्वालीफायर में शीर्ष स्थान हासिल किया था। इसी स्पर्धा में अन्य भारतीय प्रतिभागियों सुरुचि इंदर सिंह और श्रवण कुमार ने कुल 575 के स्कोर के साथ 10वां स्थान हासिल किया।

सात्विक-चिराग की जोड़ी ने फाइनल में बनाई जगह

सिंगापुर। भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की स्टार जोड़ी ने शनिवार को यहां सिंगापुर ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में कोरिया के किम वोन हो और सियो सेउंग जे की शीर्ष वरीयता प्राप्त और दुनिया की नंबर एक जोड़ी को सीधे गेम में हराकर उलटफेर करते हुए फाइनल में प्रवेश किया। भारत की चौथी वरीय जोड़ी ने 52 मिनट चले सेमीफाइनल में मौजूदा विश्व चैंपियन जोड़ी हो और जे को 21-19, 21-18 से मात दी। अब रविवार को होने वाले फाइनल मुकाबले में भारतीय जोड़ी का सामना इंडोनेशिया के फजर अल्फियान और मुहम्मद शोहिबुल फिक्री की तीसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी तथा चीन के लियांग वेई कांग और चांग वांग की पांचवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा।

भारतीय महिला हॉकी टीम आस्ट्रेलिया से हारी, चार मैचों की श्रृंखला 2-2 से बराबर

एजेंसी ▶▶ पर्थ

भारतीय महिला हॉकी टीम चार मैचों की दोस्ताना श्रृंखला के आखिरी मैच में आस्ट्रेलिया से 2-3 से हार गई जिससे श्रृंखला 2-2 से बराबरी पर खत्म हो गई। भारत ने दूसरे मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर नवनीत कौर के गोल के दम पर बढत बना ली थी। दूसरे क्वार्टर में दीपिका सोरेंग ने 23वें मिनट में गोल करके भारत की बढत दुगुनी कर दी।

ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे क्वार्टर में की वापसी

आस्ट्रेलिया ने तीसरे क्वार्टर में एबी विल्सन (42वां) और ओलिविया डोनेस (44वां) के गोल के दम पर वापसी की। कर्टनी शोनेल ने 58वें मिनट में गोल करके आस्ट्रेलिया को 3-2 से जीत दिलाई। इस हार के बावजूद यह दौरा भारत के लिये अच्छा रहा। पहला मैच हारने के बाद भारत ने दो मैच जीतकर वापसी की। न्यूजीलैंड में 15 से 21 जून तक होने वाले एफआईएच नेशंस कप से पहले भारतीय टीम ने जबर्दस्त दृढ़ता, अनुशासन और जुझारूपन दिखाते हुए अपनी तैयारी पुख्ता की।

अंडर-17 एशियाई कुश्ती: भारतीय महिलाओं ने जीते 10 पदक

नई दिल्ली। भारत की महिला पहलवानों ने वियतनाम के दा नांग में हुई अंडर-17 एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 10 पदक जीते जिनमें दो स्वर्ण, तीन रजत और पांच कांस्य पदक शामिल हैं। दीक्षा और गरिमा ने टीम की अगुवाई की। उन्होंने अपने-अपने फाइनल मुकाबलों में जबरदस्त जीत हासिल करते हुए स्वर्ण पदक जीते। भारत ने निकिता (49 किग्रा), अंतरा (65 किग्रा) और तानिया (69 किग्रा) के ज़रिए तीन रजत पदक भी अपने नाम किए। कांस्य पदक जीतने वालों में पलक (40 किग्रा), अनामिका (46 किग्रा), अक्षरा (53 किग्रा), साक्षी (57 किग्रा) और मान्या (61 किग्रा) शामिल हैं। इन सभी ने अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर पोडियम पर जगह बनाई। कांस्य पदक मुकाबलों में पलक ने अरुके नुरबेकोवना नुरबेकोवा को, अनामिका ने इंझू बक्कोझा को, अक्षरा ने एमा अराकावा को, साक्षी ने शियिंग वांग को और मान्या ने आइगेरिम पोलातबे को हराया।

सभी भार वर्ग में हरियाणा की महिला पहलवानों का चयन

एशियन गेम्स ट्रायल में हरियाणा की बेटियों का दबदबा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

दिल्ली के इंदिरा गांधी (आईजी) स्टेडियम में शनिवार को एशियन गेम्स की चयन ट्रायल आयोजित की गई। इसमें 6 भार वर्ग में महिला खिलाड़ियों का चयन किया गया। सभी भार वर्ग में हरियाणा की महिला पहलवानों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए भारतीय टीम में जगह बनाई। ये खिलाड़ी 30 सितंबर से 3 अक्तूबर तक जापान में होने वाले एशियन गेम्स में देश का प्रतिनिधित्व करेंगी। 50 किलोग्राम भार वर्ग में रोहतक की दीपांशी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चयन समिति को प्रभावित किया और टीम में जगह बनाई। वहीं, 53 किलोग्राम भार वर्ग में हिसार की स्टार पहलवान अंतिम पंघाल देश का प्रतिनिधित्व करेंगी। 57 किलोग्राम भार वर्ग में जींद की मनीषा भानवाला ने अपनी चुनौती पेश करते हुए बाजी मारी। इसके अलावा, 62 किलोग्राम भार वर्ग में रोहतक की मानसी अहलावत और 68 किलोग्राम भार वर्ग में पानीपत की पहलवान निशा दहिया ने अपनी श्रेणियां जीतीं। 76 किलोग्राम भार वर्ग में जींद की प्रिया मलिक ने दमदार खेल दिखाते हुए एशियाई गेम्स का टिकट हासिल किया। दीपांशी, मनीषा और मानसी रोहतक के छोटूराम स्टेडियम में कोच मनदीप के पास अभ्यास करती है। हरियाणा कुश्ती संघ के अध्यक्ष रमेश बोहर ने सभी महिला पहलवानों को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि जब हमारी बेटियां मैट पर उतरती हैं, तो वे सिर्फ मुकाबला नहीं जीततीं, बल्कि यह साबित करती हैं कि हरियाणा की खेल संस्कृति देश में सर्वश्रेष्ठ क्यों है। मुझे पूरा विश्वास है कि ये बेटियां जापान में होने वाले एशियन गेम्स में भी इसी प्रदर्शन को दोहराएंगी और देश के लिए मेडल जीतकर लाएंगी। कोच मनदीप ने भी विजेता खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया।

प्रिया मलिक जींद के निडानी की

मनीषा भानवाला ने 2025 में चौथी रैंकिंग सीरीज में कांस्य पदक जीता। 2016 साउथ एशियन में स्वर्ण पदक, 2017 कॉमनवेल्थ गेम में कांस्य, 2022 वर्ल्ड रैंकिंग में स्वर्ण और 2023 वर्ल्ड रैंकिंग में कांस्य पदक जीता। 2025 में एशियन चैंपियनशिप में चैंपियन बनी हैं। 7 साल बाद कोई भारत की लड़की चैंपियन बनी है। प्रिया मलिक जींद जिले के निडानी गांव की निवासी है। प्रिया ने 2023 में विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था। पानीपत की निशा दहिया ने 2021 में विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक जीता। 2022 में विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता है।

दीपांशी ने गोल्ड जीता था

2024 में एशियन चैंपियनशिप में गांव रिठाल निवासी दीपांशी ने स्वर्ण पदक जीता था। मानसी ने बताया कि मेरी बचपन से ही रुचि कुश्ती में थी। जिमनास्टिक के साथ शुरुआत की, क्योंकि घरवाले ने कहा था कि पहले थोड़ा योगा और जिम्नास्टिक कर ले इससे भविष्य में इंजरी का खतरा कम होगा। दो साल जिम्नास्टिक की और कुश्ती खेलना शुरू किया। 2024 में अल्बानिया में हुई सीनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता। तिराना में हुई सीनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता। 2023 एशियन गेम्स में भाग लिया।

बोधगया पहुंचे मिन आंग ने महाबोधि मंदिर में की पूजा-अर्चना

बौद्ध विरासत से जुड़े विभिन्न स्थलों का अवलोकन किया

म्यांमार के राष्ट्रपति ने विश्व शांति और मानव कल्याण की कामना की। साथ ही भारत और म्यांमार के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधों के और मजबूत होने की प्रार्थना भी की

एजेंसी ▶▶ गयाजी

भारत और म्यांमार के ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक संबंधों को नई मजबूती देने के उद्देश्य से म्यांमार यूनियन रिपब्लिक के राष्ट्रपति मिन आंग ह्लाइंग शनिवार को बिहार के बोधगया पहुंचे। राष्ट्रपति ने अपने चार दिवसीय भारत दौरे की शुरुआत विश्व धरोहर महाबोधि मंदिर से की। वे म्यांमार एयरवेज इंटरनेशनल के विशेष विमान से सुबह 8:55 बजे गयाजी एयरपोर्ट पहुंचे। बिहार के राज्यपाल सैयद अता हसनैन, बिहार के कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने पुष्पगुच्छ और अंगवस्त्र भेंट कर उनका भव्य स्वागत किया गया। इसके बाद राष्ट्रपति सीधे बोधगया के लिए रवाना हुए।

4 दिवसीय भारत यात्रा पर आए म्यांमार के राष्ट्रपति

म्यांमार के राष्ट्रपति मिन आंग ह्लाइंग ने बोधगया मंदिर में की पूजा

बोधिवृक्ष और सुजाता मंदिर का भी किया दर्शन

महाबोधि मंदिर में पूजा के बाद राष्ट्रपति ने बोधिवृक्ष का दर्शन किया। इसके बाद उन्होंने मुचलिंदा सरोवर और सुजाता मंदिर का भी भ्रमण किया। बौद्ध धर्म से जुड़े इन महत्वपूर्ण स्थलों के प्रति उन्होंने विशेष श्रद्धा व्यक्त की। बोधगया भ्रमण के दौरान स्थानीय प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आया। म्यांमार के डेलिगेशन के सदस्य भी उनके साथ मौजूद रहे। बोधगया यात्रा पूरी करने के बाद राष्ट्रपति दोपहर तीन बजे गयाजी एयरपोर्ट से नई दिल्ली के लिए रवाना हो गए।

मंदिर प्रबंधन ने किया स्वागत

महाबोधि मंदिर पहुंचने पर मंदिर प्रबंधन और बौद्ध भिक्षुओं ने पारंपरिक तरीके से उनका स्वागत किया। मंदिर के प्रबंधक भिक्षु डॉ. दीनानंद और वरीय भिक्षु डॉ. मनोज ने उन्हें पवित्र खादा पहनाया। राष्ट्रपति मिन आंग ह्लाइंग ने महाबोधि मंदिर के गर्भगृह में प्रवेश कर भगवान बुद्ध की प्रतिमा के समक्ष पूजा-अर्चना की। उन्होंने विश्व शांति और मानव कल्याण की कामना की। साथ ही भारत और म्यांमार के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधों के और मजबूत होने की प्रार्थना भी की। पूजा के दौरान मंदिर परिसर में विशेष सुरक्षा व्यवस्था की गई थी।

जयशंकर ने म्यांमार के राष्ट्रपति से की मुलाकात

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को नई दिल्ली में म्यांमार के राष्ट्रपति मिन आंग ह्लाइंग से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने भारत और म्यांमार के बीच द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत बनाने के प्रति राष्ट्रपति ह्लाइंग के सकारात्मक रुख की सराहना की। जयशंकर ने एक्स पर लिखा कि भारत और म्यांमार के लंबे समय से चले आ रहे द्विपक्षीय सहयोग को और गहरा करने के प्रति उनके सकारात्मक दृष्टिकोण की सराहना करता हूं। शांति, प्रगति और समृद्धि के लिए हमारी साझेदारी को आगे बढ़ाने के मकसद से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उनकी बैठक का इंतजार है।

महात्मा बुद्ध के शिष्यों के अस्थि अवशेष दिल्ली से मंगोलिया पहुंचे

गजराज ने निभाई अहम भूमिका

नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना ने बड़े विमान 'गजराज' ने एक अहम मिशन को पूरा करने में बड़ी भूमिका निभाई है। भारतीय वायुसेना का बड़ा विमान 'गजराज' शनिवार को भगवान बुद्ध से जुड़े पवित्र अवशेषों को दिल्ली से मंगोलिया ले जाने के मिशन में शामिल रहा। यह मिशन सांस्कृतिक कूटनीति और भारत की सभ्यतागत विरासत के वैश्विक प्रसार का प्रतीक माना जा रहा है। बौद्ध धर्म में भगवान बुद्ध के अवशेषों को ज्ञान, करुणा और मोक्ष के प्रतीक के रूप में अत्यंत श्रद्धा से देखा जाता है। मंगोलिया में इन अवशेषों का प्रदर्शन दोनों देशों के बीच सदियों पुराने आध्यात्मिक संबंधों को और मजबूत करता है। 'गजराज' भारतीय वायुसेना का प्रमुख भारी भरकम परिवहन विमान है और इसे आईएल-76एमडी नाम से भी जाना जाता है। महात्मा बुद्ध के दो प्रमुख शिष्यों अरहंत सारिपुत्र और अरहंत मौद्गल्यायन के पवित्र अवशेष हैं। इन अवशेषों को मंगोलिया की राजधानी उलानबटार में 9 जून तक प्रदर्शित किया जाएगा। ये अवशेष यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल सांची स्तूप से जुड़े हैं, जिसे बौद्ध धर्म के सबसे पूजनीय केंद्रों में से एक माना जाता है।

खबर संक्षेप

ट्रंप की बेटी टिफनी पहुंची अक्षरधाम मंदिर

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बेटी टिफनी ट्रंप अपने पति माइकल बुलोस के साथ अक्षरधाम मंदिर पहुंचीं। भारत के निजी दौरे पर आए दंपति ने मंदिर परिसर देखा और यहां की भव्यता, संस्कृति और आध्यात्मिक माहौल की सराहना की। करीबी दोस्तों के साथ पहुंचे टिफनी ट्रंप और माइकल बुलोस ने मंदिर में काफी समय बिताया। इस दौरान टिफनी ट्रंप ने आगंतुक पुस्तिका में लिखा कि यह यात्रा बेहद शानदार रही। यहां की खूबसूरती अद्भुत है। इस शानदार अनुभव के लिए धन्यवाद।

200 करोड़ की ठगी में जैकलीन पर आरोप तय

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर और अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज एवं 15 अन्य के खिलाफ 200 करोड़ रुपए के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरोप तय करने का आदेश दिया। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश (एएसजे) प्रशांत शर्मा ने कहा कि पहली नजर में आरोपियों के खिलाफ रिकॉर्ड पर पर्याप्त सबूत हैं। इन सबूतों के आधार पर आरोपियों के खिलाफ गंभीर संदेह पैदा होता है। इन पर मनी लॉन्ड्रिंग निवारण अधिनियम की धारा 3 के तहत अपराध का आरोप लगाया जाना चाहिए।

चीन की सीक्रेट एजेंट निकलीं पूर्व अमेरिकी मेयर

लॉस एंजेलिस। अमेरिका के कैलिफोर्निया के अर्काडिया शहर की पूर्व मेयर एलीन वांग ने अदालत में अपना गुनाह कबूल कर लिया है। 56 साल की वांग ने माना कि उन्होंने चीनी अधिकारियों के इशारे पर काम किया था। वे अपनी वेबसाइट पर चीन के पक्ष वाली खबरें शेयर करती थीं। अमेरिकी कानून के मुताबिक ऐसा करने से पहले सरकार को सूचना देना जरूरी है। फिलहाल वांग 25,000 डॉलर के मुचलके पर बाहर हैं। उन्हें 6 अक्तूबर को सजा सुनाई जाएगी।

एनडीए के 150वें कोर्स की पासिंग आउट परेड में शामिल हुए भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी

'ऑपरेशन सिंदूर' अभी जारी, जरूरत पड़ी तो 2.0 के लिए भी रहें तैयार

सेना प्रमुख ने कहा कि युद्ध का स्वरूप तेजी से बदल रहा है और भविष्य के संघर्ष केवल थल, जल और वायु तक सीमित नहीं रहेंगे। उन्होंने कहा कि भविष्य के युद्धों में अंतरिक्ष, साइबर और सूचना युद्ध जैसी नई चुनौतियां बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी

एजेंसी ▶▶ पुणे

भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने शनिवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर अभी भी जारी है और भारतीय सशस्त्र बलों की तीनों सेनाएं किसी भी परिस्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो तीनों सेनाएं 'ऑपरेशन सिंदूर 2.0' करने के लिए भी तैयार हैं। पुणे के खडकवासला स्थित नेशनल डिफेंस एकेडमी (एनडीए) के 150वें कोर्स की पासिंग आउट परेड के बाद आयोजित प्रेस वार्ता में जनरल द्विवेदी ने कहा कि फिलहाल शत्रुता पर अस्थायी विराम है, लेकिन सेना पूरी सतर्कता के साथ तैयारियों में जुटी हुई है।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में हमारा फोकस तीनों सेनाओं के बीच बेहतर समन्वय और भविष्य के युद्धों के लिए खुद को तैयार करने पर है। सेना प्रमुख ने कहा कि युद्ध का स्वरूप तेजी से बदल रहा है और भविष्य के संघर्ष केवल थल, जल और वायु तक सीमित नहीं रहेंगे। भविष्य के युद्धों में अंतरिक्ष, साइबर और सूचना युद्ध जैसी नई चुनौतियां बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

- भविष्य के युद्ध अंतरिक्ष से लड़े जाएंगे
- हर सैनिक ड्रोन चलाना जरूर सीखे

अपने अनुभव किए साझा

इस अवसर को भावुक और व्यक्तिगत बताते हुए जनरल द्विवेदी ने याद किया कि वे स्वयं 42 वर्ष पहले इसी क्वार्टरडेक से पास आउट हुए थे। उन्होंने कहा कि आज मैं वर्दी में अपने जीवन के अंतिम पड़ाव पर खड़ा हूं, जबकि आप अपनी सैन्य यात्रा शुरू करने जा रहे हैं। मैं पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूं कि यहां जो शुरुआत होती है, वह जीवनभर साथ रहती है।

कैडेट्स को दी बधाई

सेना प्रमुख ने परेड कमांडर और सभी कैडेट्स की उत्कृष्ट ड्रिल और अनुशासन की सराहना की। उन्होंने चीता स्क्वाड्रन को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए बधाई देते हुए विजेता बैनर हासिल करने पर विशेष प्रशंसा व्यक्त की। जनरल द्विवेदी ने 12 मित्र देशों से आए 24 विदेशी कैडेट्स का भी उल्लेख किया, जो इस कोर्स के साथ पास आउट हुए। उन्होंने कहा कि आप भले ही अलग-अलग देशों और संस्कृतियों से आए हों, लेकिन यहां से आप समान मूल्यों, समान प्रशिक्षण और समान उद्देश्य के साथ निकल रहे हैं।

आधुनिक युद्ध में ड्रोन की अहम भूमिका

द्विवेदी ने कहा है कि भविष्य के युद्धों को देखते हुए भारतीय सशस्त्र बलों के हर सैनिक के पास ड्रोन संचालित करने की क्षमता होनी चाहिए। सेना इस दिशा में लगातार काम कर रही है और जवानों को ड्रोन, सिमुलेटर व ड्रोन-रोधी तकनीकों का व्यापक प्रशिक्षण दिया जा रहा है। आधुनिक युद्ध में ड्रोन की भूमिका तेजी से बढ़ी है और सेना अपने सैनिकों को इस नई चुनौती के लिए तैयार कर रही है। उन्होंने बताया कि सेना प्रमुख का पद संभालने के बाद उन्होंने 'ईगल ऑन द आर्म' की अवधारणा पेश की थी। इसका मतलब यह है कि हर सैनिक के हाथ में एक 'ईगल' यानी ड्रोन होना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि यहां ईगल से उनका आशय पक्षी नहीं, बल्कि ड्रोन तकनीक से है। जनरल द्विवेदी ने कहा कि हर सैनिक को ड्रोन चलाने और उसका प्रभावी उपयोग करने में सक्षम होना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि भविष्य के युद्धक्षेत्र में तकनीकी दक्षता और ड्रोन संचालन की क्षमता सैनिकों की सबसे बड़ी ताकतों में शामिल होगी।

विजय हमेशा दिमाग में हासिल होती है

जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा कि विजय हमेशा दिमाग में हासिल होती है, जमीन पर नहीं। सूचना युद्ध तभी सफल होता है जब पूरा देश एकजुट हो और सही सूचना देने वाले संस्थानों पर भरोसा करे। जिस राष्ट्र के नागरिक एक-दूसरे और अपने संस्थानों पर विश्वास करते हैं, वह युद्ध में हमेशा विजयी होता है। ऑपरेशन सिंदूर ने यह साबित किया है कि भारत जरूरत पड़ने पर सटीक, संतुलित और निर्णायक जवाब देने में सक्षम है। जब राष्ट्र की इच्छाशक्ति सटीकता और दृढ़ संकल्प के साथ व्यक्त होती है, तो भारत उकसावे का जवाब किस तरह देता है। उन्होंने कहा कि इस अभियान ने देश की सैन्य प्रतिक्रिया का नया मानक स्थापित किया है और अब इस मानक को बनाए रखने की जिम्मेदारी युवा सैन्य अधिकारियों की होगी। परेड को संबोधित करते हुए जनरल द्विवेदी ने कहा कि आज की दुनिया में सुरक्षा चुनौतियां तेजी से बदल रही हैं। खतरे अब हमेशा वर्दी पहनकर या किसी घोषित मोर्चे से नहीं आते। विवादित ग्रे-जोन से लेकर तेज रफ्तार हाइब्रिड युद्ध तक, मौजूदा सुरक्षा वातावरण में सैनिकों को त्वरित और रणनीतिक सोच के साथ कार्य करना होगा।

कंधे से कंधा मिलाकर देश की सेवा करनी होगी

उपेंद्र द्विवेदी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दिखाई गई तीनों सेनाओं की समन्वित और एकीकृत प्रतिक्रिया उसी संयुक्तता का परिणाम थी, जिसकी नींव एनडीए में पहले दिन से रखी जाती है। उन्होंने कैडेट्स से कहा कि भविष्य में चाहे वे किसी भी सैन्य सेवा में जाएं, उन्हें फिर से कंधे से कंधा मिलाकर देश की सेवा करनी होगी। द्विवेदी ने कहा है कि भविष्य के युद्धों को देखते हुए भारतीय सशस्त्र बलों के हर सैनिक के पास ड्रोन संचालित करने की क्षमता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सेना इस दिशा में लगातार काम कर रही है और जवानों को ड्रोन, सिमुलेटर व ड्रोन-रोधी तकनीकों का व्यापक प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जनरल द्विवेदी ने कहा कि आधुनिक युद्ध में ड्रोन की भूमिका तेजी से बढ़ी है और सेना अपने सैनिकों को इस नई चुनौती के लिए तैयार कर रही है।

नौसेना की तैयारियों पर दी विस्तृत जानकारी

पीएम मोदी से की एडमिरल दिनेश त्रिपाठी ने मुलाकात

बैठक में समुद्री क्षेत्र में उभरती चुनौतियों और तेजी से बदलती प्रौद्योगिकी के प्रभाव पर भी चर्चा हुई

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय नौसेना के प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी ने शुक्रवार को पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। यह मुलाकात 31 मई को नौसेना की कमान सौंपने से ठीक पहले हुई। इस मुलाकात के दौरान एडमिरल त्रिपाठी ने पीएम को भारतीय नौसेना की ऑपरेशनल तैयारियों और हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में समग्र सुरक्षा स्थिति के बारे में विस्तृत जानकारी दी। नौसेना प्रवक्ता की ओर से बताया गया कि बैठक में समुद्री क्षेत्र में उभरती चुनौतियों और तेजी से बदलती प्रौद्योगिकी के प्रभाव पर भी चर्चा हुई। एडमिरल त्रिपाठी ने पीएम को बताया कि भारतीय नौसेना युद्ध के लिए तैयार, विश्वसनीय, सुसंगत, भविष्य के लिए तैयार और आत्मनिर्भर शक्ति के रूप में राष्ट्र के समुद्री हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

समुद्री हितों की रक्षा करने के लिए तैयार

नौसेना ने अपने आधिकारिक बयान में कहा, भारतीय नौसेना कभी भी, कहीं भी, किसी भी तरह से, अपने राष्ट्रीय समुद्री हितों की रक्षा करने के लिए तैयार है। एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी 31 मई को भारतीय नौसेना की कमान नए चीफ को सौंपने वाले हैं। इस मौके पर उन्होंने पीएम को नौसेना की वर्तमान क्षमताओं, आधुनिकरण कार्यक्रमों, स्वदेशी हथियारों के शामिल होने और हिंद महासागर क्षेत्र में बढ़ती सुरक्षा चुनौतियों की जानकारी दी। हिंद महासागर क्षेत्र में चीन की बढ़ती गतिविधियां, समुद्री सुरक्षा, व्यापार मार्गों की सुरक्षा और नई तकनीकों (जैसे ड्रोन, हाइपरसोनिक मिसाइलें और साइबर खतरे) को ध्यान में रखते हुए यह बैठक काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

पीएम ने की सराहना

पीएम मोदी ने नौसेना की तैयारियों की सराहना की और भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया। भारतीय नौसेना लगातार अपनी क्षमताओं को मजबूत कर रही है। हाल के वर्षों में स्वदेशी युद्धपोतों, पनडुब्बियों, विमानों और नौसेना के आधुनिकरण में तेजी आई है। एडमिरल त्रिपाठी के नेतृत्व में नौसेना ने 'आत्मनिर्भर भारत' के लक्ष्य को हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

बाजार से विदेशी निवेशकों का मोहभंग?

सिर्फ मई में भारतीय शेयर बाजार से निकाले 32,963 करोड़ रुपए

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पश्चिम एशिया संकट के बीच भारतीय शेयर बाजार में विदेशी निवेशकों (एफपीआई) की बिकवाली का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। लगातार तीसरे महीने विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय बाजार से हजारों करोड़ रुपए निकाल लिए हैं। नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने मई 2026 में भारतीय शेयर बाजार से 32,963 करोड़ रुपए की भारी-भरकम

निकासी की है। इसके असर से इस वर्ष में अब तक सेंसेक्स में 12.5 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आ चुकी है। यह 86100 के ऊपरी स्तरों से फिसलकर 74,775के स्तर तक पहुंच गया है। इस दौरान निफ्टी में भी करीब 10 से 11 प्रतिशत की गिरावट आई है और यह अपने उच्चतम स्तर 26,373.20 से धड़ाम होकर 25,500 के स्तर पर पहुंच गया है।

मलप्पुरम में अवैध विस्फोटक बरामदगी मामला

3 राज्यों में 19 जगहों पर एनआईए की छापेमारी, नेटवर्क और कनेक्शन खंगाले

एजेंसी ▶▶ कोच्चि

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने शनिवार को केरलम, कर्नाटक और तमिलनाडु में 19 जगहों पर एक साथ छापेमारी की। यह कार्रवाई केरलम के मलप्पुरम जिले में अवैध विस्फोटक बरामदगी मामले की जांच के तहत की गई। एजेंसी ने विस्फोटकों के सोर्स, सप्लाई चेन और इससे जुड़े संभावित नेटवर्क का पता लगा रही है। एनआईए ने केरलम में मलप्पुरम जिले के तिरुरंगडी में में एनआईए ने वेयरहाउस और वंदूर के पुथियाथुकुन्नू में लॉरी मालिक के

पुथियाथुकुन्नू में लॉरी मालिक के घर छापेमारी

घर छापेमारी की। अधिकारियों के मुताबिक, यह मामला मलप्पुरम का है। 7 फरवरी 2026 को पुलिस ने चेम्माड (मलप्पुरम) में प्याज से लदे एक ट्रक से 448 बक्सों में छिपाई गई 89,600 जिलेटिन की छड़ें और 10,500 डेटोनेटर बरामद किए थे। सुरक्षा एजेंसियों ने इसके संभावित दुरुपयोग और सुरक्षा जोखिमों को लेकर चिंता जताई थी।

दुनिया के मंच पर दिखा भारत का दम

अमेरिकी रक्षा मंत्री बोले- भारत 'महाशक्ति' हिंद महासागर में ताकत का संतुलन बना रहा

एजेंसी ▶▶ सिंगापुर

अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने सिंगापुर में कहा कि भारत एक ताकतवर देश है और अपनी सेना को आधुनिक बना रहा है। भारत खासतौर पर हिंद महासागर में ताकत का संतुलन बनाए रखने में मदद कर रहा है। सिंगापुर में हर साल एक बड़ी सुरक्षा बैठक होती है जिसे शांगरी-ला संवाद कहते हैं। इसमें दुनियाभर के रक्षा मंत्री और सेना के बड़े अधिकारी आते हैं। इस साल 44 देश इसमें शामिल हुए। शनिवार को अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने यहां भाषण दिया।

भारत-अमेरिका मिलकर सैन्य हथियार और उपकरण बनाएंगे

पीट हेगसेथ ने कहा कि भारत बड़ी और भारी सैन्य जरूरतों को पूरा करने के लिए अपनी फैक्ट्री और सप्लाई की व्यवस्था तैयार कर रहा है। अमेरिका ने भारत के साथ मिलकर हथियार और सैन्य उपकरण बनाने का वादा किया है। इसे को-प्रोडक्शन कहते हैं यानी दोनों देश साथ मिलकर बनाएंगे।

इंडो-पैसिफिक में किसी का दबाव नहीं चलेगा

हेगसेथ ने कहा कि एशिया-प्रशांत क्षेत्र यानी इंडो-पैसिफिक दुनिया का सबसे अहम इलाका है। अमेरिका इस इलाके में शांति और संतुलन बनाए रखना चाहता है। वह नहीं चाहता कि कोई एक देश पूरे इलाके पर अपना दबदबा बना ले। उन्होंने सीधे चीन का नाम लेते हुए कहा कि कोई भी देश, चीन सहित, इस इलाके में अपना वर्चस्व नहीं थोप सकता।

सिंगापुर में भारत ने रक्षा कूटनीति को गति दी

रक्षा सचिव ने ऑस्ट्रेलिया, यूरोपीय संघ और नीदरलैंड के अधिकारियों से की मुलाकात

एजेंसी ▶▶ सिंगापुर

रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने शनिवार को सिंगापुर में 'शांगरी-ला डायलाग' से इतर ऑस्ट्रेलिया, यूरोपीय संघ और नीदरलैंड के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ अलग-अलग वार्ता की। भारत ने प्रमुख हिंद-प्रशांत और यूरोपीय साझेदारों के साथ रक्षा कूटनीति को गति दी है। सिंह की ऑस्ट्रेलियाई रक्षा सचिव मेघन क्विन के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। दोनों पक्षों ने भारत-ऑस्ट्रेलिया व्यापक रणनीतिक साझेदारी की प्रगति की समीक्षा की, आगामी उच्चस्तरीय बैठकों पर चर्चा की और पारस्परिक हित के क्षेत्रों में रक्षा सहयोग को और मजबूत करने के उपायों पर विमर्श किया। हिंद-प्रशांत क्षेत्र वैश्विक रणनीतिक प्रतिस्पर्धा का केंद्र बन गया है, जहां से वैश्विक समुद्री व्यापार का लगभग 60 प्रतिशत हिस्सा गुजरता है। भारत के लिए हिंद-प्रशांत क्षेत्र उसकी सुरक्षा रणनीति का मूल है।

नीदरलैंड के साथ रक्षा सहयोग बढ़ाएगा भारतः रक्षा सचिव

नीदरलैंड की रक्षा मंत्री और राजेश कुमार

सिंह ने नीदरलैंड के रक्षा मंत्री दिलन येसिलगोज-जेगेरियस से भी बातचीत की। चर्चा का मुख्य विषय द्विपक्षीय रक्षा सहयोग बढ़ाना, सैन्य संबंधों को मजबूत करना और रक्षा औद्योगिक सहयोग के अवसरों की खोज करना था, जो दोनों पक्षों के बीच बढ़ती रणनीतिक साझेदारी को दर्शाता है। सिंह ने यूरोपीय विदेश कार्रवाई सेवा की महासचिव बेलेन मार्टिनेज कार्बोनल और यूरोपीय संघ सैन्य समिति के उपाध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल एनरिको बरदुवानी से भी मिले।

फूड रेटिंग प्लेटफॉर्म टेस्टएटलस ने जारी की विश्व की 100 चायों की सूची

दुनिया भर में छाई भारत की 'मसाला चाय', पहले पायदान पर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

हमारे देश में अधिकतर लोगों की शुरुआत चाय से होती है, हालांकि सिर्फ भारत में ही नहीं विदेश में भी लोग चाय के दीवाने हैं। हालांकि अब दुनिया भी वो बात मान गई है जो हम सालों से जानते थे, यहीं की मसाला चाय दुनिया की सबसे बेहतरीन चाय है।

हाल ही में प्रसिद्ध फूड रेटिंग प्लेटफॉर्म टेस्टएटलस ने दुनिया भर की 100 बेस्ट चाय की सूची जारी की है, जिसमें भारतीय मसाला चाय को पहला स्थान मिला है। यह खबर पूरे देश के लिए गर्व की बात है। हम में से काफी लोग मसाला चाय पीना पसंद करते हैं, ये सिर्फ एक ड्रिंक नहीं, बल्कि भावनाओं का मिश्रण है।

मसाला चाय में अदरक इलायची, दालचीनी लौंग और काली मिर्च का मिश्रण होता है

100 में से 6 भारतीय चायों का जलवा

- नंबर 01 पर - मसाला चाय
- नंबर 06 पर - दार्जिलिंग चाय
- नंबर 13 पर - असम चाय
- नंबर 39 पर - सुलैमानी चाय (केरल)
- नंबर 41 पर - कांगड़ा टी (हिमाचल प्रदेश)
- नंबर 43 पर - नून चाय (जम्मू-कश्मीर)

दुनिया की अन्य खास चाय

- नंबर 02 पर - होजिचा (जापान)
- नंबर 03 पर - सीलोन ब्लैक टी (श्रीलंका)
- नंबर 04 पर - सेंचा (जापान)
- नंबर 05 पर - पुएरह टी (चीन)

भारतीय मेहमान नवाजी का बड़ा हिस्सा

मसाला चाय सिर्फ एक ड्रिंक नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति और मेहमाननवाजी का बड़ा हिस्सा है। ये हमारे रिवाज, बातचीत शुरू करने का तरीका, काम के बीच ब्रेक, रेलवे स्टेशन का साथी और कभी-कभी मुफ्त थेरेपी भी है। सूची को देखकर पता चलता है कि भारत की चाय को लोग कितना पसंद करते हैं।

12 वर्षों में भारत के चाय निर्यात में 93% की छलांगः मंत्री गोयल

भारत का चाय निर्यात बीते 12 वर्षों में वित्त वर्ष 2025-26 तक 93 प्रतिशत बढ़कर 8,719 करोड़ रुपए रहा है, जो कि वित्त वर्ष 2013-14 में 4,509 करोड़ रुपए था। यह जानकारी वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की ओर से दी गई। गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कहा कि चाय एक भावना है और अंतरराष्ट्रीय चाय दिवस पर इसे व्यक्त करने का इससे बेहतर तरीका और क्या हो सकता है! पूरे भारत में, चाय सिर्फ एक पेय पदार्थ नहीं है, बल्कि यह रोजमर्रा की जिंदगी, बातचीत और परंपराओं का एक अभिन्न अंग है। दार्जिलिंग की पहाड़ियों से लेकर असम की घाटियों और नीलगिरी के बागानों तक, हर क्षेत्र चाय के एक कप में अपना अनूठा स्वाद, सुगंध और विशेषता जोड़ता है!

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109